आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, शुक्रवार
30 मई 2025
वर्ष: 38, अंक: 174
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

राजनाथ आम रक्षा मंत्री के नाम पर आम, राष्ट्रीय भावना के उत्साह के बीच आया अनूठा सम्मान

झारखंड

जमीन के मुआवजा का भुगतान किए बिना जियाडा द्वारा किया जा रहा जबरन अधिग्रहण

हज़ारीबाग

हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने किया कालीबाड़ी सब्जी बाजार का निरीक्षण

आईएएस अफसर सहित जेल भेजे गए चारों अधिकारी सस्पेंड, हाई कोर्ट पहुंचे विनय कुमार

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत जेल भेजे गए आईएएस विनय कुमार चौबे सहित चारों ही अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। जेल भेजे जाने के नौवें दिन विभाग ने यह कार्रवाई की है।इन अधिकारियों में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के पूर्व प्रधान सचिव सह झारखंड राज्य बिवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के पूर्व महाप्रबंधक विनय कुमार चौबे, संयुक्त आयुक्त उत्पाद गजेंद्र सिंह, महाप्रबंधक वित्त सुधीर कुमार दास, पूर्व महाप्रबंधक वित्त सह अभियान सुधीर कुमार शामिल हैं।चारों ही आरोपितों को एसीबी ने 20 व 21 मई को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें एसीबी की रांची स्थित विशेष अदालत में प्रस्तुत किया गया था, जहां से वे न्यायिक हिरासत में भेजे गए थे। गिरफ्तारी के वक्त आईएएस विनय कुमार चौबे पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव थे। संबंधित विभाग ने गिरफ्तारी की तिथि से ही चारों ही आरोपितों को निलंबित किया है। सभी आरोपितों पर पद का दुरुपयोग कर नियमों को ताक पर रखकर अपने पसंदीदा प्लेसमेंट एजेंसियों को फर्जी बैंक गारंटी देने के बावजूद ठेका देने का आरोप है। इससे राज्य सरकार को 38 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचा है।

रिमांड के खिलाफ विनय चौबे पहुंचे हाई कोर्ट : शराब घोटाला मामले में आरोपित आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे ने एसीबी कोर्ट के दो दिनों के रिमांड पर दिए जाने के खिलाफ झारखंड हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है। उनकी ओर से रिमांड पर दिए जाने के आदेश को चुनौती दी गई है।

याचिका में कहा गया है कि एसीबी ने जिस दिन प्राथमिकी दर्ज की, उसी दिन उनसे पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। इसके बाद एसीबी ने कोर्ट में रिमांड में लेने क आवेदन दिया। एसीबी के इस आवेदन का विरोध किया गया।

एसीबी ने पूछताछ के बाद ही उन्हें गिरफ्तार किया था इसके बाद उन्हें रिमांड पर लेने की जरूरत नहीं थी। प्राथमिकी दर्ज करने के दिन ही कोर्ट में पेश किए जाने से यह प्रतीत होता है कि एसीबी की पूछताछ पूरी हो गई थी। ऐसे में उन्हें रिमांड पर लेने का आदेश देना उचित नहीं है।

एनटीपीसी के डीजीएम गौरव हत्याकांड का खुलासा, एक और आरोपी गिरफ्तार

क्राइम संवाददाता द्वारा

हजारीबाग: देश की महारत्न कंपनी एनटीपीसी के डीजीएम कुमार गौरव हत्याकांड मामले में एक और आरोपी को हजारीबाग पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. उसके पास से एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल और चोरी की बाइक भी बरामद की गई है. गिरफ्तार अपराधी 36 वर्षीय मुकेश साव उर्फ प्रभात उर्फ माईकल पिता निरंजन साव, ग्राम चेडरा थाना बारियातु जिला लातेहार का रहने वाला है. कटकमदाग थाना प्रभारी पंकज कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है.

दरअसल, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी हथियार के साथ किसी अपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए ग्राम बेस की तरफ जुटे हुए हैं. वरीय पदाधिकारी के निर्देशानुसार एक छापेमारी दल का गठन किया गया. छापेमारी दल ने कार्रवाई करते हुए ग्राम बेस के पास से मुकेश साव को गिरफ्तार कर लिया. उसके खिलाफ केरेडारी, कटकमसांडी, बालूमाथ, गिद्दी, गिधौर, डोरंडा व कटकमदाग थाने में कई आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं.

मुकेश साव से पूछताछ करने पर बताया कि बीते 8 मार्च 2025 को ग्राम फतहा चौक पर एनटीपीसी के डीजीएम की हत्या में वह भी शामिल था. इसी के इशारे पर अन्य अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया था. साथ ही हजारीबाग एवं आस-पास क्षेत्रों में रंगदारी, हत्या जैसे कई अन्य आपराधिक घटनाओं में शामिल होने की बात भी स्वीकार की है.

8 मार्च 2025 को एनटीपीसी के डीजीएम कुमार गौरव की गोली मारकर फतह चौक पर हत्या कर दी गई थी. इस घटना की चर्चा पूरे देश भर में हुई थी और हजारीबाग पुलिस के कार्य प्रणाली पर सवालिया निशान खड़ा हुआ था. कई दिनों तक एनटीपीसी ने कोयला उत्पादन भी ठप रखा था. सुरक्षा का आश्वासन मिलने के बाद कोयला उत्पादन शुरू किया गया था. पहले भी इस मामले में कुछ अपराधियों की गिरफ्तारी हो चुकी है. छापेमारी में कटकमदाग थाना प्रभारी पंकज कुमार के नेतृत्व में की गई थी

धनबाद में गन फैक्ट्री पर एसटीएफ का छापा, पकड़ी गई 3 हजार पिस्टल

क्राइम संवाददाता द्वारा

धनबाद: जिले के बाघमारा अनुमंडल के महुदा थाना क्षेत्र सिंगड़ा में अवैध मिनी गन फैक्ट्री का पर्दाफाश झारखंड एटीएस, पश्चिम बंगाल एसटीएफ और धनबाद पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर 28 मई की रात को किया था. टीम जब मौके पर छापेमारी करने पहुंची तो दंग रह गई थी. मौके से दर्जनों पिस्टल और अर्धनिर्मित पिस्टल के साथ पुलिस ने भारी मात्रा में हथियार बनाने के सामान जब्त किए थे. पुलिस ने मामले में अवैध मिनी गन फैक्ट्री संचालक मोहम्मद मुर्शीद सिंगड़ा सहित पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है. जिसमें कारीगर मोहम्मद साबिर अंसारी, मोहम्मद मुस्तफा, मोहम्मद परवेज उर्फ रिंकू और मोहम्मद मिस्टर शामिल हैं. सभी बिहार के मुंगेर जिले के रहने वाले हैं. अपराधियों की गिरफ्तारी की पुष्टि बाघमारा एसडीपीओ पुरुषोत्तम सिंह ने की है.

बाघमारा एसडीपीओ ने ने बताया कि धनबाद जिले के महुदा थाना क्षेत्र सिंगड़ा में पश्चिम बंगाल एसटीएफ, झारखंड एटीएस और धनबाद पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर 28 मई रात को अवैध मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया था. मौके से भारी संख्या में निर्मित और अर्धनिर्मित पिस्टल, पिस्टल बनाने वाले समान भारी मात्रा में बरामद किए गए थे. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधी मुर्शीद की पत्नी हीना की संलिप्तता की पुलिस जांच कर रही है. सभी अपराधियों के आपराधिक इतिहास का पता लगाया जा रहा है. एसडीपीओ ने बताया कि जांच के दौरान यह भी जानकारी मिली है कि एक सप्ताह पहले ही महुदा में अवैध मिनी गन फैक्ट्री की शुरुआत की गई थी. पश्चिम बंगाल एसटीएफ को इस संबंध में और क्या इनपुट मिले थे इसकी भी जानकारी ली जाएगी. गिरफ्तार अपराधियों के पश्चिम बंगाल कनेक्शन की भी जांच की जा रही है. साथ ही मिनी गन फैक्ट्री से पिस्टल की बिक्री हुई है या नहीं, इसके बारे में भी पता लगाया जा रहा है.

पीएम किसान योजना में फर्जीवाड़ा, मुर्दे ले रहे थे PM किसान योजना का पैसा!

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची: तिकड़मबाजी, चालबाजी और जालसाजी की दुनिया ही अजब-गजब होती है. सरकारी पैसो को गड़प करने पर भी नजर बनीं रहती है, ताकि कैसे पैसा मुफ्त में डकार लिया जाए. झारखंड के धनबाद में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की राशि मृतक के खाते में जा रही थी. यानि जिनकी मृत्यी हो गयी है और जो इस दुनिया में नहीं हैं. उनके बैंक अकाउंट में भी सरकारी पैसा जा रहा था. इतना ही नहीं कई अयोग्य लोग भी किसान बनकर इस योजना के पैसे को हजम कर रहे थे.

जब इसका राज खुला और जब अफसरों ने जांच की तब मालूम पड़ा कि किस तरह का गड़बड़झाला चल रहा है. दरअसल, बलियापुर क्षेत्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना की राशि मृतकों के खाते में जाने के मामले की जांच के लिए जिला स्तरीय टीम बलियापुर पहुंची. इसकी अगुवाई धनबाद के अपर समाहर्ता विनोद कुमार कर रहे थे. टीम के मेंबर्स ने मामले की जांच-पड़ताल के लिए कई गांव का दौरा किया और मृतक लाभुकों का सत्यापन किया. सत्यापन के ये भी बात सामने आई कि मौत के बाद भी लाभुकों को पीएम सम्मान योजना की राशि मिल रही थी, लेकिन मौत के बाद राशि की निकासी उनके खाते से नहीं की गई है. हालांकि सबसे पहले इसे लेकर यह कदम उठाया गया कि सभी मृतकों के खाते की जांच कर खाते से निकासी पर रोक लगाई गई है.

इसके साथ ही ये भी देखा जाएगा कि आखिर लाभुक की मृत्यु के बाद कितनी राशि उनके खाते में गई. फिर उस राशि को वापस सरकार के खाते में कैसे ट्रांसफर किया जाए. इस जांच का मुख्य मकसद ये था कि यदि मृतक के खाते में गई राशि को किसी व्यक्ति द्वारा या उनके स्वजन द्वारा निकाला गया है तो यह आपराधिक मामला बनेगा और इस पर आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

जांच टीम की पहली प्राथमिकता यही है कि मृतक के खाते को होल्ड कर दिया जाए ताकि कोई भी पैसे की निकासी आगे नहीं कर सके. इसके बाद इस पैसे को सरकार को ही वापस किया जाए. इसके साथ ही जो अयोग्य लाभुक थे और जिन्होने मुफ्त में ही पीएम किसान योजना का पैसा उठाकर खुद को चालाक समझ रहे थे. उनसे वसूली और आगे कड़ी कार्रवाई की जाएगी. अयोग्य लाभुकों से प्रशासन वसूली प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दिया है. जल्द ही अन्य अयोग्य लाभुकों को चिन्हित करके आगे वसूली प्रक्रिया की जाएगी.

गौरतलब है कि यह मामला तब प्रकाश में आया जब बलियापुर के अंचलाधिकारी ने एक सर्वे कराया, जिसमे बलियापुर क्षेत्र से लगभग डेढ़ सौ मृत और करीब डेढ़ सौ अयोग्य लाभुको को चिन्हित किया गया था, जिन पर कार्रवाई की जा रही है.

प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना की राशि मृतक के खाते में जाने को लेकर तमाम तरह की चर्चाए हो रही है. इसके साथ ही उन लोगों ने भी सरकारी पैसे को हड़पा जो झूठमूठ का किसान पैसा लेने के लिए बन गये थे.

धनबाद जिला प्रशासन ने इसे लेकर कमर कस लिया है और जिन लोगों ने भी गड़बड़ी की है. उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि योग्य व्यक्ति को ही पीएम किसान योजना का पैसा मिले.

आपको बता दें सरकार की तरफ से देश के किसानों को हर साल आर्थिक मदद देने के लिए पीएम किसान सम्मान निधि योजना चलाई गई है. इस योजना का फायदा देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं, खासकर वो किसान जो कम आमदनी में अपनी खेती कर रहे हैं. सरकार ने इन गरीब किसानों के लिए ही यह योजना चलायी है. जिसके तहत हर साल किसानों को 6000 रुपये की मदद देती है, जो 2000 रुपये की तीन किस्तों में मिलती है. अभी तक मोदी सरकार ने 19 किस्ते दे चुकी है.

पलामू में बारात गाड़ी और डीजे वाहन में भीषण टक्कर, 4 लोगों की मौत; 10 अन्य घायल

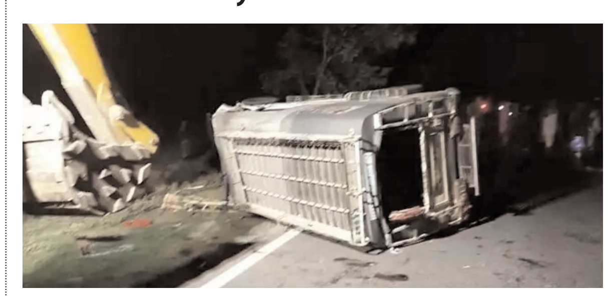

क्राइम संवाददाता द्वारा

डालटनगंज: पलामू जिले के तरहसी थाना क्षेत्र में बुधवार रात सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में 10 अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में दो लोगों के पैर कट गए और आठ लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार तरहसी थाना क्षेत्र के तिरूआ मोड़ पर बारातियों से भरी गाड़ी और डीजे वाहन के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में मनातू थाना क्षेत्र के नावा चुनका गांव के रहने वाले चार लोगों की मौत हो गई। दो लोगों की मौत मौके पर ही हो गई थी, जबकि बाकी लोगों की मौत अस्पताल में हुई। हादसे के बाद जेसीबी की मदद से दोनों क्षतिग्रस्त गाड़ियों को हटाया गया और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दरअसल, मनातू थाना क्षेत्र के नावा चुनका गांव से एक बारात सतबरवा थाना क्षेत्र में जा रही थी। इसी दौरान दोनों वाहनों के बीच टक्कर हो गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस की ओर से तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया।

सड़क हादसे के बाद तरहसी के थाना प्रभारी नीरज कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से सभी घायलों को इलाज के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया। जहां से प्राथमिक इलाज के बाद सभी को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया।

झारखंड को मिले विशेष राज्य का दर्जा: झामुमो

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड मुक्ति मोर्चा के कैंप कार्यालय में पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने संवाददाता सम्मेलन कर झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग 16वें वित्त आयोग से की है. उन्होंने कहा कि हमारा देश के विकास में अहम योगदान है और बदले में हमें विस्थापन, बीमारी और गरीबी मिली है.

इस दौरान सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि यह तथ्य है कि देश में सबसे ज्यादा खनिज उत्पादक राज्य झारखंड है. देश की इकोनॉमी में सबसे ज्यादा रेलवे ट्रांसपोर्टेशन का सर्वाधिक राजस्व वाले तीन रेल डिवीजन में से दो रेल मंडल धनबाद और चक्रधरपुर झारखंड के हैं. उसके बाद नागपुर डिवीजन का नाम आता है.

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य का जो भौगोलिक क्षेत्र है इस क्षेत्र में जो गांव बसे हुए हैं या तो वह पर्वत के तल पर हैं या दो पर्वत के बीच में हैं. प्रदेश हर तरह से चाहे खनिज संपदा हो या अन्य संपदा हो या मानव संपदा हर मामले में झारखंड सबसे धनी राज्यों में से एक है. आज लेह लद्दाख जैसे पूर्वोत्तर राज्यों में बीआरओ की सड़क बनती है तो उसमें सबसे ज्यादा श्रमिक झारखंड से ही जाते हैं. इसका कारण यह है कि झारखंड में बड़ी संख्या में विस्थापन होता है, क्योंकि खनिज उत्खनन के लिए लोगों की जमीन ली जाती है और उसके बाद लोगों का विस्थापन होता है और उनका पलायन होता है. इसके कारण डेमोग्राफिक्स असमानता भी बढ़ती है. ऐसे में झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए.

झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा देने के समर्थन में सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड एकमात्र ऐसा राज्य है जो देश के लिए बेहद जरूरी संपदा यूरेनियम का उत्पादन करता है. झारखंड के जादूगोड़ा में इसका उत्पादन होता है और बदले में कई-कई पीढ़ियां यूरेनियम के रेडिएशन के प्रभाव में आकर प्रभावित हो रही हैं. देश को लौह अयस्क देने वाले भाग में लोग मलेरिया और ट्यूबरक्लोसिस के शिकार हो रहे हैं. हम अपने विनाश को स्वीकार कर देश के विकास के प्रति समर्पित हैं. इसलिए भारत सरकार के 16वें वित्त आयोग से विशेष राज्य का मांग करते हुए हैं. उन्होंने कहा कि देश के निर्माण में हम बलिदान कर रहे हैं. झामुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि इस देश की सीमा पर झारखंड के हजारों लोग देश के विकास में लगे हैं.

राज्यपाल ने कुलपतियों के साथ की अहम बैठक, नई शिक्षा नीति पर हुआ मंथन

संवाददाता द्वारा

रांची: राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को झारखंड के विभिन्न सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ एक अहम बैठक की जिसमें राज्य के विभिन्न सरकारी और निजी विश्वविद्यालय के कुलपति शामिल हुए. बैठक का मुख्य उद्देश्य नई शिक्षा नीति 2020 (NEP) के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा करना था.

बैठक में रांची विश्वविद्यालय, जेयूटी, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, कोल्हान विश्वविद्यालय और सिद्धो कान्हू विश्वविद्यालय जैसे सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित थे, जबकि अरका जैन विश्वविद्यालय, एमिटी विश्वविद्यालय, सरला बिरला विश्वविद्यालय, झारखंड राय विश्वविद्यालय और उषा मार्टिन विश्वविद्यालय जैसे निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने भी हिस्सा लिया.

कुलपतियों ने दिया अपने अपने विश्वविद्यालय का प्रजेंटेशन : बैठक के दौरान कुलपतियों ने राज्यपाल के समक्ष अपने-अपने विश्वविद्यालयों का प्रस्तुतीकरण दिया और बताया कि वे अपने संस्थानों में नई शिक्षा नीति के प्रावधानों को किस प्रकार लागू कर रहे हैं. उन्होंने विशेष रूप से भारतीय ज्ञान परंपरा, कौशल विकास, मातृभाषा में शिक्षा, मल्टीपल एंट्री और एग्जिट व्यवस्था, चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम और एक-दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम जैसे पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी.

क्या है नई शिक्षा नीति 2020: नई शिक्षा नीति 2020 भारत सरकार की एक ऐतिहासिक पहल है, जिसका उद्देश्य देश की शिक्षा प्रणाली को अधिक समावेशी, लचीला, आधुनिक और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना है. लगभग 34 साल बाद किसी शिक्षा नीति में इतना बड़ा बदलाव किया गया है.

इस नीति के तहत कई क्रांतिकारी सुधार शामिल हैं: स्कूली शिक्षा में अब 10+2 के पारंपरिक ढांचे की जगह 5+3+3+4 प्रणाली लागू की गई है, जो बच्चों के मानसिक और शैक्षणिक विकास के अनुरूप है. मल्टीपल एंट्री और एग्जिट प्रणाली के अंतर्गत अब छात्र किसी कोर्स को बीच में छोड़कर भविष्य में फिर से वहीं से पढ़ाई शुरू कर सकते हैं.

मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं:

चार वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रम की शुरुआत की गई है, जिसमें शोध और विशेषज्ञता के विकल्प भी शामिल हैं

एक और दो वर्षीय स्नातकोत्तर प्रोग्राम, शोध आधारित शिक्षा और मूल्यांकन प्रणाली में सुधार को बढ़ावा दिया गया है.

विद्यार्थियों को स्थानीय भाषा में पढ़ाई के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे बुनियादी समझ और संप्रेषण बेहतर हो सके.

कौशल विकास को मुख्यधारा में शामिल किया गया है ताकि छात्र डिग्री के साथ-साथ व्यावसायिक रूप से सक्षम बनें.

राज्यपाल ने कुलपतियों से कहा कि नई शिक्षा नीति सिर्फ पाठ्यक्रम का बदलाव नहीं है, बल्कि यह शिक्षा की पूरी सोच को परिवर्तित करने का अवसर है. उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों को इस दिशा में तेजी से काम करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा लक्ष्यों के साथ कदम मिलाकर चलना होगा.

बैठक में उपस्थित सभी कुलपतियों ने इस दिशा में सकारात्मक सहयोग देने का आश्वासन दिया और कहा कि उनके विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति को पूरी गंभीरता से लागू करने की दिशा में लगातार प्रयासरत हैं.

ऑपरेशन सिंदूर में अकेले पाकिस्तान की कुटाई नहीं हुई

अंजन कुमार

"डोनाल्ड ट्रंप के समय में अमेरिका की विदेश नीति की जो कमियां हैं, उसे ऑपरेशन सिंदूर ने उजागर कर दिया है। ट्रंप ने भारत को अपना अच्छा दोस्त बताया था, लेकिन उनका एक दावा उनकी चालबाजियों पर भारी पड़ गया। उन्होंने कहा था कि उन्होंने 'सीजफायर' करवाया है। भारत को यह बहुत ही नागवार गुजरा। भारत को लगा कि ट्रंप उसे पाकिस्तान के बराबर समझ रहे हैं। जबकि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है। इस घटना से भारत का अमेरिका पर पिछले कुछ वर्षों में पैदा हुआ भरोसा उठ गया। अब भारत को लगता है कि अमेरिका पर भरोसा नहीं किया जा सकता। इसकी शुरुआत जो बाइडेन प्रशासन के दौरान ही होने लगी थी, लेकिन ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में यह दिखा दिया कि अमेरिका बदला नहीं है। अमेरिका के पास एशिया में एक मजबूत रणनीतिक दोस्त बनाने का मौका था। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका ने भारत का साथ तो नहीं ही दिया, पाकिस्तान की भाषा बोलना शुरू कर दिया। इससे अमेरिका ने एक अच्छा मौका खो दिया। अब भारत को अमेरिका के नेतृत्व वाले संगठनों जैसे पर भी कम भरोसा है। क्योंकि, अमेरिका के दोस्तों ने भी भारत का उस तरह से साथ नहीं दिया। इसलिए, अब भारत अपनी विदेश नीति में सावधानी बरतेगा। वह अमेरिका पर कम निर्भर रहेगा और अपनी स्वतंत्र नीति के साथ आगे बढ़ेगा।

नई दिल्ली : ऑपरेशन सिंदूर में चार दिनों तक चली लड़ाई में भारत ने पाकिस्तान का जो हाल कर दिया, उसे पूरी दुनिया देख चुकी है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को पहले ही संकेत दे दिया था कि वह आतंकियों को संरक्षण देकर कितनी बड़ी गलती कर चुका है। भारत ने अपने संकल्प के हिसाब से आतंकी ठिकानें तबाह किए। लेकिन, पाकिस्तान के सिस्टम में जिस तरह से आतंकियों का दबदबा बढ़ चुका है, उसकी वजह से पाकिस्तानी सेना ने दूसरी गलती यह कह कर दी कि उसने भारत की सीमित कार्रवाई के बाद भी जवाबी हमला करके अपनी मौत को निमंत्रण दे दिया। तीन ही दिन में भारतीय सेना ने शहबाज शरीफ और असीम मुनीर की फौज का वह हाल कर दिया, जिसका अंदाजा अमेरिका और चीन भी नहीं लगा पाए। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अमेरिका और चीन की जो कूटनीति रही है;उससे साफ है कि सीधे या परोक्ष रूप से पाकिस्तान का समर्थन करके इन दोनों ने भी अपने हाथ झुलसा लिए हैं।

अमेरिका और चीन के लिए नई चुनौती बना भारत : फर्स्ट पोस्ट में 'ऑपरेशन सिंदूरः ट्रंप्स अमेरिका इज द बिगेस्ट लूजर' के टाइटल से एक लेख छपा है। इस लेख का विश्लेषण करने पर जाहिर होता है कि पांच ऐसे पहलू हैं, जिसमें अमेरिकी ट्रंप प्रशासन और चीन की शी जिनपिंग सरकार ऑपरेशन सिंदूर में भारत के पराक्रम को देखकर इतने भौंचक्के रह गए कि वे इसकी रणनीति को समझ ही नहीं पाए; और पाकिस्तान तो ऑपरेशन सिंदूर का तात्कालिक लूजर है दरअसल भारत, अमेरिका और चीन के लिए भविष्य की चुनौती बनकर खड़ा हो गया है।

ट्रंप ने भारत में अमेरिका का बना भरोसा उठा दिया : डोनाल्ड ट्रंप के समय में अमेरिका की विदेश नीति की जो कमियां हैं, उसे ऑपरेशन सिंदूर ने उजागर कर दिया है। ट्रंप ने भारत को अपना अच्छा दोस्त बताया था, लेकिन उनका एक दावा उनकी चालबाजियों पर भारी पड़ गया। उन्होंने कहा था कि उन्होंने 'सीजफायर' करवाया है। भारत को यह बहुत ही नागवार गुजरा। भारत को लगा कि ट्रंप उसे पाकिस्तान के बराबर समझ रहे हैं। जबकि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है। इस घटना से भारत का अमेरिका पर पिछले कुछ वर्षों में पैदा हुआ भरोसा उठ गया। अब भारत को लगता है कि अमेरिका पर भरोसा नहीं किया जा सकता। इसकी शुरुआत जो बाइडेन प्रशासन के दौरान ही होने लगी थी, लेकिन ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में यह दिखा दिया कि अमेरिका बदला नहीं है।

अमेरिका ने एशिया में एक भरोसेमंद सहयोगी गंवाया : अमेरिका के पास एशिया में एक मजबूत रणनीतिक दोस्त बनाने का मौका था। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका ने भारत का साथ तो नहीं ही दिया, पाकिस्तान की भाषा बोलना शुरू कर दिया। इससे अमेरिका ने एक अच्छा मौका खो दिया। अब भारत को अमेरिका के नेतृत्व वाले संगठनों जैसे दर्४ (क्वाड) पर भी कम भरोसा है। क्योंकि, अमेरिका के दोस्तों ने भी भारत का उस तरह से साथ नहीं दिया। इसलिए, अब भारत अपनी विदेश नीति में सावधानी बरतेगा। वह अमेरिका पर कम निर्भर रहेगा और अपनी स्वतंत्र नीति के साथ आगे बढ़ेगा।

अमेरिका की सुपर पावर वाली छवि को लगा झटका : ऑपरेशन सिंदूर ने दिखा दिया कि भारत तेजी से और सटीक तरीके से सैन्य कार्रवाई कर सकता है। इससे पता चलता है कि भारत अब कमजोर देश नहीं है, बल्कि एक ताकतवर देश है। भारत की अर्थव्यवस्था भी बढ़ रही है। कागजों में वह चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, लेकिन कई मायने में यह तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बताया जाने लगा है। इससे दुनिया में भारत की छवि बदली है और यह आत्मनिर्भर बन रहा है। दूसरी ओर, अमेरिका पुराने विचारों में फंसा हुआ दिखाई देता है। वह अभी भी पाकिस्तान और चीन को लेकर पुरानी सोच रखता है। इससे अमेरिका की इज्जत कम हुई है और सुपर पावर वाली उसकी छवि भी काफी कमजोर हुई है। भारत ने जिस तरह से ट्रंक के दावे खारिज किए, उससे उसकी कूटनीतिक स्तर पर काफी मिट्टी पलीद हुई है।

भारत की सैन्य ताकत देखकर दुविधा में डोनाल्ड ट्रंप : वाशिंगटन की चिंता बढ़ गई है। उसे लगता है कि भारत, चीन को रोकने में क्या मदद करेगा, भविष्य में उसे ही रोकने की जरूरत पड़ सकती है, ताकि अमेरिका दुनिया में सबसे ऊपर बना रहे। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सैन्य ताकत और उसे इस्तेमाल करने के हौसले को दिखाया है। इससे अमेरिका और भी चिंतित हो गया है। अब अमेरिका के सामने एक मुश्किल है। वह दुविधा में है कि भारत को आगे बढ़ने में मदद करे या उसे रोकने की कोशिश करे।

पाकिस्तान-चीन और अमेरिका का त्रिकोण ध्वस्त : ऑपरेशन सिंदूर ने चीन और पाकिस्तान के रिश्ते में भी कहीं न कहीं एक कमजोर कड़ी पैदा कर दी है। पाकिस्तान में यह आशंका पैदा हुई है कि चीन के हथियार दोयम दर्जे वाले हैं। भविष्य में चीन के साथ हथियारों का सौदा करते समय पाकिस्तान में संदेह का एक बीज जरूर पैदा होगा। इस तरह से भारत की ताकत और कूटनीति ने पाकिस्तान-चीन और अमेरिका के त्रिकोण को कमजोर कर दिया है। अब दक्षिण एशिया में एक नई शक्ति का उदय हुआ है, जो आने वाले समय में वाशिंगटन और बीजिंग दोनों की नींदें उड़ाता रहेगा।

क्या धर्म और जाति की सियासत है प्रगति में बाधा, ऐसी मानसिकता को तोड़ने की जरूरत

अखिलेश श्रीवास्तव

नई दिल्ली : हम कितना भी बड़ा तीर मार लें, आकाशतीर और ब्रह्मोस से दुश्मन के छक्के छुड़ा दें, मगर बात हर तरफ से आकर जाति-धर्म पर ठहर जाती है। यह हमारे समाज की कड़वी हकीकत है, जिससे कोई इनकार नहीं कर सकता।

धर्म-जाति की सियासत : जाति-धर्म की इस मानसिकता को हवा देने में तमाम दलों के नेता आगे हैं। पहले कर्नल सोफिया कुरैशी के धर्म को उछालकर अपना उल्लू सीधा करने की कोशिश की गई। उसके बाद एक और नेताजी ने हमारी सेना के नायकों की जातियां उजागर कर राष्ट्रहित में किए गए उनके योगदान को कमतर करने की कोशिश की।

जाति जनगणना : जाति पॉलिटिक्स के चलते ही कई राज्यों में जाति जनगणना या जातिगत सर्वे कराए गए। जिसकी जितनी संख्या भारी, उतनी उसकी भागीदारी का नारा देकर इसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया गया। केंद्र सरकार ने भी जातिगत जनगणना कराने का प्रावधान किया है। केंद्र में सत्तासीन ठऊअ के 'इस कदम को विपक्षी दलों से उनका एक प्रमुख राजनीतिक मुद्दा छीनने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। अगले कुछ महीनों में होने वाले बिहार चुनाव से पहले ऐसा करना और अधिक प्रासंगिक हो गया है।

अवसर का अभाव : इसमें कोई बुराई नहीं कि भारत जैसे बहुलतावादी समाज में विकास की दौड़ में पीछे छूट रहे कुछ वर्गों को जाति जनगणना से मिले आकंड़ों के आधार पर बेहतर योजनाएं बनाकर बराबरी का मौका दिया जाए। यह हकीकत है कि दलित, आदिवासी और डइउ समाज में अब भी कई बेहद प्रतिभाशाली छात्र इसलिए आगे नहीं बढ़ पाते, क्योंकि उनके माता-पिता के लिए मूलभूत सुविधाओं की जद्दोजहद में अच्छी और उच्च शिक्षा के लिए पैसा खर्च करना नामुमकिन होता है ।

मानसिकता बदले : सरकारें पॉलिसी मेकिंग के लिए जातिगत जनगणना कराकर अपने स्तर पर प्रयास हैं, लेकिन उससे भी बड़ी जरूरत हम सबके जेहन में गहरे पैठ बना चुकी जाति की मानसिकता को तोड़ने की है। किसी की प्रतिभा, साहस और समर्पण के आगे उसकी नेम प्लेट पर नजर दौड़ाने की सोच से निकलना जरूरी है। जिन समाजों में जातिविहीन सिस्टम है, उन्होंने हर क्षेत्र में तरक्की की है । जाति की मानसिकता टूटे, इसके लिए जरूरी है कि अंतरजातीय विवाहों पर जोर दिया जाए। ऐसे विवाह हो रहे हैं, लेकिन इनकी संख्या बहुत कम है।

अंतरजातीय विवाह को बढ़ावा : अंतरजातीय विवाह सवर्ण और दलित, सवर्ण और आदिवासी और सवर्ण और डइउ जातियों के बीच बहुतायत में होने की जरूरत है। तभी एक-दो पीढ़ियों बाद जाति के इस दुष्चक्र से छुटकारा मिलने की उम्मीद बन सकती है। इसके लिए एक तरफ सरकारों को बढ़ावा देना होगा तो दूसरी तरफ युवाओं को तमाम चुनौतियों के बीच जोखिम उठाना होगा। इस जोखिम के खतरे तब बहुत कम हो जाते हैं, जब हम आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर हो जाते हैं।

आर्थिक आत्मनिर्भरताः जो युवा आर्थिक तौर पर जितना आत्मनिर्भर होता है, खुद के बार में फैसला भी उतने दम से कर पाता है। ऐसे में पैरंट्स भी बहुत आसानी से उनके फैसलों को मानते हैं । यहां तक कि कोई लड़की अगर आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर है तो वह अपना जीवनसाथी चुनने का फैसला स्वतंत्र तौर पर कहीं अधिक आसानी से कर पाती है। समाज और देश की तरक्की के लिए जाति के बंधनों को तोड़ना जरूरी भी है और वक्त की मांग भी।

सांसद रामजीलाल सुमन के घर अटैक मामले में ओकेंद्र राणा की मुश्किल बढ़ी

सुनील साकेत

आगरा : समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन के घर हमला करने के आरोप में क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पुलिस ने मामले में तेजी दिखाते हुए विवेचक ने ओकेंद्र राणा समेत 10 के नाम मुकदमे में खोल दिए हैं। इन्हें पकड़ने के लिए गैर जमानती वारंट की मांग की थी, लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस ने सभी आरोपियों को नोटिस भेजे हैं। इन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। राणा सांगा के बयान के बाद सांसद रामजीलाल सुमन का क्षत्रिय समाज ने जगह-जगह विरोध किया था। 26 मार्च को क्षत्रिय करणी सेना के ओकेंद्र राणा ने भारी संख्या में रामजीलाल सुमन के घर एचआईजी कॉलोनी थाना हरीपर्वत में हमला बोल दिया। उपद्रवी गाड़ियों में सवार होकर आए थे। उन्होंने संजय प्लेस पर लगे पुलिस के बैरियर तोड़ दिए। गाड़ियों को लेकर एचआईजी कॉलोनी में घुस आए थे।

मुख्यमंत्री का था कार्यक्रम : 26 मार्च को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीआईसी मैदान में सभा आयोजित की जा रही थी। उसी दौरान ओकेंद्र राणा ने समर्थकों के साथ सांसद के घर में तोडफ़ोड़ मचाई थी। दरवाजों,खिड़कियों और फर्नीचर को तोड़ दिया। कालोनी में खड़ी गाडियों के शीशे तोडकर चकनाचूर कर दिए। घर में सांसद के बेटे पूर्व विधायक रणजीत सिंह सुमन ने अपने आप को दूसरे के घर में रहकर सुरक्षित किया था। इसके बाद पुलिस ने उपद्रवियों पर बल प्रयोग कर खदेड़ा था।

सांसद के बेटे ने दी थी तहरीर : कई घंटे तक सांसद के घर पर उपद्रव के हालात बने रहे। डीसीपी सिटी सोनम कुमार जब फोर्स लेकर पहुंचे थे। तभी उपद्रवियों को खदेड़ा गया था। इसके बाद सांसद रामजीलाल सुमन के

बेटे रणजीत सुमन ने थाना हरीपर्वत में तहरीर दी। इसके अलावा पुलिस ने भी अपनी ओर से मुकदमा दर्ज किया था। कुछ उपद्रवियों को पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था, लेकिन राजनैतिक हस्तक्षेप के बाद उन्हें रात में ही छोड़ दिया गया। रणजीत सुमन की तहरीर में लूट करने का भी आरोप था, लेकिन विवेचक ने लूट की धाराएं हटा दी हैं। मुकदमे में खुले नाम रणजीत सुमन की तहरीर में जानलेवा हमला और लूटपाट करने की शिकायत की थी, लेकिन विवेचक की जांच में लूट की घटना साबित नहीं हो सकी। पुलिस ने जानलेवा हमला, मारपीट, तोडफ़ोड़, बलवा समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। मुकदमों में ओकेंद्र राणा, योगेंद्र, संदीप परमार, मोहित सिकरवार, शिवम, दीपक सिसोदिया, अभिजीत सिकरवार, विनय, राहुल को आरोपी बनाया है। सभी धाराओं में 7 साल से कम की सजा का प्रावधान है। पुलिस बिना गिरफ्तारी के चार्जशीट भी लगा सकती है। फिलहाल आरोपियों की तलाश कर रही है।

महाराष्ट्र : लाडकी बहिन, स्कूलों के लिए फंड नहीं, मंदिरों के लिए 3000 करोड़ मंजूर

ब्यूरो

महाराष्ट्र में मंदिरों और स्मारकों के लिए 3000 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जबकि स्वास्थ्य, शिक्षा और लाडकी बहिन योजना के लिए धन में कटौती की गई है। राज्य में गंभीर वित्तीय संकट है। लेकिन उसकी प्राथमिकताएं अलग हैं। महाराष्ट्र सरकार की वित्तीय स्थिति चिंताजनक बनी हुई है, जहां स्वास्थ्य, शिक्षा और लोकप्रिय 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए बजट की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद, सरकार ने हाल ही में मंदिरों और स्मारकों के संरक्षण व नवीकरण के लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी दी है। इस फैसले ने राज्य की वित्तीय प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए हैं।

वित्तीय संकट और बजट में कटौती : महाराष्ट्र सरकार का वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राजकोषीय घाटा 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है, जो पहले के 1.10 लाख करोड़ रुपये के अनुमान से दोगुना है। इस स्थिति में सरकार ने विभिन्न विभागों में 5 से 30 प्रतिशत तक की कटौती की योजना बनाई है। वित्त विभाग के अधिकारियों ने इसे हर साल फरवरी में होने वाला नियमित अभ्यास बताया, लेकिन स्वीकार किया कि औसतन 20 प्रतिशत की कटौती से आय और व्यय के बीच का अंतर कम हो सकता है। इसके बावजूद, सरकार ने मंदिरों और स्मारकों के लिए 2,954 करोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी दी है। इसमें अहिल्या देवी होल्कर के जन्मस्थान चोंडी में उनके स्मारक के लिए 681.3 करोड़ रुपये और सात प्रमुख तीर्थ स्थलों के लिए 5,503 करोड़ रुपये शामिल हैं। इनमें अष्टविनायक मंदिरों के लिए 147.8 करोड़ रुपये, तुलजाभवानी मंदिर के लिए 1,865 करोड़ रुपये, ज्योतिबा मंदिर के लिए 259.6 करोड़ रुपये, त्र्यंबकेश्वर मंदिर के लिए 275 करोड़ रुपये, महालक्ष्मी मंदिर के लिए 1,445 करोड़ रुपये और महुरगढ़ विकास योजना के लिए 829 करोड़ रुपये शामिल हैं। इन परियोजनाओं को अगले तीन वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य है, जिसमें मंदिरों के संरक्षण के साथ-साथ श्रद्धालुओं के लिए नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने पर जोर दिया गया है।

लाडकी बहिन योजना पर दबाव : महाराष्ट्र की 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना', जिसे मध्य प्रदेश की लाडकी बहिन योजना से प्रेरित होकर शुरू किया गया, 21 से 65 वर्ष की आयु की महिलाओं को 2.5 लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले परिवारों के लिए 1,500 रुपये मासिक सहायता प्रदान करती है। इस योजना का वार्षिक खर्च 46,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। हाल ही में, महायुति गठबंधन ने इस राशि को बढ़ाकर 2,100 रुपये करने की घोषणा की थी, जिसे उनकी चुनावी जीत का एक प्रमुख कारण माना जा रहा है। हालांकि, वित्तीय तंगी के कारण इस योजना के लाभार्थियों की संख्या में कटौती की जा रही है। मार्च 2025 तक, लगभग 8 लाख महिलाओं को इस योजना से हटा दिया गया है, और 7 लाख अन्य को हटाने की प्रक्रिया चल रही है। राज्य ने जुलाई से दिसंबर 2024 तक 2.5 करोड़ महिलाओं को 21,000 करोड़ रुपये वितरित किए, लेकिन अब अन्य कल्याणकारी योजनाओं के साथ डेटा क्रॉस-चेक करके लाभार्थियों की संख्या कम की जा रही है। कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे ने इस योजना को राज्य के खजाने पर बोझ बताते हुए कहा कि इससे किसानों के लिए ऋण माफी योजना जैसे अन्य कार्यक्रम प्रभावित हो रहे हैं।

स्वास्थ्य और शिक्षा पर प्रभाव : महाराष्ट्र का कर्ज 2024-25 के लिए 7.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, और राजस्व घाटा 45,891 करोड़ रुपये तक होने की आशंका है। इस स्थिति में स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए फंड की कमी हो रही है। उदाहरण के लिए, 'मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना' जैसे अन्य कल्याणकारी कार्यक्रम, जो वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ स्थलों की यात्रा के लिए प्रायोजित करती थी, को भी निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा, कोविड-19 के दौरान शुरू की गई 'शिव भोजन थाली' और 'आनंदाचा शिधा' योजनाओं पर भी 1,300 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद इन्हें बंद करने की संभावना है।

विवाद और आलोचना : महाराष्ट्र सरकार के इस फैसले ने व्यापक विवाद को जन्म दिया है। विपक्षी दलों, विशेष रूप से महाराष्ट्र कांग्रेस, ने आरोप लगाया है कि सरकार ने लाडकी बहिन योजना के प्रचार पर 200 करोड़ रुपये खर्च किए, जो जनता के पैसे की बर्बादी है। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार को चेतावनी दी थी कि यदि वह अवैध भूमि अधिग्रहण के लिए उचित मुआवजा नहीं देती, तो लाडकी बहिन जैसी योजनाओं को रोकने का आदेश दिया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि सरकार के पास मुफ्त योजनाओं के लिए पैसा है, लेकिन भूमि हानि के मुआवजे के लिए नहीं। महाराष्ट्र की वित्तीय स्थिति गंभीर होने के बावजूद, सरकार ने मंदिरों और स्मारकों के लिए 3,000 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है, जबकि स्वास्थ्य, शिक्षा और कल्याणकारी योजनाओं के लिए फंड की कमी का सामना करना पड़ रहा है। लाडकी बहन योजना, जिसे महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए शुरू किया गया, अब वित्तीय दबाव के कारण कटौती का सामना कर रही है। यह स्थिति सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाती है और जनता के बीच असंतोष को बढ़ा रही है।

संक्षिप्त समाचार

एल.एल.एम में नामांकन को ले कुलपति को लिखा पत्र

● छात्र हित सर्वोपरिः चन्दन सिंह ● वर्षों से बंद नामांकन प्रक्रिया को प्रारम्भ करने का किया आग्रह

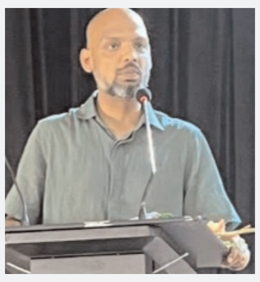

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। पिछले तीन वर्षों से विनोबा भावे विश्वविद्यालय में एल.एल.एम पाठ्यक्रम मे नामांकन कुछ ना कुछ कारण बता कर नहीं लिया जा रहा है। स्पष्ट है कि इससे अप्रत्यक्ष रूप से प्राइवेट संस्थाओं को फायदा पहुंचाया जा रहा है। ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय के छात्रावास को बंद करना, विश्वविद्यालय की बस सेवा को बंद करना एवं विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में भी नामांकन को कम करना या बंद करवाने की योजना इसी उद्देश्य को,अर्थात निजी लोगों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से पिछले वर्षों किया जाता रहा है।इन बातों को चन्दन सिंह ने पत्र के माध्यम से कुलपति को बताया। पत्र में चंदन सिंह ने बताया कि विधि महाविद्यालय में एलएलएम पाठ्यक्रम में नामांकन नहीं लिए जाने से विश्वविद्यालय को जहां लगभग साठ लाख का नुकसान हुआ है वहीं विधि महाविद्यालय को भी ढाई करोड़ के लगभग का नुकसान हुआ है।

इस मामले पर तत्काल एक उच्च स्तरीय जांच कमिटी बनाने का आग्रह करते हुए पूर्व छात्र छात्र मोर्चा अध्यक्ष ने लिखा है कि जहां एक तरफ निजी संस्थाओं को लाभ पहुंचाने के लिए एलएलएम पाठ्यक्रम में नामांकन नहीं दिए जा रहे हैं वहीं नामांकन नहीं लेने के पीछे मुझे मोहरा बनाया जा रहा है। तीन वर्ष पूर्व जब अंतिम बार एलएलएम में नामांकन ली गई थी उस वक्त आधे स्थान रिक्त छोड़ दिए गए। मेधा सूची में मेरा नाम आ चुका था और मुझे नहीं लेने के लिए आधे स्थान (लगभग 25) को, मेरे बाद वाले सभी के नामांकन को रोक कर लगभग 25 सीट रिक्त छोड़ दिया गया। वहीं इस बार विश्वविद्यालय के द्वारा एलएलएम की परीक्षा का बिल्कुल सफल आयोजन हुआ। बिना किसी परीक्षार्थी के शिकायत के किसी ख़ास छात्र संगठन से विरोध करवा कर राजभवन के एक अधिकारी से अजीबोगरीब जांच करवा कर नामांकन पर रोक लगा दी गई। फिर से नामांकन लेने के कोई प्रयास नहीं किए गए। एक वर्ष का और नुकसान होने दिया गया। इस पूरे मामले में चंदन सिंह ने कहा है की अगर हमारे नामांकन से विश्वविद्यालय को नुक़सान होता है तो मैं यह लिखित में दे रहा हूं कि वि.भा.वी के एल.एल.एम. में नामांकन नहीं लूंगा। परंतु विनम्र आग्रह है कि वर्षों से बंद पड़ी नामांकन की प्रक्रिया को अविलंब प्रारंभ करने की कृपा की जाए।

सन् स्ट्रोक लू लगने से बचाव हेतु धूप से बचे एवं ज्यादा पानी पीएंः डॉ आरसी प्रसाद

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। गर्मियों में सन् स्ट्रोक लू लगना आम बीमारी है। तापमान के बढ़ने एवं गर्म हवा के झोंके चलने पर लू लग सकती है। इसमें हमारे शरीर के द्रव पानी नमक की कमी हो जाती है और लू का खतरा बढ़ जाता है लू लगने पर शरीर में गर्मी थकावट लगना बार बार जलन रहित पेसाब होना जैसी लक्षण मिलता है चिकित्सकीय भाषा में शरीर का तापमान 104ए फारनेहाइट से अधिक रहने पर सेंट्रल नर्वस सिस्टम में जटिलता के कारण लू लगता है। जिसके कारण मरीज गंभीर स्थिति में आ जाता है।

यह बातें मेहता हॉस्पिटल के निदेशक एवं कांग्रेस प्रमंडलीय स्वास्थ्य अध्यक्ष डा आरसी प्रसाद ने अपने कार्यालय में कहा। उन्होंने लक्षण बचाव एवं उपचार सबंधी सुझाव देकर लोगों को लू से बचने का संदेश दिए। उन्होंने कहा कि जब गर्मी चरम पर हो अनावश्यक घर से न निकलें लेकिन यदी घर से निकलना अति आवश्यक हो तो अधिक से अधिक पानी पीकर निकले, खाना खाकर निकलें। समय समय पर ठंडा पानी नमक निबू पानी चीनी गुड़ का शरबत पीए। धूप में घर से निकलना हो तो क्छत्री का प्रयोग करें नंगे बदन नंगे पाँव नहीं निकले।लू लग जाने पर ठंडा पानी से नहाएं गीले कपड़े से बदन को पोंछें। साथ ही साथ ज्यादा हरी सब्जी खीरा ककड़ी खरबूजा लौकी इत्यादि का प्रयोग करने की बात कही। गर्मियों में सफेद सूती कपड़े का प्रयोग करने का सलाह दिए। ओआरएस पीने की सलाह दिए ।यदी लू लगने से रोगी बेहोश या सीरियस स्थिति मैं हो तो जल्द से जल्द नजदीकी सरकारी अस्पताल या अपने पारिवारिक चिकित्सक से इलाज करावे।

देवराज ने 455 अंक लाकर पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय शिवाडीह का नाम रोशन किया

● उत्कृष्ट रिजल्ट करने वाले विद्यार्थियों को किया जाएगा सम्मानितः शंभू सोनी

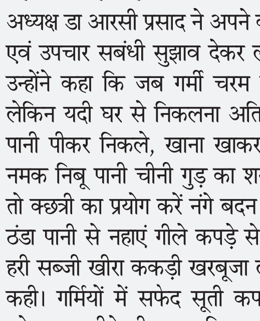

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड स्थित पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय शिवाडीह के जैक बोर्ड मैट्रिक परीक्षा में परीक्षार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन किया है, 99 प्रतिशत बच्चे सफल हुए हैं। देवराज कुमार 455 अंक लाकर विद्यालय टॉपर रहा। इनके अलावा निहारिका कुमारी- 454,सुमन कुमार राणा- 451, रूपा रानी -445,कुमकुम कुमारी -434 , मो. तुफ़ेल -434, आयुष कुमार पांडे - 413, मनीषा कुमारी - 404, अनिलेश कुमार - 396 एवं प्रिंस कुमार -390 अंक लाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया एवं अपनी विद्यालय- माता पिता एवं गांव का नाम रौशन किया। बच्चों की सफलता पर प्रभारी प्रधानाध्यापक अध्यापक मुकेश कुमार राम ने इसका श्रेय शिक्षक - शिक्षिकाओं के कर्तव्यों की निर्वाहन का परिणाम बताया।वहीं एसएमसी अध्यक्ष शंभू सोनी ने कहा कि सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। मौके पर शिक्षक डॉ. राजेंद्र कुमार, सोफिया नाग, अनिल कुमार दास, नरेंद्र कुमार, संतोष राम, अमित कुमार पासवान, सहायक अध्यापक विष्णुदयाल कुशवाहा , सुनीता कुमारी,कृष्ण दयाल महतो, रामलखन महतो, अरुण कुमार दांगी, ओंकार नाथ पांडे, आलोक प्रसाद दांगी, रीता कुमारी, मालती कुमारी, सोनू कुमार ने बच्चों की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी एवं हर्ष व्यक्त किया।

विभावि के प्रबंधन पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय में एमबीए नियमित सत्र 2025-27, एमबीए संध्याकालीन सत्र 2025-27,तथा 3 वर्षीय बीबीए नियमित सत्र 2025-28 पाठ्यक्रमो मे नामांकन हेतु चांसलर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विद्यार्थी 29 मई से 30 जून तक आवेदन कर सकेंगे। एमबीए नियमित में कुल 70 सीट, एमबीए संध्याकालीन में कुल 40 सीट तथा बीबीए नियमित में कुल 70 सीट पर नामांकन लिए जाएंगे।

हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने किया कालीबाड़ी सब्ज़ी बाजार का निरीक्षण

● स्थानीय दुकानदारों से संवाद कर समस्याएं सुनीं, नगर निगम को सुधार हेतु दिए त्वरित निर्देश ● सब्ज़ी विक्रेताओं को सुरक्षित और सम्मानजनक व्यापार वातावरण देना मेरी प्राथमिकता हैः प्रदीप प्रसाद ● बरसात और गर्मी को देखते हुए सभी आवश्यक सुविधाएँ तुरंत उपलब्ध कराई जाएँगीः प्रदीप प्रसाद

आदिवासी एक्सप्रेस
हज़ारीबाग़। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कालीबाड़ी क्षेत्र स्थित सब्ज़ी बाजार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सड़क किनारे सब्ज़ी बेच रहे दुकानदारों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों से भी उन्होंने बातचीत की और उनसे सुझाव लिए। सब्ज़ी विक्रेताओं ने विधायक को बताया कि वर्तमान में बाजार के भीतर सुविधाओं की कमी और अव्यवस्था के कारण वे मजबूरी में सड़क पर दुकानें लगाने को विवश हैं। तपती धूप, अचानक होनेवाली बारिश और ट्रैफिक के बीच खुले में बैठकर व्यापार करना

अत्यंत कठिन और जोखिमभरा है। महिलाओं ने बताया कि उन्हें घंटों तक धूप में बैठना पड़ता है जिससे उन्हें काफी तकलीफ होती है और सुरक्षा की भी चिंता बनी रहती है। इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए विधायक ने मौके पर नगर निगम के अधिकारियों को बुलवाया और उनसे विस्तार से चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिया कि कालीबाड़ी परिसर के अंदर स्थित सब्ज़ी बाजार को फिर से व्यवस्थित किया जाए ताकि सड़क पर लगने वाली भीड़ कम हो और दुकानदारों को एक सुरक्षित स्थान मिल सके। उन्होंने कहा कि सब्जी बाजार परिसर में हवा के आवागमन के लिए दीवारों को खोला जाए ताकि भीतर गर्मी से राहत मिल सके। विधायक ने यह भी निर्देश दिया कि बाजार के अंदर पंखे लगाए जाएं और गर्मी को देखते हुए शीतल जल की व्यवस्था की जाए। उन्होंने नगर निगम को निर्देशित किया की परिसर में बैठने की सुविधा, छाया की व्यवस्था, साफ-सफाई और बिजली की उचित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि उनकी प्राथमिकता है कि सब्ज़ी दुकानदारों को कोई कठिनाई न हो। अब कुछ ही दिनों में वर्षा ऋतु आरंभ होने वाली है, ऐसे में सभी आवश्यक तैयारियाँ समय पर पूरी की जाएँ। उन्होंने कहा कि महिलाएं जब खुले में बैठकर व्यापार करती हैं तो यह न केवल कठिन होता है बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी उचित नहीं है। इसलिए हर संभव सुविधा जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि उनका निरंतर प्रयास रहेगा कि हज़ारीबाग़ की जनता को एक स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बाजार व्यवस्था मिले, जिसमें छोटे व्यापारियों को भी सम्मान और सुविधा मिले।

इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश सिंह राठौर, भाजपा जिला महामंत्री सुमन पप्पु भाजपा नेता श्री प्रकाश झा,बलराम शर्मा,भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजकरण पाण्डेय, सुबोध सिन्हा, नगर पश्चिमी उपाध्यक्ष कुलदीप कृष्णा, नगर पश्चिमी मीडिया प्रभारी राजेश चन्द्रवंशी, सुचित कुमार पवन गिरि, तरुण केसरा, अशिष सिन्हा, अमित गुप्ता, सचिन कुमार, जयन्त गुप्ता, भोला पासवान, गोविंद यादव, जे.पी.जी, कृष्णा कुमार, पिन्टू कुमार, दिलीप यादव, प्रीत गुप्ता, मुखिया संघ के अध्यक्ष राजेश गुप्ता, उप प्रमुख विमल गुप्ता, राजेश यादव, शैलेश चन्द्रवंशी राजेश ठाकुर, चंदन सिंह समेत कई स्थानीय कार्यकर्ता एवं नागरिक भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

विभावि के शिक्षकों एवं कर्मचारियों को मिलेगा सरकार का स्वास्थ्य बीमा का लाभ

● कुलपति प्रोफेसर चंद्रभूषण शर्मा ने की है पहल

● 31 मई तक विश्वविद्यालय को देनी होगी सहमति, करने पड़ेंगे आवेदन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारियों को मिल सकता है झारखंड सरकार का स्वास्थ्य बीमा का लाभ। झारखंड सरकार ने 2023 को ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ उपलब्ध कराने संबंधी पत्र निर्गत किया था। उस समय के स्वास्थ्य सचिव अरुण कुमार सिंह के हस्ताक्षर से जारी पत्र में स्पष्ट किया गया था कि इसमें विश्वविद्यालय में कार्यरत नियमित शिक्षकों एवं कर्मचारियों को इसका लाभ मुहैया कराया जाएगा।

दुर्भाग्य से विश्वविद्यालय कार्यवाहक कुलपतियों के दौर से गुजर रहा था और परिणाम स्वरूप इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं किया गया। प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा के कुलपति पद संभालने के बाद विश्वविद्यालय ने इस दिशा में पहल किया है। स्वास्थ्य बीमा संबंधी मामले में वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ अविनाश कुमार नोडल पदाधिकारी है। कुलपति के निर्देश पर डॉ अविनाश कुमार ने 22 मई को रांची में इससे संबंधित कार्यशाला में भाग लिया और विश्वविद्यालय का पक्ष को मजबूती से रखा।

कार्यशाला में बताया गया कि पहले चरण में विश्वविद्यालय को 31 मई तक राज्य सरकार को इस संबंध में अपनी सहमति पत्र देनी होगी। जो विश्वविद्यालय सहमति पत्र नहीं देंगे उनके शिक्षक एवं कर्मचारी इस योजना के लाभ से वंचित हो जाएंगे। दूसरे चरण में विश्वविद्यालय को अपने शिक्षक एवं कर्मचारियों के डेटाबेस उपलब्ध कराने पड़ेंगे। इसके तहत उन शिक्षक तथा कर्मचारियों की सूची होगी जो स्वास्थ्य बीमा का लाभ लेना चाहते हैं।

सरकार की स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत सभी को 5 लाख रुपए तक की स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध होगी और इसके एवज में प्रतिमाह 500 का प्रीमियम वेतन से काट लिया जाएगा। अर्थात 6000 रुपए में पांच लाख तक की स्वास्थ्य बीमा का कवरेज उपलब्ध होगा।

खास बात है कि इसमें अपने आश्रित माता-पिता, पति या पत्नी, अविवाहित कन्या तथा 25 साल से कम आयु के पुत्र को भी इतने ही प्रीमियम में पांच लाख तक का स्वास्थ्य बीमा का कवरेज उपलब्ध होगा।

ज्ञात हो कि बाजार में किसी स्थापित बीमा कंपनी में इतना कवरेज के विरुद्ध कम से कम 60 से 70 हजार रुपए का वार्षिक प्रीमियम देना होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर चंद्रभूषण शर्मा ने इस विषय को गंभीरता से लिया है। वह चाहते हैं कि उनके विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारियों को सरकार कि इस योजना का लाभ मिले। उन्होंने अपने अधिकारियों को इससे संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारियों में उम्मीद जगी है कि कुलपति के पहल से विश्वविद्यालय निश्चित ही 31 मई से पूर्व अपना सहमति पत्र सरकार को समर्पित करेगा।

सेवा, संवेदना और नेतृत्व को सलाम निवर्तमान उपायुक्त नैंसी सहाय को रेड क्रॉस की ओर से विदाई

● यह विदाई नहीं, सेवा की एक यात्रा का पड़ाव है, मैं हमेशा हजारीबाग और यहां के लोगों को दिल से याद रखूँगीः नैंसी सहाय

● उनका मार्गदर्शन हमारे लिए दीपस्तंभ की तरह रहा, जिसकी रोशनी आगे भी हमारा पथ प्रशस्त करेगी : तनवीर सिंह

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, हजारीबाग द्वारा गुरुवार को एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जिले की पुर्व उपायुक्त नैंसी सहाय को भावभीनी विदाई दी गई। यह समारोह एसपी कोठी स्थित ओल्ड एज होम परिसर में संपन्न हुआ, जहां सोसाइटी के सदस्य,ओल्ड एज होम के बुजुर्ग उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत बुजुर्गों की प्रार्थना से हुई, जिसके पश्चात् नैंसी सहाय को रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से शॉल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित बुजुर्गों ने अपनी स्नेहिल भावनाएं व्यक्त करते हुए नैंसी सहाय को दोनों हाथों से आशीर्वाद दिया। यह दृश्य अत्यंत भावुक था, और उपायुक्त स्वयं भी इस आत्मीय विदाई से भावविभोर हो उठीं। इसके बाद श्रीमती सहाय ने सभी बुजुर्गों के बीच नाश्ता पैकेट का वितरण किया। इसके बाद सामूहिक तस्वीर ली गई.नैंसी सहाय ने अपने तीन वर्ष और तीन माह के कार्यकाल में जिला प्रशासन के साथ-साथ भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के पदेन अध्यक्ष के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में सोसाइटी ने सेवा के कई नए आयाम स्थापित किए ओल्ड एज होम का सुदृढ़ीकरण, रक्तदान शिविरों का नियमित आयोजन, आपदा प्रबंधन की तैयारियों को मजबूत करना, जरूरतमंदों तक राहत सामग्री पहुँचाना और युवाओं को रेड क्रॉस से जोड़ने का अभियान इन सब प्रयासों में उन्होंने अत्यंत सक्रिय सहभागिता निभाई। भावुक वातावरण में अपने विदाई संबोधन में नैंसी सहाय ने कहा की रेड क्रॉस से जुड़ाव मेरे लिए सिर्फ एक औपचारिक भूमिका नहीं थी, यह मेरे मन की सेवा भावना का विस्तार था। बुजुर्गों की सेवा, आपदा में राहत, रक्तदान अभियान या ज़रूरतमंदों की मदद इन सभी प्रयासों में मुझे हमेशा सहयोग मिला। मैं हजारीबाग के लोगों, रेड क्रॉस की टीम और विशेषकर यहाँ के बुजुर्गों से मिले प्रेम को जीवन भर संजोकर रखूँगी। मैं भविष्य में भी जहाँ रहूँ, मानव सेवा को ही अपना धर्म मानूँगी। इस अवसर पर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, हजारीबाग के सचिव तनवीर सिंह ने कहा की नैंसी सहाय जी केवल एक प्रशासक नहीं, बल्कि संवेदना और समर्पण की प्रतीक रही हैं। उनका नेतृत्व काल रेड क्रॉस के लिए स्वर्णिम अध्याय की तरह है। उन्होंने संस्था को केवल संचालित ही नहीं किया, बल्कि इसे समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुँचाया। उनके द्वारा स्थापित मानकों को हम आगे भी बनाए रखने का प्रयास करेंगे। इसके पश्चात सभी पदाधिकारी और सदस्यों ने नैंसी सहाय के कार्यकाल को लेकर संबोधित किया।

मौके पर रेड क्रॉस सोसाइटी के पूर्व सचिव नीरज कुमार, उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिन्हा, आनंद देव, मनोज गुप्ता, एन ए चौधरी,राज किशोर प्रसाद, अनुपम सिन्हा, सनत सिन्हा, पवन कुमार सहित कई लोग मौजूद रहें।

एनटीपीसी डीजीएम कुमार गौरव हत्याकांड मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

बड़ी घटना को देने वाला था अंजाम, पुलिस ने पिस्टल व जिंदा कारतूस के साथ धर दबोचा

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। देशभर में सनसनी फैलाने वाले एनटीपीसी डीजीएम कुमार गौरव हत्याकांड मामले में कटकमदाग पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल एक और आरोपी मुकेश साव उर्फ प्रभात जी उर्फ माईकल को गिरफ्तार किया है। आरोपी लातेहार जिले के चेडरा गांव थाना बारियातु का रहने वाला है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी हथियार के साथ थाना क्षेत्र के ग्राम बेस में किसी बड़ी वारदात की तैयारी कर रहे हैं। सूचना के आधार पर कटकमदाग थाना प्रभारी पंकज कुमार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन कर त्वरित कार्रवाई की गई तथा बेस के पास से मुकेश साव को पुलिस ने दबोच लिया। गिरफ्तार अपराधी के पास से एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल फोन और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

आरोपी के खिलाफ कई मामले दर्ज

पूछताछ में आरोपी ने 8 मार्च 2025 को फतहा चौक पर एनटीपीसी के डीजीएम कुमार गौरव की हत्या में संलिप्तता स्वीकार की है। उसने बताया कि उसी के इशारे पर अन्य अपराधियों ने इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी ने हजारीबाग और आस-पास के क्षेत्रों में कई अन्य संगीन अपराधों में शामिल होने की बात भी कबूल की है। उसके खिलाफ केरेडारी, कंटकमसांडी, गिद्दी, गिधौर, डोरंडा समेत कई थानों में आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं तथा पुलिस की इस कार्रवाई को मामले की बड़ी सफलता मानी जा रही है। बताते चलें कि 8 मार्च 2025 को एनटीपीसी के डीजीएम कुमार गौरव की फतहा चौक पर दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना की चर्चा पूरे देश भर में हुई थी और हजारीबाग पुलिस के कार्य प्रणाली पर सवालिया निशान खड़ा हो गया था जबकि हत्या के विरोध में कई दिनों तक एनटीपीसी ने कोयला उत्पादन भी ठप रखा था। आला-अधिकारियों के द्वारा सुरक्षा का आश्वासन मिलने के बाद कोयला उत्पादन शुरू किया गया था। पहले भी इस मामले में कुछ अपराधियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय की दो लड़कियों ने रचा कीर्तिमान, मैट्रिक की परीक्षा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण कर राज्य के लिए बनी प्रेरणा

● हजारीबाग में पहली बार बिरहोर समुदाय की दो बेटियों ने मैट्रिक परीक्षा पास की है, इससे पूरे गांव में जश्न का माहौल है

● उपायुक्त ने दोनों बच्चियों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी है

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने मैट्रिक परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है। इस बार के नतीजों सफलता के कई रिकॉर्ड बनाए हैं, लेकिन इन सब से इतर इस बार के परिणामो ने उम्मीद,संघर्ष और बदलाव की नई कहानी लिखी है। हम बात कर रहे है बिरहोर जनजाति की दो बेटियों की जिसने मैट्रिक की परीक्षा पास कर इतिहास रचा है।

चौपारण प्रखंड के वन क्षेत्र में बसा एक छोटा सा गांव जमुनियातरी आज खुशी से झूम रहा है। इस गांव से ताल्लुक रखने वाली आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय की दो बेटियों - किरण कुमारी (पिता- रोहन बिरहोर) और चानवा कुमारी (पिता- विष्णु बिरहोर) ने वो कर दिखाया है जो पहले कभी नहीं हुआ। किरण कुमारी ने 409 अंक (करीब 80%) और चानवा ने 332 अंक (करीब 66%) लाकर न सिर्फ प्रथम श्रेणी में परीक्षा पास की,बल्कि अपने समुदाय के लिए एक उम्मीदों का मार्ग प्रशस्त किया है।

कस्तूरबा विद्यालय ने लिखी है बदलाव की दास्तां

किरण कुमारी और चानवा दोनों छात्राएं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय चौपारण में पढ़ाई की है,यह विद्यालय उनके लिए महज शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि सपनों की बुनियाद थी,जो उन्हें अंधकार से उजाले की ओर ले गया।

पूरे राज्य के लिए प्रेरणा

किरण और चानवा अब सिर्फ दो नाम नहीं रह गए हैं, बल्कि आदिम बिरहोर समुदाय के जैसे अन्य पिछड़े समाज के लोगों और लड़कियों के लिए प्रेरणा बन गई हैं. इन्हें देखकर अब वे बच्चे भी आगे पढ़ाई करने का संकल्प लेंगे।

किरण और चानवा के मैट्रिक पास करने पर उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह ने दोनों बच्चियों को बधाई व उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि वे दोनों अपने समाज में बदलाव की अग्रदूत बनेंगी।

कौन है बिरहोर जनजाति

बिरहोर समुदाय एक जनजातीय समूह (पीवीटीजी)है,जो पारंपरिक रूप से खानाबदोश और शिकार कर जीवन यापन करने के लिए जाना जाता है। हाल के दशकों में सरकार तथा स्थानीय प्रशासन द्वारा इनके हितों की रक्षा करने तथा इन्हें मुख्य धारा से जोड़ने के लिए अनेकों योजनाओं का क्रियान्वयन किया है। फलस्वरूप उनके जीवन शैली में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं जिनमें से कई अब स्थाई निवास कर रहे हैं और आधुनिक सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं।

जमीन के मुआवजा का भुगतान किए बिना ज़ियाडा द्वारा किया जा रहा जबरन अधिग्रहण

हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद कार्रवाई शून्य, प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। जिला औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (जीयाडा) द्वारा एक परिवार की पुश्तैनी ज़मीन पर मुआवज़ा तय किए बिना कब्ज़ा कर लेने और स्थानीय प्रशासन की सहमति से उन्हें लगातार प्रताड़ित किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। मामला चानो मौजा की जमीन से जुड़ा है। उल्लेखनीय है कि यह ज़मीन परिवार की मां के नाम पर दर्ज है इसके बावजूद इसके ज़ियाडा द्वारा जबरन अधिग्रहण किया गया है। परिवार ने इस ज़बरदस्ती और अवैध कब्ज़े के खिलाफ न्यायालय की शरण ली। हाईकोर्ट ने भी स्पष्ट रूप से यह

आदेश दिया कि पहले मुआवज़ा तय किया जाए, फिर आगे कोई कार्रवाई हो। लेकिन दुखद पहलू यह है कि कोर्ट के आदेश को नज़रअंदाज़ करते हुए न रीयाडा ने और न ही स्थानीय प्रशासन ने मुआवज़े की प्रक्रिया शुरू की बल्कि पीड़ित परिवार को बार-बार परेशान किया जा रहा है। अब तो घर से निकलने का रास्ता बंद कर दिया गया है, जिससे न सिर्फ उनके दैनिक जीवन में कठिनाई हो रही है, बल्कि यह उनकी गरिमा, सुरक्षा और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन है। परिवार का कहना है कि वह बार-बार प्रशासनिक अधिकारियों से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है कोई ठोस कारवाई नहीं की गई। उनका यह भी कहना है कि जब तक न्यायालय का अंतिम निर्णय नहीं आता, तब तक न कोई तोड़फोड़ की जाए और ना ही ज़मीन पर कोई ज़बरदस्ती की जाए। इस संदर्भ में परिवार का बयान अत्यंत पीड़ादायक है तथा कहा की ज़मीन हमारी मां के नाम पर वैध रूप से दर्ज है। कोर्ट ने मुआवज़ा देने का आदेश दिया है, फिर भी जीयाडा और प्रशासन मिलकर हमें लगातार मानसिक और सामाजिक रूप से परेशान कर रहे हैं तथा रास्ता बंद कर दिया गया है और यह सीधे तौर पर हमारे संवैधानिक अधिकारों का हनन है। इस मामले पर कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने प्रशासन से अपील की है कि जबतक मुआवजा नहीं मिल जाता इस जमीन पर कब्जा करने की कोशिश में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति खराब हो सकती है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा की मुआवजे की राशि देने के बाद ही यहां पर काम किया जाए तथा इस पर प्रशासन गंभीरता से ध्यान दें। इस मामले पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी बैजनाथ कामती ने कहा की मुझे इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं है बस सीमांकन के लिए सुरक्षा व्यवस्था हेतु मांग की गई थी। उन्होंने कहा की कोर्ट का आदेश के अनुसार ही कार्य किया जाएगा और अगर वैसी स्थिति होगी तो अन्य किसी भी तरह का काम आगे नहीं होगा। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा है कि उनका काम लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति को बनाए रखना है और विधि व्यवस्था की स्थिति खराब नहीं होने देंगे।

तेज रफ्तार का कहर जारी

बेकाबू कार ने टोटो में मारी टक्कर, टोटो सवार 4 लोग घायल, रेफर

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जिसमें बेकाबू एक कार ने खड़े टोटो में पीछे से जोरदार टक्कर मारी। इस घटना में टोटो में सवार 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना हंटरगंज थाना क्षेत्र के चतरा-डोभी मुख्य पथ एनएच 22 नवाडीह मदर प्राइड स्कूल के समीप हुई जब डोभी की ओर से तेज रफ्तार से आ रहा कार अचानक बेकाबू हो गया और टोटो से टकरा गया। टक्कर इतना जोरदार था कि टोटो की पहिया टूट गई और वही टोटो पर सवार लोग गिर कर गंभीर रुप से घायल हो गए। इधर बेकाबू कार इतना पर ही नहीं रुकी बल्की सड़क के दाएं ओर एक मकान में लगा ग्रिल दरवाजा को तोड़ते हुए रुक गई हालांकि गनीमत रहा की घर के लोग उस वक्त घर के मुख्य दरवाजा पर नहीं थे नही तो बड़ी घटना हो सकती थीं। इधर स्थानीय ग्रामीणों ने आनन- फानन में

घायल लोगो को हंटरगंज सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार कर चारो घायलों को बेहतर ईलाज हेतु गया मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया है। एक की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। घायलों की पहचान हंटरगंज थाना क्षेत्र के बिहिया सरहचिया निवासी टोटो चालक सुनील यादव (30) उमेश मिस्त्री के पत्नी बचिया देवी (60) नीरा यादव के पत्नी अनिता देवी, नीरा यादव का पुत्र अंचल कुमार (10) है। वृद्ध बचीया की हालत चिंताजनक बताई जाएगी। इधर घटना की जानकारी मिलते ही हंटरगंज थाना सब इंस्पेक्टर दिलीप कुमार, उप प्रमुख राहुल कुमार गुप्ता, जिप सदस्य प्रतिनिधी बेचन पासवान, डाहा मुखिया अजय कुमार हंटरगंज सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और घायलों से घटना की जानकारी ली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार तेज रफ़्तार होने की वजह से अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े टोटो से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टोटो पर सवार लोग नीचे गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। वही अनियंत्रित कार इतना पर भी नहीं रुकी बल्की सड़क से दाएं किनारे एक घर के दरवाजा से जा टकराई। वहीं चारों घायलों को ग्रामीणों ने आनन फानन में हंटरगंज सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया जहां घायलों की स्थिति खराब देखते हुए चिकित्सकों ने गया रेफर कर दीया है। घटना की जानकारी मिलते ही हंटरगंज थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुची और तीन कार सवार को हिरासत में ली वही कार को थाने में लाकर जांच शुरू कर दी है।

समरी देवी के दशगात्र कार्यक्रम में सेंकड़ों के संख्या में उमड़ी, मौके पर लोगों ने दी श्रद्धांजलि

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
इटखोरी (चतरा)। इटखोरी प्रखंड के ग्राम टोनाटांड में दशगात्र कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए सेकड़ों के संख्या में रविदास समाज के लोगों की उमड़ा भीड़। कार्यक्रम में पहुंचे हुए लोगों ने समरी देवी की तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद यहां आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर मृतक के परिजनों को ढाढस बंधाए।बताते चले कि 100 वर्षीय समरी देवी कि आकस्मिक निधन पिछले 20 मई को हो गयी थी। इस मौके पर मृतक के बड़े पुत्र प्रभु रविदास, दूसरे पुत्र दिलीप रविदास, तीसरे पुत्र वकील रविदास,चौथे पुत्र गणेश रविदास, रामचक रामलखन रविदास, (संतोष

कुमार दास स्पेशल एक्शन टीम), बिराज रविदास, सुरेंद्र रविदास, उमेश दास, सुरेश, रविदास, फागु रविदास, जागो रविदास, सकलदेव रविदास, प्रखंड अध्यक्ष मुंशी रविदास, गोविन्द दास, सियाराम दास, लखन दास, बी. के दास, यशवंत दास, रघु दास, रामसेवक दास, जानकी दास अशोक दास, सुधीर कुमार दास, राकेश दास, गन्दोरी रविदास, रवि कुमार दास, धनेश्वर रविदास, शिक्षक सुरेश दास, समाजसेवी संतोष कुमार दास,राजदेव रविदास,राहुल दास, रणधीर दास, रोनी कुमार दास, राज कुमार दास, रोहित बाबू, संदीप दास, बिराज दास,सकलदेव रविदास,जय कुमार दास,हरी रविदास,जागेश्वर दास, राजू दास मौजूद थे।

KCC लोन माफी एवं नया KCC लोन के लिए जागरूकता रथ रवाना

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता मोहम्मद शमीम उंटारी रोड
पलामू। जिले के पाण्डु प्रखंड मुख्यालय से कृषि विभाग के जागरूकता रथ को विधायक प्रतिनिधि जवाहर पासवान, प्रमुख प्रतिनिधि सिंटू सिंह, समाजसेवी सह मुखिया प्रतिनिधि अविनाश सिंह उर्फ सिंटू सिंह, मुखिया मदन पासवान ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया.
प्रतिनिधियों ने आम जनता को योजना का लाभ उठाने की अपील की.
मौके पर कृषि पदाधिकारी विवेक पाल, बीटीएम यूसुफ अंसारी, किसान सुदेश्वर सिंह आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

हेरहंज प्रखंड में क्रेडल कौशल केंद्र का प्रशिक्षण शिविर संपन्न

संवाददाता राम कुमार
हेरहंज। हेरहंज प्रखंड में दिन गुरुवार को मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत में एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।जिसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार ने की। वही विशिष्ट अतिथि के रूप में उप प्रमुख विजय उराव शामिल रहे। इस शिविर में बेरोजगार युवक एंम युवती को प्रशिक्षण देकर रोजगार देना। शिविर में बीडियो अमित कुमार ने कहा कि यह एक झारखंड सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है मुख्यमंत्री सारथी योजना ट्रेनिग ले कर एक अच्छे रोजगार पा सकते है और इससे पलायन रोका जा सकता है। संस्था के मोबालईजेशन हैड प्रशान्त तिवारी ने कहा कि क्रेडल कौशल केन्द्र में प्रशिक्षण वे कंनिडेट प्राप्त कर सकते जिसकी उम्र 18 साल से लेकर 35 वर्ष तक योग्यता 5 वी पास से लेकर स्नातक पास होना अनिवार्य है। वही संबोधन में प्रणय सिंघनीया ने कहा कि यहाँ मुफ्त में प्रशिक्षण, भोजन, किताब, बैंग, यूनिफार्म रहने की छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है यहा पर बच्चे प्रशिक्षण लेकर झारखंड के अंदर ही जॉब कर सकते है कहि बहार जाने की आवश्यकता नहीं है शिविर में मौके पर प्रधान सहायक महेश मोची, बीपीआरओ बजरंगी प्रसाद, बीपीएम मनोज कुमार, मुखिया रिंकी देवी, मोबालइजशन हेड प्रशांत तिवारी, प्रणय सिंगघनिया, विकास कुमार, मास्टर ट्रेनर प्रिमिता उज्जैन, जीडीए ट्रेनर सलोनी कुमारी, सहित कई लोग मौजूद रहे।

दूधिया मिट्टी कोड़ने के दौरान चाल धंसने से महिला हुईं घायल, दो रिम्स रेफर

बालूमाथ। थाना क्षेत्र के मकईयाटांड़ खरटीया ग्राम के मॉडल विद्यालय के नजदीक दूधिया मिट्टी खोदने के दौरान चाल धंस गई जिसमें चार महिलाएं दबकर घायल हो गई हैं। घायलों में रीना देवी पति संतोष गंझू, कर्मी देवी पति मनोज गंझू, आरती देवी पति करम गंझू,सुनीता देवी पति दाशो गंझू ये सभी ग्राम चोरबोरा थाना सिमरिया जिला चतरा के रहने वाले हैं।बताया जाता है कि यह सभी लातेहार जिला के बालूमाथ प्रखंड अंतर्गत धातु पंचायत के खरठिया ग्राम स्थित दूधिया मिट्टी (घर पोताई करने वाला मिट्टी) लाने के लिए गुरुवार को एक ट्रैक्टर से आए थे और ये सुरंग नुमा गड्ढे में घुस मिट्टी की खुदाई कर रहे थे ईसी दौरान ऊपर से मिट्टी का चाल धंस गया और यह सभी उसके नीचे दब गए । आसपास के लोग एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप गंझू को घटना की जानकारी मिलते हैं घटना स्तर पर पहुंच सभी लोगों को बाहर निकाला गया एवं आनंन फानन में बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डॉक्टर सुरेंद्र कुमार एंड टीम ने प्राथमिक उपचार की गई।घायल रीना देवी एवं सुनीता देवी को गंभीर चोटें आईं थीं जिनको बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया है।

मोटरसाईकिल दुर्घटना में एक व्यक्ति हुए घायल

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
इटखोरी (चतरा)। गुरुवार को इटखोरी थाना के समीप मोटरसाईकिल दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। चलते रहगीरों ने घायल व्यक्ति को 108 एम्बुलेंस को मंगवा कर इटखोरी अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज के बाद उन्हें बेहतर उपचार के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया।घायल व्यक्ति 65 वर्षीय राजकुमार रविदास कान्हाचट्टी प्रखंड के जमरी गांव निवासी है। राजकुमार रविदास ने बताया कि मैं अपने घर से इटखोरी आ रहा था उसी बिच इटखोरी थाने के पास अचानक आँखों पर गाड़ियों कि लाइट पड़ी तो घबराहट होने लगी जिससे रोड के किनारे गिर गए जिस से पहले से ही पैर में लगे रॉड क्रेक हो गया।

माध्यमिक बोर्ड की परीक्षा में अर्पणा कुमारी ने (91.4%) प्रखंड में टॉप आई, द्वितीय स्थान में नर्गिस जब्बी (89.6%) लाकर अपनी नाम रोशन की

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम
टंडवा- (चतरा) परियोजना बालिका उच्च विद्यालय, टंडवा की स्थापना काल से 2024 तक कोई भी छात्राएं मैट्रिक परीक्षा में 90% से ऊपर अंक नहीं लाई थी। उच्चतम प्रतिशत 88त्न ही रहा था। लेकिन 2025 की माध्यमिक बोर्ड की परीक्षा में अर्पणा कुमारी ने 500 अंक में से 457 अंक लाकर (91.4%) प्रखंड में टॉप आई। द्वितीय स्थान में नरगिस जब्बी 448 अंक (89.6%) रही एवं तृतीय स्थान में सीमा कुमारी 437 अंक (87.4%) रही। स्कूल प्रबंधन की ओर से प्रिंसिपल अध्यक्ष एवं सभी शिक्षक शिक्षकेतर कर्मियों ने इन बच्चियों की उज्जवल हुई कामना एवं शुभकामनाएं प्रेषित किए।

10वीं बोर्ड में चांदनी कुमारी बनी चाडरम उच्च विद्यालय की टॉपर

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
सिमरिया (चतरा)। प्रखण्ड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय चाडरम से 10वीं की बोर्ड परीक्षा में 59 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया था। विद्यालय की चांदनी ने 86.4त्न लाकर विद्यालय की टॉपर बनी और विद्यालय का नाम रोशन किया। वही दूसरे स्थान पर चांदनी के भाई चन्दन कुमार 82.4त्न ने सफलता हासिल की। बताते चले की चांदनी के पिता मुंबई में मजदूरी करते हैं। इसी से वे अपने और अपने परिवार का जीवन भरण पोषण करते हैं । चांदनी कुमारी ने अपने सफलता का श्रेय अपने शिक्षक सुरेश कुमार और अपने माता पिता को दी। इधर दोनो बच्चों के सफलता से उनके माता पिता में हर्ष का मौहौल है।इधर माता प्रमिला देवी और पिता लालू यादव ने बताया बेटा बेटी में अब कोई फर्क नही रह गया है। हर क्षेत्र में अब बेटियां पहुंच रही है। बेटियों को बेटों से कम नही समझना चाहिए। वही उन्होंने आगे उन्होंने कहा कि चांदनी पढ़ने में बचपन से तेज तर्रार थी वह जो भी बनना चाहती है हमारा पूरा सहयोग रहेगा। माता पिता ने बच्चो के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

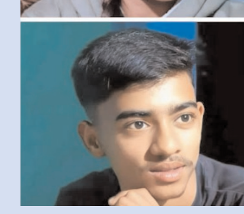

किसान का बेटा मैट्रिक परीक्षा 2025 अपग्रेड उच्च विद्यालय महुडंड में प्राप्त किया दुसरे स्थान

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- लालू कुमार यादव
हुसैनाबाद/पलामू। हुसैनाबाद प्रखंड के सुदुरवर्ती क्षेत्र महुडंड पंचायत अंतर्गत चोरपहरा निवासी किसान सत्यनारायण यादव/ अनिता देवी के पुत्र दिपक कुमार यादव ने 443/88.6त्न प्राप्त कर विधालय में दुसरे स्थान प्राप्त किया है।और दिपक के मता पिता काफी खुश है। और दिपक के उज्ज्वल भविष्य कि कमानाएं की। दिपक के पिता ने बताया कि शिक्षा में दिपक मेधावी छात्र रहा है और कम संसाधनों के वावजूद अच्छा अंक प्राप्त किया है। दिपक ने संवाददाता को बताया कि शिक्षा में सबसे ज्यादा मार्गदर्शन राधेश्याम विदया मंदिर लठेया के शिक्षक भोला कुमार यादव सर का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने मैट्रिक परीक्षा से पहले पुरी लग्न से साथ तैयारी करने का निर्देश दिया था मैं सबसे पहले भोला कुमार यादव सर को बहुत बहुत आभार धन्यवाद करता हूं। वहीं उच्च विद्यालय महुडंड के प्राध्यानाध्यापक जितेन्द्र कुमार सर कोभी धन्यवाद कहा है। अगे दिपक पढ़ाई में और कड़ी मेहनत करने का वादा मता/पिता से किया है। वह आगे इंजीनियर बनना चाहता है।

जिला खनन पदाधिकारी ने अवैध बालू लदे चार ट्रैक्टर को किया जब्त

बालूमाथ। बालूमाथ में जिला खनन पदाधिकारी नदीम सैफी ने गुरुवार को चार अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खनन पदाधिकारी नदीम सैफी ने बताया कि बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित मुरपा मोड,बाजार टांड,झारखंड ढाबा के समीप अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को पकड़ा गया है।पकड़े गए ट्रैक्टर द्वारा जो चालान प्रस्तुत किया गया था।उसमें एक ही चलान पर कई बार बालू का परिवहन किया जा रहा था।वही पकड़े गए ट्रैक्टर में दो ट्रैक्टर में नंबर अंकित नहीं है।वही अन्य दो ट्रैक्टर जेएच19ई6742 और जेएच08यु8586 में रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित है।जिला खनन पदाधिकारी ने पकड़े गए ट्रैक्टर को जप्त कर बालूमाथ थाना को सुपुर्द कर दिया है। वहीं जिला खनन पदाधिकारी की इस कार्रवाई से अवैध बालू का परिवहन करने वाले बालू के अवैध कारोबारियों में हड़कंप का माहौल व्याप्त है।

पुलिस अधीक्षक ने जिले के सभी पुलिस पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी के साथ अपराध नियंत्रण से संबंधित की अहम बैठक

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के द्वारा गुरुवार को जिले के सभी पुलिस पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी के साथ अपराध नियंत्रण से संबंधित आवश्यक बैठक किया गया, उक्त बैठक में कई अहम बिंदुओं पर सभी पुलिस पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

संगठित अपराध से संबंधित दर्ज कांडो का समीक्षा किया गया एवं वर्तमान में जेल के अंदर एवं जेल से बाहर उक्त कांड के सभी अपराधकर्मियों का थानास्तर पर निगरानी हेतु सभी पुलिस पदाधिकारी को निर्देश दिया गया, बीते 3 वर्षों में जिले में दर्ज संप्रदायिक घटनाओं से संबंधित दर्ज कांडो का समीक्षा की गई समीक्षा उपरांत उक्त सभी दर्ज कांडो का अभिलम्ब निष्पादन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया, महिला उत्पीड़न कांड से संबंधित गंभीर आपराधिक कांडो की समीक्षा की गई तत्पश्चात जिले में दर्ज सभी कांडों का अभिलम्ब निष्पादन हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस उपाधीक्षक स्तर से आवश्यक कदम उठाने हेतु दिशा निर्देश दिया गया, जिले में दर्ज आर्थिक अपराध जैसे लूट डकैती हत्या से संबंधित प्रतिवेदित सभी कांडों का अभिलंब निष्पादन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया, एनडीपीएस एक्ट से संबंधित सभी कांडों का निष्पादन एवं थाना स्तर से सभी थाना प्रभारी को आम जनता को जागरूक करने हेतु विशेष अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

उत्पाद विभाग की छापामारी में 06.39 लिटर विदेशी शराब बरामद

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- गुरुवार को उत्पाद विभाग की टीम ने सिमलोंग ओपी थानान्तर्गत धर्मपुर बंगला स्थित राहुल कुमार भगत के घर की छापामारी की गई। छापामारी के दौरान 06.39 लिटर अवैध विदेशी शराब बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। साथ ही अग्रेत्तर कार्रवाई की जा रही है। उत्पाद अधीक्षक आशुतोष कुमार ने बताया कि उत्पाद विभाग की ओर से अवैध शराब की बिक्री और निर्माण के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। जहां भी शराब की अवैध चुलाई या बिक्री की सूचना मिलेगी, वहां त्वरित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस तरह के अवैध कारोबार को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं अवर निरीक्षक, उत्पाद विक्रम कुमार साह ने आमजनों से अपील की है कि वे ऐसे अवैध कार्यों की सूचना तुरंत प्रशासन को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके और समाज को नशे की गिरफ्त में जाने से रोका जा सके।

पाकुड़ जिला में बाल श्रम रोकने हेतु श्रम विभाग के द्वारा बाल श्रम विमुक्ति एवं जागरुकता अभियान चलाया गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- गुरुवार को बाल श्रम रोकने हेतु श्रम विभाग के द्वारा बाल श्रम विमुक्ति एवं जागरुकता अभियान चलाया गया। यह अभियान मालपहाड़ी रोड पाकुड़ में कुल 22 विभिन्न प्रतिष्ठान गैरेज, होटल इत्यादि की जाँच की गई एवं बाल श्रम से कार्य नही कराने हेतु जागरुक किया गया एवं अभियान के द्वारा सभी प्रतिष्ठानों में धारा-12 क के तहत सूचना प्रदर्शित कराई गई। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी गिरीश चन्द्र प्रसाद ने बताया कि किसी भी प्रतिष्ठान में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का एवं खतरनाक नियोजन में 14-18 वर्ष तक के बच्चों का नियोजन प्रतिषेधित है, उल्लंघन की स्थिति में बीस हजार रुपये से पचास हजार रुपये तक का जुर्माना अथवा 6 माह से 2 वर्ष तक कारावास या दोनो हो सकता है। इस अभियान में जनलोकल्याण परिषद के प्रोजेक्ट इंचार्ज, चाइल्ड लाईन के सदस्य, कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन के सदस्य एवं अन्य कर्मी शामिल थे।

उपायुक्त ने पशुधन विकास योजना के तहत कुक्कुट पालन योजना का किया निरीक्षण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा बुधवार को महेशपुर प्रखंड अंतर्गत धर्मखापाड़ा पंचायत के कागजपुर में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत वितरित ब्रायलर कुक्कुट पालन योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने लाभुक से बातचीत कर उनकी समस्याओं को जाना एवं मौके पर मौजूद प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ कलीमुद्दीन अंसारी को इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

नीलाम पत्र वाद को लेकर मेगा शिविर का हुआ आयोजन

● शिविर में कुल 46 निष्पादित अभिलेख में 72 लाख 85 हजार 93रूपए का निष्पादन किया गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- ऋण समाधान योजना के तहत नीलाम पत्र वाद का मेगा शिविर का आयोजन उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में डीआरडीए सभागार कक्ष में आयोजित की गई। इस मेगा शिविर में बैंक एवं नीलाम बकायेदार शामिल हुए। मौके पर उप विकास आयुक्त, जिला निलाम पत्र पदाधिकारी सह भूमि सुधार उप समाहर्ता, कार्यपालक दंडाधिकारी समेत अन्य उपस्थित थे।

विश्व मासिक स्वच्छता दिवस को लेकर समाज कल्याण विभाग द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

● जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम से महिलाओं और किशोरियों को माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया, जिससे वे अपने स्वास्थ्य का बेहतर ध्यान रख सकें ● इस वर्ष का थीम "Coming Together For Period Friendly World" रखा गया है

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं अभियान के अंतर्गत विश्व मासिक स्वच्छता दिवस कार्यक्रम प्रखण्ड एवं आंगनबाड़ी केन्द्र स्तर पर आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र स्तर पर किशोरियों के बीच मासिक धर्म के बारे में जागरूकता बढाने एवं मासिक धर्म स्वच्छता से जुडी भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला

पर्यवेक्षिका, आंगनबाडी सेविका/सहायिका, ग्रामीण महिलायें एवं किशोरियों ने भाग लिया। इस जागरूकता कार्यक्रम में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के उद्देश्य,माहवारी से जुड़े तथ्य, सुरक्षित माहवारी न होने के दुष्प्रभाव तथा बीमारी और संक्रमण का खतरा, किशोरी और महिलाओं के लिए माहवारी संबंधी चुनौतियां समेत विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी दी गई। इस दौरान बताया गया कि माहवारी स्वच्छता प्रबंधन कैसे स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए महत्वपूर्ण है। साथ ही किशोरी, बालिकाओं तथा महिलाओं के साथ लिंग भेद से होने वाले सामाजिक दुष्परिणाम एवं माहवारी स्वच्छता प्रबंधन और लैंगिक समानता पर चर्चा की गई तथा सेनेटरी पैड और हाइजिन किट का वितरण किया गया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती बसंती ग्लाडिस बाड़ा ने कहा कि महिलाओं को मेंस्ट्रुएशन यानी माहवारी के दौरान स्वच्छता बरतने को लेकर जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल दुनियाभर में 28 मई को माहवारी स्वच्छता दिवस (मेंस्ट्रुएशन हाईजीन डे) मनाया जाता है। इसको मनाने के पीछे का उद्देश्य लड़कियों या महिलाओं को पीरियड्स यानी महीने के उन पांच दिनों में स्वच्छता और सुरक्षा के लिए जागरूक करना तथा समुदाय में माहवारी स्वच्छता को बढ़ावा देना है। इस तरह के कार्यक्रम से महिलाओं और किशोरियों को माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया, जिससे वे अपने स्वास्थ्य का बेहतर ध्यान रख सकें। इसके अलावा किशोरी और महिला के लिए माहवारी के दौरान रक्त को अवशोषित करने के लिए स्वच्छ और साफ़ अवशोषक (सेनेटरी पैड, सूती कपडा, तक पहुंच, संस्थान एवं समुदाय स्तर पर इसकी उपलब्धता में नियमितत्ता, साथ ही जितनी बार आवश्यक हो, गोपनीयता में बदलने हेतु व्यव (शौचालय), शारीरिक साफ सफाई हेतु जानकारी, हाथ धोने के लिए जल और साबुन की उपलब्धता तथा इस्तेमाल किये गए अवशोष सुरक्षित निपटान की सुविधाओं तक पहुंच, यह सभी मुख्य रूप से होना आवश्यक है।

उपायुक्त ने दमदमा पंचायत सचिवालय, धुमकुड़िया भवन, प्रखंड पंचायत संसाधन केंद्र का किया निरीक्षण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा महेशपुर प्रखंड अंतर्गत दमदमा पंचायत सचिवालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पंचायत सचिवालय खुला पाया गया एवं संबन्धित मुखिया, पंचायत सचिव, जेई, भीएलई उपस्थित पाए गए। उपायुक्त के द्वारा पंचायत सचिवालय में उपलब्ध पंजियों, पंचायत सुदृढ़ीकरण, पंचायत ज्ञान केंद्र का उपयोगिता प्रमाणपत्र, किए जा रहे कार्यों आदि का निरीक्षण किया गया। उन्होंने भस्मक, हैंड वाश यूनिट,

सेग्रीगेसन बीन, ज्ञान केन्द्र इत्यादि योजनाओं का भी निरीक्षण किया। उपायुक्त ने पंचायत सचिवालय में वाटर प्यूरीफायर जल्द से जल्द लगाने का निर्देश पंचायत सचिव शैलेश हांसदा को दिया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि पंचायत भवन एक सरकारी पंचायत कार्यालय है और कार्यालय अवधि में किसी स्थिति में पंचायत भवन को बंद नहीं रखना है। इसके अलावा उपायुक्त श्री मनीष कुमार ने प्रखंड पंचायत संसाधन केंद्र महेशपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बीडीओ को जल्द से जल्द बीपीआरसी केंद्र के संचालित कराने का निर्देश दिया। कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण समयबद्ध एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। साथ ही रोलाग्राम पंचायत के महेशगड़िया ग्राम में धुमकुड़िया भवन का निरीक्षण कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया।

मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, बीपीआरओ, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, बीपीओ, एई, जेई, प्रखंड समन्वयक समेत अन्य उपस्थित थे।

बिडियो के द्वारा अबुआ आवास मनरेगा के तहत बरसा हरित ग्राम योजना एवं 15वें वित्त आयोग अंतर्गत जलमीनार का निरीक्षण किया गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़- महेशपुर प्रखंड अतर्गत पंचायत जयनगरा में प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव द्वारा विभिन्न योजनाओं यथा अबुआ आवास, मनरेगा के तहत बिरसा हरित ग्राम योजना एवं 15 वें वित आयोग अन्तर्गत जलमीनार का निरीक्षण किया गया। साथ ही नसीपुर आंगनबाड़ी का विधिवत उद्घाटन किया एवं बच्चों की पढ़ाई से संबंधित जानकारी सेविका से ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। मौके पर बीपीओ, प्रखंड समन्वयक, कनीय अभियंता, मुखिया, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक एवं सेविका उपस्थित थे।

उपायुक्त व सिविल सर्जन ने टीबी उन्मूलन के लिए जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार व सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल एवं जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ के के सिंह ने संयुक्त रूप से टीबी उन्मूलन अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि अभियान के तहत प्रत्येक टोले में टीबी मरीज की

खोज करते हुए उनका निःशुल्क उपचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीबी से ग्रसित व्यक्ति को ठीक करने लिए जनमानस आगे आएं। यह छुआ-छूत की बीमारी नही हैं। सभी मिलकर इस अभियान में बीमारों को इलाज कर गांव- टोला को टीबी मुक्त बनना है। सिविल सर्जन ने कहा कि जागरूकता रथ विभिन्न प्रखंडों के गांव-टोला तक पहुंच टीबी के प्रति लोगो को जागरूक करने का कार्य करेंगे। उन्होंने डॉक्टरी सलाह दी कि किसी व्यक्ति को 14 दिन का खांसी, बुखार या वजन कम हो रहा है तो आगे आएं, जांच के लिए खखार दें। यह निःशुल्क सेवा है।

मुन्ना कापरी को इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन का जिला अध्यक्ष - देवघर बनाया गया

देवघर, झारखंड।

इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सेराज अहमद कुरैशी के निर्देश एवं राष्ट्रीय सचिव, महिला विंग मधु सिन्हा की संस्तुति पर झारखंड प्रदेश अध्यक्ष देवानंद सिन्हा ने देवघर - झारखंड निवासी जोनल हेड भानु मित्र मुन्ना कापरी को इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन का जिला अध्यक्ष देवघर, झारखंड बनाया गया है एवं आशा व्यक्त की है कि वह इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन में शहर से लेकर गांव के सभी पत्रकारों को जोड़ कर पत्रकार हित की रक्षा एवं उत्पीड़न की घटनाओं पर सदैव तत्पर रहेंगे।

वहीं मुन्ना कापरी ने कहा कि इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी गई है, उसका मैं सदैव निष्ठापूर्वक निर्वहन करुंगा। मुन्ना कापरी को जिला अध्यक्ष देवघर, झारखंड बनाये जाने पर राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष मो परवेज, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सतेंद्र मिश्रा, राष्ट्रीय महासचिव गिरीराज सिंह, राष्ट्रीय सचिव रंजीत कुमार सम्राट, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सलमान अहमद, राष्ट्रीय संगठन सचिव अखिलेश्वर धर द्विवेदी, राष्ट्रीय कांउसिल सदस्य मो एजाजुल हक, प्रदेश सचिव विजय दत्त पिंटू, प्रदेश सचिव आतिफ खान, रफी समी, मो सलमान खान, विपिन कुमार सिंह, सुजीत कुमार सिन्हा, कृष्णा गोस्वामी उर्फ़ कुमार आस्तिक गिरि, मनोज पाण्डेय, काजल तिवारी, रंजीत गोस्वामी आदि पत्रकार बंधुओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

पाकुड़ की कमान अब महिला शक्ति के हाथ

निधि द्विवेदी ने संभाली पाकुड़ एसपी की जिम्मेदारी, कहा जनता को चाहिए भरोसा, वो मिलेगा

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़। पाकुड़ को दो दशक बाद एक बार फिर महिला एसपी मिली हैं। 2013 बैच की तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी निधि द्विवेदी ने जिले की नई पुलिस कप्तान के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने निवर्तमान एसपी प्रभात कुमार से चार्ज लिया, जिनकी नई पदस्थापना धनबाद एसएसपी के रूप में हुई है। पदभार ग्रहण करने के बाद निधि द्विवेदी ने पत्रकारों से बातचीत में भावनात्मक शब्दों में अपनी प्राथमिकताओं को साझा किया। उन्होंने कहा,मैं पाकुड़ के लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगी। यह मेरी प्राथमिकता होगी कि

आम जनता को बिना कारण थानों के चक्कर न लगाने पड़ें। भयमुक्त वातावरण देना मेरी सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि पाकुड़ के लोग पुलिस से क्या अपेक्षाएं रखते हैं, उसी के अनुरूप कार्य योजना तैयार की जाएगी ताकि पुलिस-जन सहयोग और अधिक मजबूत हो।

20 वर्षों बाद महिला एसपी

निधि द्विवेदी पाकुड़ की दूसरी महिला एसपी बनी हैं। इससे पहले 2006 से 2008 तक आईपीएस संपत मीणा ने बतौर एसपी यहां सेवाएं दी थीं। अब 2025 में, निधि द्विवेदी के रूप में एक बार फिर जिले को महिला नेतृत्व मिला है, जिसने नई उम्मीदों को जन्म दिया है।निधि द्विवेदी की अब तक की सेवा यात्रा भी उल्लेखनीय रही है। उन्होंने झारखंड पुलिस के कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं – जैप 3 गोविंदपुर, एसपी रेल धनबाद, एसपी रामगढ़, जैप 8 और हाल के वर्षों में सीआईडी झारखंड में ढाई साल तक सक्रिय भूमिका निभाई।

अज्ञात लोगों द्वारा छिनतई करने एवं मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया

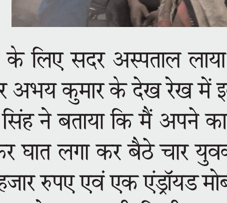

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत सकरीगली निवासी स्वर्गीय सुरेंद्र सिंह के 32 वर्षीय पुत्र धनंजय सिंह से अज्ञात लोगों द्वारा छिनतई करने एवं मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।वही घायल किसी तरह जान बचाकर घर पहुंचे। जहां से परिजनों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया।वही सदर अस्पताल में ड्यूटी पर रहे डॉक्टर अभय कुमार के देख रेख में इलाज किया जा रहा है। वही घायल धनंजय सिंह ने बताया कि मैं अपने काम से घर लौट रहा था। तभी रस्ते में छिप कर घात लगा कर बैठे चार युवकों ने बाइक रोक कर मेरे पॉकेट से 3000 हजार रुपए एवं एक एंड्रॉयड मोबाइल छीन लिया। उसके बाद मुझे मारपीट करने लगा। वही किसी तरह जान बचाकर घर पहुंचे जहां से इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया। वही तालझारी थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

सदर अस्पताल के बेड पर कुत्तो का कब्जा

साहिबगंज, संवाददाता। सदर अस्पताल इनदिनों आवारा कुत्तों के अड्डा बना है। यहाँ मरीजो के बेड मिलना मुश्किल है। लेकिन यहां आवारा कुत्तों का बेड पर कब्जा है। गुरुवार को भी सदर अस्पताल के बरामद पर लगे बेड पर आवारा कुत्ता कब्जा जमाए बैठा है। आवारा कुत्ता आराम फरमाते देखा जा रहा है। लेकिन अस्पताल प्रबंधक इसपर मौन है। ऐसे में किसी भी मरीज या परिजन को काटने का डर सता रहा है। मरीजो ने बताया कि प्रतिदिन अस्पताल के अंदर कुत्तो का डेरा लगा रहता है। इसके चलते अस्पताल में गंदगी भी पसरा रहता है। लेकिन यहां कुत्तो पर रोक लगाने वाला कोई नही है। मरीजो ने बताया कि हर दिन यहां कुत्तो का डेरा जमा रहता है। कभी फर्स पर तो कभी बेड पर आवारा कुत्ते आराम फरमाते है।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, हजारों की संपत्ति जलकर हुई खाक

आग की सुचना पाकर विधायक प्रतिनिधि राहुल सिंह ने भेजा दमकल वाहन

कृष्णा गोस्वामी/देवघर

देवघर ज़िले के सारठ प्रखंड अंतर्गत अलुवारा के मुरारी पाण्डेय के घर में शार्ट सर्किट के वजह से आग लगकर लाखो की सम्पति खाक हो गयी।आग लगने से 5000 की संख्या में बिचाली, लगभग 5 हजार की राशन सामग्री, 4 क्विंटल धान सहित घर का सारा सामान जल कर राख हो गया। ग्रामीणों ने बताया की करीबन शाम 4

बजे बारिश हुई उसके बाद मुरारी पाण्डेय के घर से आग का धुँआ निकलने लगा. परिवारजनों के हो हल्ला के बाद ग्रामीणों के मदद से पानी पंप लगाकर आग बुझाने का प्रयास हुआ। ग्रामीणों के सूझ बुझ से घर के दक्षिण दिशा वाला घर में आग को जाने नहीं दिया। इसी दौरान ग्रामीणों ने आग लगने की जानकारी विधायक प्रतिनिधि राहुल सिंह को दिया। विधायक प्रतिनिधि राहुल सिंह ने तुरंत दमकल वाहन भेजा। जिसके बाद दमकल कर्मी और ग्रामीणों के सहयोग से आग में काबू पाया गया।वही पीड़ित मुरारी पाण्डेय ने उचित मुआवजा की मांग अंचल अधिकारी से किया हैं. वही आग की खबर पाकर पथरड्डा थाना के एसआई हबील लुगुण सहित दल बल के साथ पहुँचे।

आग को काबू पाने में लगा ढाई घंटे, राहुल और मोनू ने संभाला मोर्चा

आग शाम करीबन 4 बजे लगी जिसके बाद पीड़ित मुरारी पाण्डेय के हो हल्ला के बाद राहुल पाण्डेय और मोनू पाठक ने मोर्चा संभाला। तक़रीबन ढाई घंटे तक दोनों युवको ने जलते हुए घर के ऊपर चढ़ कर पानी से आग बुझाने की लिए प्रयास रत रहे। तभी आग पर काबू पाया गया।

एक चुटकी सिन्दूर की कीमत तुम क्या जानो नरेन बाबू !

>> विचार

बीकानेर में उन्होंने ऐलान किया कि उनकी "रगों में लहू नहीं गर्म सिन्दूर बह रहा है। यह स्वयं मोदी द्वारा प्रधानमंत्री बनने के बाद जारी की गयी उनकी सबसे नयी ब्लड रिपोर्ट है। एक रिपोर्ट उन्होंने 1 सितम्बर 2014 को जारी की थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि वे गुजरात में जन्मे हैं, इसलिए उनके खून में व्यापार है। तब वे जापान के टोक्यो में थे। अगले ही दिन उन्होंने इसे थोड़ा अपडेट करते हुए बताया कि उनके खून में पैसा है। वहां से लौटकर एक ही महीने में तीसरी रिपोर्ट जारी करते हुए 29 सितम्बर 14 को उन्होंने कहा कि वे भारत में पैदा हुए हैं और उनके खून में लोकतंत्र है। बीच में एक बार फारुख अब्दुल्ला को जवाब देते हुए उन्होंने अपने खून में संविधान और सेकुलरिज्म दोनों के होने का ब्यौरा दिया। इस कड़ी में देखा जाए, तो खून में सिन्दूर और वह भी गरमागरम सिन्दूर का होना बाजार में एकदम नया है।

बादल सरोज

अंततः खुद उन्हीं ने इसका प्रमाण भी प्रस्तुत कर दिया है कि वे सचमुच में नॉन-बायोलॉजिकल हैं, अपौरुषेय हैं। सबसे पहली बार उन्होंने चौबीस के लोकसभा चुनाव के पहले चराचर मनुष्य जगत के समक्ष यह रहस्य उदघाटित किया था कि वे सामान्य प्राणियों की भांति जन्मे नहीं है, बल्कि स्वयं परमात्मा द्वारा भेजे गए हैं। एक घरेलू चैनल से बतियाते हुए उन्होंने बताया कि जब तक उनकी मां जिंदा थी, तब तक उन्हें लगता था कि उनका जन्म शायद बायोलॉजिकली हुआ है। बाकी बात खुद उन्ही के शब्दों में कि "माँ के जाने के बाद मैं इन सारे अनुभवों को जोड़ कर देखता हूँ तो मैं कंविंस हो चुका हूँ..., ग़लत हो सकता हूँ, लेफ्टिस्ट लोग तो मेरी धज्जियाँ उड़ा देंगे, मेरे बाल नोच लेंगे..., मगर तब भी मैं कंविंस हो चुका हूँ कि परमात्मा ने मुझे भेजा है। वो ऊर्जा बायोलॉजिकल शरीर से नहीं मिली। ...ईश्वर को मुझसे कुछ काम लेना है। ईश्वर ने स्वयं ने मुझे किसी काम के लिए भेजा है।" बात को और स्पष्ट करते हुए इसी रौ में उन्होंने आगे कहा था कि, "परमात्मा ने भारत भूमि को चुना। परमात्मा ने मुझे चुना।" पिछले गुरुवार को राजस्थान के बीकानेर में एक आमसभा में बोलते हुए उन्होंने यह भी बता दिया कि यह ऊर्जा उन्हें कहाँ से मिलती है, इसका स्त्रोत क्या है। बीकानेर में उन्होंने ऐलान किया कि उनकी "रगों में लहू नहीं गर्म सिन्दूर बह रहा है। यह स्वयं मोदी द्वारा प्रधानमंत्री बनने के बाद जारी की गयी उनकी सबसे नयी ब्लड रिपोर्ट है। एक रिपोर्ट उन्होंने 1 सितम्बर 2014 को जारी की थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि वे गुजरात में जन्मे हैं, इसलिए उनके खून में व्यापार है। तब वे जापान के टोक्यो में थे। अगले ही दिन उन्होंने इसे थोड़ा अपडेट करते हुए बताया कि उनके खून में पैसा है। वहां से लौटकर एक ही महीने में तीसरी रिपोर्ट जारी करते हुए 29 सितम्बर 14 को उन्होंने कहा कि वे भारत में पैदा हुए हैं और उनके खून में लोकतंत्र है। बीच में एक बार फारुख अब्दुल्ला को जवाब देते हुए उन्होंने अपने खून में संविधान और सेकुलरिज्म दोनों के होने का ब्यौरा दिया। इस कड़ी में देखा जाए, तो खून में सिन्दूर और वह भी गरमागरम सिन्दूर का होना बाजार में एकदम नया है। प्रसंगवश बता दें कि सिन्दूर लैड ऑक्साइड, सिंथेटिक डाई, सल्फ्यूरिक एसिड से बना मरकरी सल्फेट होता है, जिसमे लाल कच्चा सीसा घुला मिला होता है। विज्ञान के नियमों के हिसाब से यह मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। शरीर के भीतर इसकी ज़रा सी भी मात्रा यदि पहुँच गयी, तो वह उसके मानसिक संतुलन को हमेशा के लिए बिगाड़ सकती है। मगर विज्ञान के नियम-कानून हाड़-मांस के प्राणियों के लिए होते हैं ; नॉन बायोलॉजिकल लोगो के लिए नहीं ; मोदी जी के लिए तो कतई नहीं। मोदी जी पर तो राजनीति विज्ञान और सामाजिक बर्ताब के विज्ञान के नियम भी लागू नहीं होते। उनकी सबसे बड़ी विशिष्टता ही उनका प्रिडिक्टेबल यानि भविष्यवचनीय, सरल हिंदी में कहें तो उम्मीद के मुताबिक़ होना है। यहाँ उम्मीद सामान्य और सहज व्यवहार की अपेक्षा वाली उम्मीद नहीं है, उनसे की जाने वाली उम्मीद बिलकुल अलगई चीज होती है। यह संभावना नहीं, आशंका होती है। वे इस देश के, अब तक के, एकमात्र और दुनिया के उन गिने-चुने नेताओं में से एक हैं, जिनके लिए आपदा में अवसर होता है, हर आपदा एक अवसर होती है। ज्यादा सही यह होगा कि उनके लिए आपदाएं ही अवसर होती हैं। उनकी एक और विशेषता बरसों बरस, चौबीस घंटा, सातों दिन चुनाव के मोड में रहने की है झ इस हिसाब से आपदा देश और जनता के लिए जितनी बड़ी होती है, मोदी और उनके कुनबे के लिए चुनाव जीतने की संभावना बढ़ाने का उतना ही बड़ा अवसर होती है। उनकी तीसरी खासियत ध्रुवीकरण झ अपने ही देश की जनता के बीच द्वेष और विभाजन पैदा करने वाले ध्रुवीकरण -- की है। खून में खौलता हुआ सिन्दूर होने का दावा इन तीनों का गाढ़ा और सांघातिक मिश्रण है। एक ऐसा घोल है, जिसे देश पर हुए हमले और उसके शिकार हुए भारत के सैनिकों और नागरिकों की मौतों को चुनावी जीत का रास्ता हमवार करने की तारकोल के सड़क में बदलने में भी इन्हें न हिचक महसूस होती है, न लज्जा ही आती है। इस तरह की आई, लाई, बुलाई और कराई गयी आपदाओं को अवसर में बदलने का खून उनकी दाढ़ कई बार चख चुकी है। वर्ष 2002 के गोधरा और गुजरात दंगों का चुनाव और उसके लिए उन्मादी ध्रुवीकरण करने के लिया हुआ इस्तेमाल पुरानी बात नही है। 14 फरवरी 2019 को कश्मीर के पुलवामा में भारतीय सेना पर जघन्य आतंकी हमले की बात तो और भी ताज़ी है। इसके दोषियों, जिम्मेदारों, ऐसा अघट घटने के लिए उत्तरदायी गलतियों और चूकों और उनसे लिए जाने वाले सबकों के बारे में छह साल गुजर जाने के बाद भी कोई रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हुई है। जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल सतपाल मलिक के अनेक खुलासों के बाद भी देश को कुछ नहीं बताया गया। जब इस हमले के 6 दिन भी नहीं गुजरे थे, तब जो भारत में कभी नहीं हुआ, वैसा करते हुए, इन सैनिकों की शहादतों को लोकसभा चुनाव में भुनाने के लिए स्वयं प्रधानमंत्री ही निकल पड़े थे। उन्होंने अपने भाषणों में खुलेआम देशवासियों से पुलवामा शहीदों के नाम पर भाजपा को वोट करने की अपील की थी। उस लोकसभा के चुनाव में दिए अपने भाषणों में उन्होंने खुल्लमखुल्ला सेना का चुनावी राजनीतिक इस्तेमाल करते हुए कहा था कि जो नौजवान, पहली बार वोट करने वाले हैं, उन्हें पुलवामा शहीदों के लिए भाजपा को अपना वोट देना चाहिए। उनके इस आचरण पर खुद शहीदों के परिवार स्तब्ध और आहत थे। उनके अपने लोकसभा क्षेत्र वाराणसी के एक पुलवामा शहीद रमेश यादव की 26 वर्ष की युवा पत्नी ने गुस्से से कहा था कि "मोदी कौन होते हैं सेना के नाम पर वोट मांगने वाले ? मेरे पति तो अब इस दुनिया में नहीं हैं, वो तो चले गए और आज मोदी उनके नाम पर वोट मांग रहे हैं। अगर मोदी हवाई जहाज का इंतजाम कर देते, तो आज मेरे पति ज़िंदा होते। इस दुनिया में होते, हमारे साथ होते।" ज्यादातर सैनिकों के परिवारों की ऐसी ही प्रतिक्रिया थी, मगर इन सबसे बेपरवाह मोदी हर चुनावी सभा में पुलवामा के शहीदों के नाम पर भाजपा के लिए वोट मांगते रहे और सैनिकों के प्रति सहानुभूति और सम्मान को भुनाते हुए अपने वोटों की नफरी बढ़ाते रहे। ठीक उसी तरह की आजमाईश अब 22 अप्रैल को पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले को लेकर शुरू हो गयी है। पहलगाम में आतंकियों द्वारा किये गए हत्याकांड से खिन्न, क्षुब्ध, आतंकियों के कायराना वहशीपन से तिलमिलाए और आक्रोश से भरे देश में वापस लौटते ही उन्होंने घटनास्थल पर जाने, मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि देने, उनके शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करने, वे सामान्य सुरक्षा से भी वंचित क्यों थे, इसकी जांच पड़ताल करने की बजाय बिहार की चुनावी आम सभा में जाने को प्राथमिकता देकर साफ़ कर दिया कि वे पुलवामा की तरह पहलगाम का भी इसी तरह का चुनावी इस्तेमाल करना चाहते हैं। लहू में गर्म सिन्दूर के बहने का दावा इसी तरह का जुमला है। उनका इरादा इसे बिहार और बंगाल के विधानसभा चुनावों का पासवर्ड बनाने का है। सिन्दूर का बिम्ब पहलगाम में मारे गए पर्यटकों की जिन जीवन संगिनियों के सुहाग उजड़ने से लिया गया है, उनके प्रति इनके कुनबे की भावनाएं कैसी हैं, यह अब दुनिया जान चुकी है। वे जीवन साथी के बिछड़ जाने के प्रतीक के रूप में सिन्दूर का उपयोग कर रहे हैं, उनमें वे भारतीय कश्मीरी विधवाएं भी शामिल हैं, जिनके पति पर्यटकों को बचाते या भारत-पाकिस्तान झड़प में मारे गए, जिनके सुहाग के प्रतीक अलग हैं। आज तक इनके प्रति संवेदना में एक शब्द तक नहीं बोला गया। बहरहाल इस प्रतीक के पीछे निहित सेलेक्टिव भाव को यदि फिलहाल अनदेखा भी कर दें, तो मोदी जिस सिन्दूर का हवाला दे रहे हैं और जिसकी गर्माहट में वे बिहार में वोटों की लिट्टी चोखा और बंगाल में माछेर झोल पकाना चाहते हैं, उसमें हिमांशी का सिन्दूर भी शामिल है। इस हमले में शहीद हुए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की युवा पत्नी हिमांशी ने जब पहलगाम के बहाने हिंदू-मुस्लिम, कश्मीरी-गैर कश्मीरी के नाम पर उन्माद न फैलाने और देश की एकता बनाए रखने की अपील की, तो उन्हें जिस तरह की जुगुप्सा जगाने वाली वीभत्स ट्रोल का निशाना बनाया गया, जितनी गन्दी और बेहूदा बातें उनके बारे में की गयी, उन्हें परिभाषित करने के लिए शर्मनाक या निंदनीय शब्द नाकाफी महसूस होते हैं। किसी कश्मीरी लड़के के साथ उनकी फर्जी तस्वीरें तक वायरल की गयीं। यह ट्रोल इतनी भयानक थीं कि राष्ट्रीय महिला आयोग को भी उसका संज्ञान लेना पड़ा और इस पर आपत्ति जतानी पड़ी। बचपन से ही इस कुनबे के सगे रहे पत्रकार प्रभु चावला तक को यह नागवार गुजरी। उन्होंने इसे 'डिजिटल लिंचिंग' बताया और आश्चर्य व्यक्त किया कि इन पर रोक क्यों नहीं लगाई जाती। मगर जो मोदी सरकार थोक के भाव न्यूज़ पोर्टल्स, वेब मैगजीन्स और सोशल मीडिया साइट्स को ब्लाक करवाने में जुटी थी, फैज़ की नज़्म गाने वालों से लेकर कार्टून बनाने वालों तक को पकड़कर जेल में डाल रही थी, उसने इनमें से किसी एक के खिलाफ भी, कहीं कोई एफआईआर दर्ज नहीं कराई। किसी का भी अकाउंट बंद कराने के निर्देश नहीं दिए गए। वजह साफ़ थी : पहलगाम में उजड़े सिन्दूर पर लपकतेये ट्रोल भेड़िये किसी गली या नुक्कड़ पर बैठे लम्पट शोहदे नहीं थे, इनमें से अनेक के एकाउंट्स को खुद मोदी फॉलो करते है। ये कोई छुटभैय्ये फ्रिंज एलेमेंट्स नहीं है, ये कुनबे के नामी-गिरामी और बड़े वाले स्वयंसेवक है। इनमें मप्र में मोदी की भाजपा सरकार के 'यशस्वी' उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और 'तेजस्वी' कैबिनेट मंत्री विजय शाह भी हैं, जिन्होंने सारी सीमायें लांघ दी, मगर कमाल है जो उनकी निंदा में किसी भाजपाई ने उफ़ तक की हो। इधर मोदी पहलगाम में उजड़े सिन्दूर को ध्वजा बनाए घूम रहे हैं, उधर उन्हीं की पार्टी के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगडा उन्ही स्त्रियों को कोस रहे हैं, जिनके पति आतंकी हमले में मारे गए। उन्हें धिक्कारते हुए कह रहे हैं कि "जिनका सिन्दूर छीना गया, उनमे वीरांगना भाव नहीं था, जोश नहीं था, जज्बा नहीं था, दिल नहीं था झ इसलिए हाथ जोड़कर गोली का शिकार बन गए।" शोकाकुल स्त्रियों, मोदी के बिम्ब में ही कहे, तो एक ही सांस में सिन्दूर का इतना निर्लज्ज अपमान करने की धृष्टता और उन्हीं के सिन्दूर से राजतिलक की कामना करने का इतना निराट पाखण्ड भाजपा ही कर सकती है। ऑपरेशन सिन्दूर के नाम पर देश भर में भाजपा और संघियों द्वारा निकाली जा रही कथित तिरंगा यात्रायें उन चूकों, गलतियों और विफलताओं से ध्यान बंटाने की कोशिशें हैं, जिनके चलते पहलगाम जैसा काण्ड हुआ। इस आतंकी हमले के बावजूद दुनिया भर में अपेक्षित समर्थन न जुटा पाने की जिम्मेदार असफल और दिशाहीन विदेश नीति पर पर्दा डालने की कोशिश है।

(लेखक 'लोकजतन' के सम्पादक)

संपादकीय

'ऑपरेशन सिंदूर'

पाकपरस्त आतंकवाद और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर खूब सियासत हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी शहर-शहर जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं। खूब तालियां और नारेबाजी बटोर रहे हैं। विपक्ष और खासकर कांग्रेस सारस्प में 'ऑपरेशन सिंदूर' और मोदी सरकार की विदेश नीति को नाकाम करार दे रही है। विपक्ष की व्याख्या है कि मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत अकेला रहा, जबकि पाकिस्तान के साथ चीन, तुर्किये, अजरबैजान आदि देश सक्रिय स्प से जुड़े रहे। विपक्ष सेना के शौर्य, पराक्रम और प्रहारों की प्रशंसा कर रहा है, लेकिन सरकार को हर स्तर पर नाकाम आंक रहा है। सवाल है कि एक सशस्त्र ऑपरेशन चलाने, आतंकियों के 9 प्रमुख अड्डे मिट्टी-मलबा कर देने और 172 आतंकियों को ढेर कर देने के निष्कर्ष के तौर पर चंद सवाल ही पूछे जा रहे हैं कि देश को क्या मिला ? क्या आतंकवाद खत्म हो गया ? क्या हाफिज सईद, मसूद अजहर सरीखे खूंखार आतंकी सरगनाओं को भारत को सौंपने की शर्त तय हुई है ? यह सब कुछ अनर्गल है। बहरहाल सियासत के प्रतीक के तौर पर अब 'सिंदूर' मिल गया है। भाजपा भी घर-घर जाकर महिलाओं को उपहार के तौर पर 'सिंदूर' बांटेगी। क्या सिंदूर कोई भी, किसी भी समय, बांट सकता है अथवा यह वैवाहिक रस्मों की एक पवित्र प्रक्रिया है ? भाजपा ने 9 जून से एक माह का राष्ट्रीय अभियान शुरूकरना तय किया है। इस तारीख पर, बीते वर्ष 2024 को, प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। उसी की सालगिरह मनाई जा रही है। मोदी पहली बार 26 मई, 2014 को देश के प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने यह तारीख गुजरात की जनता के साथ साझा की है। अब 'सिंदूर' ऐसा प्रतीक भाजपा के हाथ लगा है कि वह देश की जनता को सेना, युद्ध और आतंकवाद के आधार पर भावुक बना सकती है, लिहाजा पार्टी के पक्ष में एक राजनीतिक ध्रुवीकरण भी हो सकता है। भाजपा का नया जनाधार भी तैयार हो सकता है। इस अभियान के दौरान केंद्रीय मंत्री और सांसदों समेत पार्टी पदाधिकारी और काडर पदयात्रा भी करेंगे। बूथ स्तर की सियासत सक्रिय की जाएगी। आम आदमी तक 'ऑपरेशन सिंदूर' के सच भी भेजे जाएंगे और मोदी सरकार की प्रमुख योजनाओं के प्रचार भी किए जाएंगे। राजनीति की पराकाष्ठा यह है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान जिन विभागों ने, किसी भी तरह का, योगदान दिया था, उस पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी बनाई जाएगी। विभागों के कर्मचारियों के परिजनों को वह शॉर्ट फिल्म दिखाई जाएगी। वीर रस और गौरव से भरी ऐसी सियासत नहीं देखी। पाकिस्तान को आतंकवादी देश घोषित कराने के लिए दबाव डालना होगा।

बदलते मौसम की मार: क्या हम तैयार हैं?

प्रो. आरके जैन

बदलते मौसम की दस्तक हमारे जीवन में केवल हवा, तापमान, या बारिश के रूप में नहीं आती, बल्कि यह अपने साथ ऐसी चुनौतियाँ भी लाती है, जो हमारी सेहत को चुपके से प्रभावित कर सकती हैं। गर्मी की तपिश, बरसात की उमस, या सर्दी की ठिठुरन-हर मौसम अपने साथ बीमारियों का एक नया काफिला लाता है। डेंगू, मलेरिया, फ्लू, निमोनिया, और त्वचा संबंधी रोग मौसम के बदलते मिजाज के साथ हमारे जीवन में दबे पांव प्रवेश करते हैं। ये बीमारियाँ न उम्र देखती हैं, न अमीर-गरीब का भेद। सवाल यह नहीं कि मौसम बदल रहे हैं; सवाल यह है कि क्या हम इनके साथ आने वाली स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार हैं ? या फिर हम बीमारी के दरवाजा खटखटाने का इंतजार करते हैं, ताकि बाद में इलाज के लिए भागदौड़ करें ? गर्मी का मौसम आते ही लू, डिहाइड्रेशन, फूड पॉइजनिंग, और त्वचा के संक्रमण आम हो जाते हैं। तेज धूप और पसीने के कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिससे थकान, चक्कर, और गंभीर मामलों में किडनी संबंधी समस्याएँ तक हो सकती हैं। गर्मियों में खाने-पीने की चीजें जल्दी खराब हो जाती हैं, जिससे पेट की बीमारियाँ बढ़ती हैं। बरसात का मौसम मच्छरों के लिए स्वर्ग बन जाता है, जिससे डेंगू, मलेरिया, और चिकनगुनिया जैसी बीमारियाँ चरम पर होती हैं। उमस भरे माहौल और गीले कपड़ों के कारण फंगल इन्फेक्शन और त्वचा की एलर्जी तेजी से फैलती हैं। सर्दियों में ठंडी हवाएँ जुकाम, खांसी, वायरल बुखार, और निमोनिया को न्योता देती हैं। अस्थमा और हृदय रोगों से पीड़ित लोगों के लिए यह मौसम खासा जोखिम भरा होता है। बदलता तापमान और हवा में नमी का स्तर हमारी रोग

प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करता है, जिससे हम वायरस और बैक्टीरिया के प्रति ज्यादा संवेदनशील हो जाते हैं। दुखद है कि हम में से अधिकांश लोग इन मौसमी बीमारियों को गंभीरता से नहीं लेते। मौसम बदलते ही हम कपड़ों में हल्का बदलाव या खानपान में थोड़ा परहेज कर लेते हैं, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति दीर्घकालिक सजगता की कमी साफ दिखती है। एक साधारण जुकाम को हम "मौसम का असर" कहकर टाल देते हैं, लेकिन यही लापरवाही कई बार गंभीर बीमारियों का रूप ले लेती है। कोविड-19 महामारी ने हमें सिखाया कि छोटी सी लापरवाही भी बड़े स्वास्थ्य संकट का कारण बन सकती है। फिर भी, हमारी आदतें नहीं बदलतीं। कितने लोग मौसम बदलने से पहले मच्छरों से बचाव की व्यवस्था करते हैं ? कितने लोग गर्मी में पर्याप्त पानी या सर्दी में गर्म कपड़ों जैसे बुनियादी कदम उठाते हैं ? यह लापरवाही न केवल हमें, बल्कि हमारे परिवार और समुदाय को भी खतरे में डालती है। अब समय है कि हम मौसमी बीमारियों के प्रति अपनी सोच बदलें। यह प्रतिक्रियात्मक रवैये का नहीं, बल्कि पूर्व-तैयारी का समय है। हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव लाने होंगे जो हमें हर मौसम के लिए तैयार रखें। संतुलित आहार, जिसमें मौसमी फल, सब्जियाँ, और प्रोटीन शामिल हों, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, और तनाव से दूरी-ये हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता के आधारस्तंभ हैं। गर्मियों में नारियल पानी, नींबू पानी, और मौसमी फल शरीर को हाइड्रेट रखते हैं। सर्दियों में गर्म सूप, अदरक, और तुलसी शरीर को गर्मी और ताकत देते हैं। बरसात में साफ-सफाई, उबला पानी, और मच्छरों से बचाव के उपाय जरूरी हैं। ये छोटे कदम हमें बीमारियों से बचाने में बड़ा काम करते हैं। जागरूकता इस दिशा में महत्वपूर्ण है। लोगों को यह जानना जरूरी है कि किस मौसम में कौन सी बीमारियाँ फैलती हैं और उनसे बचने के उपाय क्या हैं। बरसात में पानी जमा न होने देना, मच्छरदानी का उपयोग, और कीटनाशकों का छिड़काव डेंगू और मलेरिया से बचाव में कारगर है। गर्मियों में धूप से बचने के लिए छाता, टोपी, और हल्के रंग के कपड़े पहनने चाहिए। सर्दियों में बच्चों और बुजुर्गों को फ्लू वैक्सीन देना जरूरी है। स्कूलों, कॉलेजों, और कार्यस्थलों पर जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जहाँ स्वास्थ्य सुविधाएँ सीमित हैं, ऐसी जानकारी जीवन रक्षक हो सकती है। सरकार और स्वास्थ्य संस्थानों की जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए सुसज्जित करना होगा। आवश्यक दवाइयाँ, जांच सुविधाएँ, और प्रशिक्षित डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए। जागरूकता अभियान गाँव-गाँव और शहर-शहर तक पहुँचने चाहिए। रेडियो, टीवी, सोशल मीडिया, और पोस्टरों के जरिए सही जानकारी दी जा सकती है। कोविड-19 के दौरान दिखाई गई तत्परता मौसमी बीमारियों के लिए भी दिखानी होगी। शुरुआती पहचान और इलाज से न केवल मरीज की जान बच सकती है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं पर आर्थिक बोझ भी कम होगा। मौसम का बदलना प्राकृतिक है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम के पैटर्न अनिश्चित हो गए हैं। बेमौसम बारिश और असामान्य गर्मी नई बीमारियों को जन्म दे रही हैं। ऐसे में हमारी तैयारी दीर्घकालिक होनी चाहिए। स्वच्छ पानी, साफ-सफाई, और नियमित स्वास्थ्य जांच जैसी आदतें हमें हर मौसम में सुरक्षित रखेंगी। यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम खुद को, अपने परिवार, और समुदाय को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करें। मौसम का बदलना उसका स्वभाव है, लेकिन बीमारियों से जूझना हमारा स्वभाव नहीं होना चाहिए। सही समय पर सही कदम और मौसम के अनुकूल जीवनशैली हमें इन चुनौतियों से बचा सकती है। मौसम को रोकना हमारे बस में नहीं, लेकिन उसकी मार से बचना हमारे हाथ में है। लापरवाही को अलविदा कहकर सजगता अपनाएँ। अगर हम तैयार हैं, तो कोई मौसम हमें हरा नहीं सकता। यह तैयारी हमारी सबसे बड़ी ताकत है, और यही आज की सबसे बड़ी जरूरत।

श्रीनिवास रामानुजन: एक स्लेट और चाक से कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय तक

विजय गर्ग

श्रीनिवास रामानुजन का जन्म 1887 में दक्षिणी भारत के इरोड नामक एक छोटे से गाँव में हुआ था। उनका परिवार गरीब था, और एक बच्चे के रूप में, उनके पास उन्नत गणित में उचित पुस्तकों या औपचारिक शिक्षा तक बहुत कम पहुंच थी। लेकिन कम उम्र से उन्होंने संख्याओं के बारे में एक असाधारण जिज्ञासा दिखाई। 15 साल की उम्र में, उन्होंने गणित की एक पुरानी किताब की एक प्रति पर ठोकर खाई - ॅ.र. द्वारा शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित में प्राथमिक परिणामों की एक सारांश। उं११ । पुस्तक केवल हजारों प्रमेयों और सूत्रों की एक सूची थी, जिसमें कोई स्पष्टीकरण नहीं था। लेकिन रामानुजन के लिए, यह एक सोने की खान थी। उन्होंने अपने दम पर इन सूत्रों के माध्यम से काम करके खुद को उन्नत गणित सिखाना शुरू किया - अक्सर चाक और एक छोटे स्लेट का उपयोग करना, क्योंकि कागज बहुत महंगा था। कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं होने के बावजूद, उन्होंने कई मूल प्रमेय विकसित किए, अक्सर दुनिया के शीर्ष गणितज्ञों द्वारा की गई खोजों को फिर से विकसित किया - और यहां तक कि उनसे बहुत आगे निकल गया। लेकिन उन्हें कई चुनौतियों का सामना

करना पड़ा। गणित के साथ उनके जुनून ने उन्हें अन्य विषयों में विफल कर दिया, और उन्हें कॉलेज से बाहर निकलना पड़ा। वह बेरोजगार और संघर्ष कर रहा था, लेकिन उसने लगातार गणित पर काम करना जारी रखा। निर्णायक 1913 में, रामानुजन ने विश्वास की छलांग लगाई। उन्होंने अपने गणितीय निष्कर्षों से भरा एक पत्र जी.एच. हार्डी, इंग्लैंड के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में एक प्रमुख गणितज्ञ। हार्डी ने पहले सोचा था कि पत्र एक शरारत हो सकती है - सूत्र अजीब, मूल और कभी-कभी शब्दों में गलत थे - लेकिन कई आश्चर्यजनक रूप से सटीक और गहराई से व्यावहारिक थे। हार्डी इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने रामानुजन को कैम्ब्रिज में आमंत्रित किया। बहुत अनुनय (और धार्मिक और सांस्कृतिक चुनौतियों पर काबू पाने) के बाद, रामानुजन ने 1914 में इंग्लैंड की यात्रा की। एक नई दुनिया कैम्ब्रिज में, रामानुजन के पास अंततः एक विश्व स्तरीय गणितीय वातावरण तक पहुंच थी। उन्होंने और हार्डी ने संख्या सिद्धांत, अनंत श्रृंखला और विभाजन - क्षेत्रों में ग्राउंडब्रेकिंग कार्य पर सहयोग किया जो अभी भी रामानुजन के योगदान से गहराई से प्रभावित हैं। लेकिन ठंडी अंग्रेजी जलवायु, युद्धकालीन भोजन की कमी और उनके शाकाहारी आहार ने उनके स्वास्थ्य को कमजोर कर दिया। रामानुजन ने तपेदिक विकसित किया और अंततः भारत लौट आए, जहां 1920 में 32 साल की छोटी उम्र में उनकी मृत्यु हो गई। परंपरा अपने छोटे जीवन के बावजूद, रामानुजन ने लगभग 4,000 मूल प्रमेयों को पीछे छोड़ दिया, जिनमें से कई उनके समय से आगे थे। उनका काम अभी भी आधुनिक गणित को प्रभावित करता है, जिसमें स्ट्रिंग सिद्धांत और ब्लैक होल भौतिकी जैसे क्षेत्र शामिल हैं। उनकी जीवन कहानी एक शक्तिशाली अनुस्मारक है कि कच्ची प्रतिभा, जुनून और दृढ़ता किसी भी कठिनाई के माध्यम से चमक सकती है। संसाधनों, मेंटरशिप या औपचारिक शिक्षा के बिना भी, रामानुजन दुनिया के अब तक के सबसे महान गणितज्ञों में से एक बन गए हैं।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्राचार्य शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाविद् स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

राजमहल विधायक ने किया साहिबगंज सदर प्रखंड क्षेत्र का दौरा, ग्रामीणों की समस्याओं से हुए अवगत

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। माननीय राजमहल विधायक आदरणीय मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा जी ने झारखंड मुक्तिमोर्चा के साहिबगंज जिला अध्यक्ष आदरणीय श्री अरुण सिंह जी की अगुवाई में साहिबगंज सदर प्रखंड क्षेत्र के महादेवगंज, छोटीकोदरजन्ना, डिहारी ,हाजीपुर भीठ्ठा व हाजीपुर दियारा क्षेत्र का भ्रमण किए. बीते दिनों महादेव गंज के एक मजदूर की हैदराबाद में हुई मौत के मृतक के आश्रित एवं सड़क दुर्घटना में हुई मौत के मृतक के आश्रित से मिलकर विधायक जी ने ढांढस बंधाते हुए त्वरित सरकारी सहयोग दिलाने का आश्वासन दिए. मौके से अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज एवं अंचलाधिकारी साहिबगंज को दूरभाष पर त्वरित पारिवारिक लाभ, विधवा पेंशन, आवास योजना से मृतक के आश्रितों को लाभान्वित करने का दिशा निर्देश दिए. क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने पेयजल, बिजली,शौचालय, सड़क , पेंशन योजना एवं सदर प्रखंड के कई इलाकों में निवास प्रमाण पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं होने की समस्या से विधायक जी को अवगत कराया गया. विधायक जी ने कहा कि आज भी क्षेत्र पिछड़ापन का शिकार है जो दुर्भाग्यपूर्ण है. जनहित के सभी समस्याओं का निदान किया जाएगा. बिजली, पानी, सड़क ,शौचालय मूलभूत समस्या है इसका त्वरित समाधान किया जाएगा. सदर प्रखंड मुख्यालय में स्वयं एवं उनके प्रतिनिधि व पार्टी पदाधिकारी के माध्यम से ग्रामीणों की समस्या को सुनकर संज्ञान में लेते हुए त्वरित समाधान की दिशा में पहल की जाएगी. हाजीपुर पंचायत के बाढ़ प्रभावित इलाके में ग्रामीण महिलाओं ने शौचालय की समस्या से अवगत कराते हुए कहा कि शौचालय नहीं होने के कारण बाढ़ के समय काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. इसके साथ ही रोशनी के लिए हाई मस्ट लाइट का अधिष्ठापन कराना. विधायक जी ने कहा कि मूलभूत समस्याओं का समाधान करते हुए सरकार के सभी जन कल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीण लाभुकों को लाभान्वित कराया जाएगा. ग्रामीण क्षेत्र का विकास उनकी प्रथम प्राथमिकता है. जनता ने जिस आशा और विश्वास के साथ अपना प्रचंड बहुमत और समर्थन दिया है. क्षेत्र में विकास की कार्यों को किया जाएगा. मौके पर विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ, केंद्रीय समिति सदस्य बबलू मिश्रा, प्रखंड अध्यक्ष अमरदीप सिंह, मुजम्मिल हक, यारानुल हक उर्फ गोले, सिद्दीक शेख, राजू अंसारी , मो जाबिर सहित अन्य मौजूद थे.

संक्षिप्त समाचार

नगर कांग्रेस कांग्रेस कमिटी की एक बैठक नगर अध्यक्ष सतीश पासवान कि अध्यक्षता मे किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। शहर के बंगाली टोला स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय साहिबगंज में नगर कांग्रेस कांग्रेस कमिटी की एक बैठक नगर अध्यक्ष सतीश पासवान कि अध्यक्षता मे किया गया.बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड पर्यवेक्षक अशोक कुमार पासवान उपस्थित थे. बैठक में नगर कांग्रेस कमिटी के लिए चयनित सभी पदाधिकारियों का परिचय और उनको दी जाने वाली नई जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया. साहेबगंज नगर के पर्यवेक्षक अशोक पासवान ने सभी नगर कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारियों को कांग्रेस पार्टी के नीति सिद्धांतों से परिचित कराया.सभी नगर के पदाधिकारियों को वार्ड कमिटी का जल्द से जल्द गठन करने का निर्देश दिया.अशोक पासवान ने कहा कि संगठन सृजन -2025 कार्यक्रम के तहत पुरे प्रदेश में संगठन को चुस्त दुरुस्त करने की क़वायद चल रही है.जून 2025 में किसी भी दिन संविधान बचाव रैली आयोजित की जा सकती है इसलिए जरूरी है कि नगर और वार्ड कमिटी मजबूत के लिए हमें अभी से लग जाना है. बैठक में आफताब आलम, रोहित कुमार, गणेश मंडल, सुल्तान अहमद आज़म अंसारी, अभय यादव, पूजा देवी, नक़ीब आज़म, लड्डू कुमार,राजीव कुमार, प्रदीप कुमार सिंह एवं अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे.

एक युवक ने फांसी के फंदे से लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त की

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र के एक युवक ने फांसी के फंदे से लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त की। मिली जानकारी के अनुसार चुना खारी मिर्जाचौकी निवासी खोपा हेंब्रम का 24 वर्षीय पुत्र जेठा हेंब्रम ने फांसी से लटक कर अपनी जान दे दी। मृतक के पत्नी गंगा मुनि सोरेन ने बताया कि घर पर कोई नहीं था जब उनकी पत्नी ने सुबह 6़00 बजे देखा कि रस्सी से फांसी पर पति का शव मृत अवस्था में लटका हुआ है, पत्नी हो हल्ला करने लगी, जिससे अगल-बगल के मोहल्ले वासी इकट्ठे हो गए। उन्होंने आगे बताया कि पति का दिमागी हालत खराब रहने के कारण फांसी लगाया है। परिजनों के द्वारा घटना की सूचना मिर्जाचौकी थाना को दी गई सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंच पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए पूछताछ करने के उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेज दिया। वही शव का पोस्टमार्टम डॉक्टर के द्वारा किया गया। जबकि पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

बरहरवा की आरपीएफ ने ब्रह्मपुत्र मेल से अवैध शराब जब्त की

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। बरहरव मालदा डिवीजन रेल खंड अंतर्गत 29 मई 2025 को बरहरवा की आरपीएफ ने ब्रह्मपुत्र मेल से अवैध शराब जब्त की। शराब के अवैध परिवहन पर एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में, मालदा डिवीजन के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने आज ट्रेन संख्या 15658 ब्रह्मपुत्र मेल पर सफल छापेमारी की, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई।विश्वसनीय खुफिया सूचना के आधार पर, अपराध रोकथाम एवं जांच दस्ते (सीपीडीएस) के अधिकारियों और कर्मचारियों ने आरपीएफ पोस्ट बरहरवा के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान चलाया। छापेमारी में आरपीएफ बरहरवा के इंस्पेक्टर संजीव कुमार की देखरेख में की गई। निरीक्षण के दौरान ट्रेन में कुल 80 बोतल अवैध शराब लावारिस अवस्था में पाई गई। जब्त शराब की अनुमानित कीमत लगभग 8,800 रुपये है। लावारिस अवस्था में बरामद शराब को आरपीएफ ने अपने कब्जे में ले लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मामले की सूचना आबकारी विभाग, साहिबगंज को दे दी गई है। भारतीय रेलवे में अवैध वस्तुओं की आवाजाही को रोकने तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ लगातार सतर्क बनी हुई है।

एक वृद्ध महिला को मार कर बुरी तरह घायल कर दिया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत एक वृद्ध महिला को मार कर बुरी तरह घायल कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार कोमो गोडा बोरियो निवासी बड़ा दुल्ला की 55 वर्षीय पत्नी सुरजी पहाड़ीन साग तोड़ने के लिए जंगल में गई थी। जहां पहले से गौतीया में झगड़ा चल रहा था। वही आज गुरुवार 29 मई 2025 को सुरजी पहाड़ीन को देवा पहाड़िया, सूरज पहाड़िया, सुंदरा पहाड़िया ने पहाड़ पर साग तोड़ने के दौरान चाकू और कुल्हाड़ी से सर में वार कर बुरी तरह मार कर घायल कर दिया। जहां परिजनों की मदद से आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों के द्वारा इलाज किया गया और डॉक्टर की देखरेख में इलाज चल रहा है। घायल महिला के परिजनों ने उक्त व्यक्ति के खिलाफ बोरियो थाना में आवेदन दिया है जहां बोरियो थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की छानबीन में जुट गई है।

आकाश चौधरी के पास से एक देशी कट्टा तथा तीन जिंदा गोली बरामद कर विधिवत जब्ती कर गिरफ्तार किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। सदर अनुमंडल पुलिस कार्यालय प्रकोष्ठ में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी किशोर कुमार तिर्की ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि दिनांक 28 मई 2025 को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह साहेबगंज को सूचना प्राप्त हुआ कि जिरवाबाड़ी थाना अंतर्गत सकरूगढ़ गैस गोदाग के पास एक युवक आकाश चौधरी उम्र 22 वर्षीय, पिता-रामजी चौधरी साकिन-सकरूगढ़ गैस गोदाग के रहने वाला ने अवैध हथियार लेकर किसी अप्रिय घटना को अंजाम देने के फिराक में घुम रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक साहेबगंज के द्वारा त्वरीत कार्रवाई करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी साहेबगंज के निर्देश में एक विशेष टीम की गठन की गई। छापामारी दल के द्वारा आकाश चौधरी के पास से एक देशी कट्टा तथा तीन जिंदा गोली बरामद कर विधिवत जब्ती कर गिरफ्तार किया गया। आकाश चौधरी से पूछताछ में अन्य लोगो के शामिल होने की बात बताई है। जिस पर अनुसंधान प्रारंभ किया गया है। उक्त युवक का पहले से कई अन्य अपराधिक इतिहास जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 69/24, दिनांक 09 मई 2024, धारा-356/382/411 भादवि, जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या- 51/24, दिनांक 07 अप्रैल 2024, धारा-341/ 323/ 325/ 307/ 504/ 506/34 भादवि, जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 188/22, दिनांक 03 अगस्त 2022, धारा-302/34 भादवि रहा है। मौके पर छापामारी दल में पुअनि शशि सिंह थाना प्रभारी, पुअनि जुमराती अंसारी, पुअनि मो शाहरूख, सअनि मनोज शर्मा, सअनि सरफुद्दीन खां, ह0- महेन्द्र यादव, थाना रिर्जव गार्ड, आ0-41 धर्मवीर सिंह रिर्जव गार्ड, सभी जिरवाबाड़ी थाना शामिल थे।

राजस्व कर्मचारी निकला जमीन घोटाले का मास्टरमाइंड, तलाब की जमीन को बेचकर करा दिया म्यूटेशन

आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो
अजय कुमार कुशवाहा

बरहड़वा अंचल में हुए जमीन घोटाले का मास्टर माइंड राजस्व कर्मचारी के पद पर करीब 11 साल तक तैनात निरंजन रजक निकला। वह 2011 से 2020 तथा 2021 से 2023 तक वहां राजस्व कर्मचारी के रूप में तैनात था। लंबे समय तक उसके पास सीआइ का भी प्रभार था।

2020-2021 में कुछ अवधि में वह मंडरो अंचल में भी था। वर्तमान में वह देवघर जिले के मधुपुर में सर्किल इंस्पेक्टर के पद पर पदस्थापित है। तत्कालीन अंचलाधिकारी विनोद राम का कहना है कि सारी गड़बड़ी उसी ने की। हालांकि, निरंजन रजक ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है।

उधर, भूमि घोटाले की जद में आए तत्कालीन अंचलाधिकारी विनोद राम व निरंजन रजक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए विभाग को लिखने की तैयारी चल रही है। उपायुक्त हेमंत सती ने बताया कि इस मामले में शामिल सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों पर प्राथमिकी के लिए सरकार से अनुमति मांगी जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि अपर समाहर्ता गौतम भगत की रिपोर्ट मिल चुकी है। इसमें सरकारी तालाब की खरीद बिक्री की पुष्टि हो चुकी है। ऐसे में उक्त तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराकर उसे पुराने स्वरूप में लौटाया जाएगा।

कई अन्य जगह से भी मिली शिकायत

डीसी ने कहा कि अन्य तालाबों को भी अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई की बात सामने आने के बाद जिलेभर से बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। अब तक दर्जनभर शिकायत मिल चुकी है। कहा कि सभी आवेदनों को संबंधित अंचलाधिकारी को भेजकर उसकी जांच कराई जा रही है।

सरकारी भूमि का अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बताया कि बरहड़वा के अलावा तालझारी से भी बड़ी संख्या में शिकायत प्राप्त हुई है।

अब तक की जांच में यह सामने आया है कि बरहड़वा अंचल के सिरासीन मौजा के खाता संख्या 187 के प्लाट संख्या 272 में स्थित 17 बीघा 13 कट्ठा छह धुर के तालाब को हशीमुद्दीन शेख नामक व्यक्ति ने अपने नाम करा लिया और बाद में उसे पाकुड़ के पूर्व विधायक अकील अख्तर, मोइनुद्दीन शेख, शेताबुद्दीन शेख, जिदुल हक, तहुल शेख, कासिफ शेख व समीना खातून नामक लोगों को बेच दिया।

सीओ विनोद राम व राजस्व कर्मचारी निरंजन रजक ने उसका म्यूटेशन भी कर दिया। दैनिक जागरण में खबर छपने के बाद उपायुक्त ने इसकी जांच कराई तो मामले का खुलासा हुआ। अंचलाधिकारी विनोद राम वर्तमान में लोहरदगा में एक्सक्यूटिव मजिस्ट्रेट हैं।

हाट से हशीमुद्दीन के परिवार के लोग वसूलते बट्टी

तालाब की शेष जमीन पर प्रत्येक मंगलवार को शनिवार को हाट लगता है। इसमें काफी भीड़ उमड़ती है, लेकिन वर्षों से हशीमुद्दीन शेख के परिवार के लोग वहां आने वाले लोगों से बट्टी वसूलते हैं।

सूत्रों की मानें तो इस वसूली का एक हिस्सा बरहड़वा अंचल में पदस्थापित अधिकारियों-कर्मचारियों को भी जाता है। इस वजह से आज तक उक्त हाट की बंदोबस्ती नहीं की जा सकी।

बुधवार की देर रात्रि तेज रफ्तार पिकअप वैन के चपेट में आने से एक वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत महादेवगंज के गोढ़ीटोला में बुधवार की देर रात्रि तेज रफ्तार पिकअप वैन के चपेट में आने से एक वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की सूचना परिजनों के द्वारा पुलिस को दी गई, पुलिस मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। मृतक महादेवगंज के गोढ़ीटोला निवासी कार्तिक सिंह के 64 वर्षीय पुत्र दिनेश सिंह थे। मृतक का छोटा पुत्र राणा कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार की रात्रि उसका पिता गांव के ही एक दोस्त के यहां गया था। उधर से साइकिल लेकर पैदल घर आ रहा था। इसी बीच सामने से तेज रफ्तार पिकअप वैन ने उक्त व्यक्ति के ऊपर आकर चढ़ा दिया। पिकअप वैन दिनेश सिंह के पेट व पैर में चढ़ गया। जिससे उसका पेट में गंभीर चोट लगी। जबकि बायां पैर के जांघ फैक्चर हो गया। वही पुलिस पिकअप वैन संख्या बी.आर10जी.ए.0730 को जब्त कर थाना ले आई। इधर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं शव का पोस्टमार्टम डॉ. तबरेज आलम ने किया है। जबकि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

ग्रामीण कार्य योजनाओं की हुई समीक्षा बैठक

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय के प्रकोष्ठ में ग्रामीण कार्य विभाग (कार्य प्रमंडल) अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत वर्ष 2022-23 के दौरान चल रही परियोजनाओं की गहन समीक्षा की गई। बैठक की शुरुआत एक विस्तृत पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से की गई, जिसमें विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही विभिन्न सड़कों की प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता, समय-सीमा एवं बजट व्यय की जानकारी प्रस्तुत की गई। उपायुक्त ने योजनाओं की वर्तमान स्थिति, पूर्ण एवं अपूर्ण कार्यों की स्थिति की विस्तार से जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यपालक अभियंता को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य तय समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने अपूर्ण परियोजनाओं की सूची तैयार कर उसे प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने पर बल दिया। इसके साथ ही सड़क निर्माण में पारदर्शिता एवं जन सहभागिता सुनिश्चित करने की बात कही। बैठक में ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता देवी लाल हांसदा, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता समेत अन्य उपस्थित थे। उपायुक्त ने अधिकारियों से क्षेत्रीय भ्रमण कर कार्यों की भौतिक प्रगति की निगरानी करने एवं नियमित रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया।

महिला महाविधालय मे वाणिज्य एवं कला कि पढ़ाई होती है

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज- सिद्धू कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के अंतर्गत रसूलपुर दहला भरतिया कलोनी स्थित महिला महाविधालय मे वाणिज्य एवं कला कि पढ़ाई होती है.जिसकी जानकारी कॉलेज के प्राचार्य डॉ धुर्व ज्योति कुमार सिंह ने दी.उन्होंने बताया कि सत्र 2025-2029 मे एडमिशन लेने के लिए छात्राए चांसलर पोर्टल के माध्यम से अपना आवेदन कर सकती है. उन्होंने बताया कि आवेदन कि तिथि 1 से 24 जून तक निर्धारित कि गई है.

महिला का पर्स से उचक्कों ने मोबाइल व पैसा गायब कर दिया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। मंडरो मिर्जाचौकी रेलवे स्टेशन पर गुरुवार की सुबह मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के डिहारी की अमृता ओझा नामक महिला का पर्स से उचक्कों ने मोबाइल व पैसा गायब कर दिया। महिला के पति मनोज ओझा ने बताया कि घटना अप साहिबगंज-जमालपुर पैसेंजर ट्रेन में चढ़ने के दौरान स्टेशन पर हुई। इस दौरान उसकी पत्नी का पर्स ब्लेड मारकर काट दिया और उसमें रखा सैमसंग कंपनी का एक मोबाइल व नगद 30 हजार रुपए निकाल लिया। इस मामले में रेल पुलिस को शिकायत नहीं कर सकी है।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी बरहरवा एवं भारतीय स्टेट बैंक द्वारा संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहेबगंज के संयुक्त तत्त्वाधान से गुरुवार को बरहरवा प्रखंड के मयूरकोला पंचायत भवन में उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन बीपीएम फैज आलम, वरीय संकाय राजहंस कुमार एवं संकाय उपेंद्र गोप की उपस्थिति में किया गया। बीपीएम फैज आलम, वरीय संकाय राजहंस कुमार एवं संकाय उपेंद्र गोप के द्वारा बतलाया गया कि भारतीय स्टेट बैंक के द्वारा संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, साहेबगंज के द्वारा अनेकों प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कोई भी प्रशिक्षण लेकर स्वयं का रोजगार शुरू किया जाता है जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले बेरोजगार बीपीएल धारी दीदियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को जिसका उम्र 18 से 45 वर्ष तक है उनको प्रशिक्षण प्रदान कर आर्थिक रूप से स्वतंत्र एवं नियमित वेतन आधारित रोजगार से जोड़ा जाता है। इस योजना के अंतर्गत सखी मंडल से जुड़ी दीदियों को निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण साहेबगंज में दिया जाता है ताकि दीदी अपने कौशल को पहचान बनाकर अपने लिए आत्मनिर्भरता की नई राह तैयार कर सके। प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु आवश्यक कागजात आधार कार्ड, राशन कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो इत्यादि अनिवार्य है। प्रशिक्षण के उपरांत प्रमाण पत्र एवं व्यापार संबंधित व्यक्तिगत बैंक लिंकेज करवाने हेतु आवेदन भी लिया जाएगा। इस कार्यक्रम में वित्तिय वर्ष 23-24 और 24-25 में स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहेबगंज में प्रशिक्षण प्राप्त पूर्व प्रशिक्षुओं से शिस्टाचार मुलाकात करके वर्तमान स्तिथि का जायजा लिया गया। कार्यक्रम में पीआरपी सुशीला मुर्मू, छाया देवी इत्यादि सहित अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

स्वजातीय समाज की भागीदारी को लेकर विचार विमर्श

डुमरी, प्रतिनिधि। कुर्मी समाज की एक आवश्यक बैठक गुरुवार को अपराह्न करीब 3 बजे अनुमंडल परिसर डुमरी स्थित जामतारा पंचायत भवन में धनेश्वर विद्यार्थी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस बैठक में कुड़मि जड़ुआहि बगोदर के घाघरा सांइस कालेज में आगामी 1 जून को होने वाले कुर्मी समाज के लोगों के महाजुटान के लिए डुमरी प्रखंड से अधिक से अधिक की संख्या में स्वजातीय समाज की भागीदारी को लेकर विचार विमर्श किया गया। इसके साथ ही सरकार द्वारा जातिगत जनगणना 2025 के संबंध मे चर्चा की गई । इस बैठक में लालेश्वर महतो, कर्मचंद महतो, अशोक महतो, संतोष महतो, सुरेश महतो, मोहन महतो, किरण देवी, सरिता देवी, मंजू देवी, कमलेश महतो, मुकेश महतो, भेकलाल महतो, शिवचरण महतो, चिंता देवी, आशीष कुमार आदि मौजूद रहे।

पीपल नदी में पुल नहीं लोगों को हो रही है परेशानी

बड़कागांव संजय कुमार
बड़कागांव। बड़कागांव पश्चिम पंचायत स्थित पीपल नदी में पुल नहीं होने के कारण लोगों को कई कठिनाइयों से गुजरना पड़ रहा है। इस नदी से चंदनपुर ,लंगातु, केरिगढ़ा, जुगरा चेपाखुर्द ,डाड़ीकला गांव जाने वाले लोगों के लिए कम दूरी का रास्ता है। पुल नहीं रहने के कारण गांव के ग्रामीणों को 2 किलोमीटर से लेकर 4 किलोमीटर तक लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। पुल निर्माण कराने के लिए पिछले 25 वर्षों से जनप्रतिनिधियों ग्रामीणों के द्वारा जिला प्रशासन से मांग की जाती रही है, परंतु अब तक पुल निर्माण नहीं हुआ। मामले को लेकर बड़कागांव पश्चिम पंचायत मुखिया सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि डीएमएफटी फंड से पुल निर्माण एवं सड़क निर्माण कराने के लिए जिला प्रशासन को पत्र लिखा हूँ।

16वें वित्त आयोग की बैठक में आजसू की ओर से देवशरण व प्रवीण लेंगे हिस्सा

संवाददाता द्वारा
रांची। 16वें वित्त आयोग की राजनीतिक दलों के साथ होने वाली बैठक में आजसू पार्टी की ओर से मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत और वरिष्ठ नेता प्रवीण प्रभाकर बैठक में भाग लेंगे. पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो के निर्देश पर केंद्रीय प्रधान महासचिव एवं पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने वित्त मंत्रालय के संयुक्त सचिव को सूचित किया है कि बैठक के लिए डॉ भगत व श्री प्रभाकर अधिकृत किए गए हैं. बैठक में आजसू पार्टी राज्य सरकार की नाकामी को मुद्दा बनाएगी और केंद्र के हस्तक्षेप की मांग करेगी. सीपीएम के दो सदस्य सुखनाथ लोहरा और अमल आजाद वित्त आयोग की बैठक में हिस्सा लेंगे. सीपीएम की ओर से 16 वें वित्त आयोग को झारखंड के विभिन्न सेक्टरों में आधारभूत संरचना के निर्माण, शिक्षा व स्वास्थ्य तथा रोजगार उपलब्ध कराए जाने के लिए आर्थिक अनुदान और सहायता दिए जाने से सबंधित संदर्भों की शर्तों पर अपना लिखित ज्ञापन भी सौंपेगा.

देवघर पहुंची केंद्रीय वित्त आयोग की टीम, संथाल क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर की चर्चा

संवाददाता द्वारा
देवघर। झारखंड दौरे पर पहुंची वित्त आयोग की टीम ने गुरुवार को देवघर स्थित सर्किट हाउस में संथाल परगना के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक की. बैठक की अध्यक्षता 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने की. बैठक से पहले वित्त आयोग के अध्यक्ष ने अपने परिवार के साथ बाबा बैद्यनाथ धाम में पूजा-अर्चना की और फिर अधिकारियों के साथ संथाल क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा की.

बैठक में मौजूद जामताड़ा, साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, देवघर, दुमका के जनप्रतिनिधियों ने आयोग की टीम को अपने क्षेत्र की जरूरतों और आवश्यकताओं से अवगत कराया. इसके बाद बैठक में मौजूद संथाल परगना के पदाधिकारियों ने पूरे प्रमंडल के ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों से वित्त आयोग की टीम को अवगत कराया.

वित्त आयोग की टीम में 11 सदस्य मौजूद थे. वित्त आयोग की टीम के साथ इस बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, एनी जॉर्ज मैथ्यूज सदस्य, डॉ. मनोज पांडा सदस्य, पुष्पांजलि पांडा सदस्य की धर्मपत्नी, डॉ. सौम्यकांति घोष सदस्य, ऋत्विक पांडेय सचिव, डॉ. प्रशांत कुमार पांडा आर्थिक सलाहकार, अलीवा दीपाली पांडेय आर्थिक सलाहकार की धर्मपत्नी, कुमार विवेक पीएस 2 अध्यक्ष, प्रिया सर्राफ संयुक्त निदेशक, मानसी गुप्ता उप निदेशक, शिखा सिंह उप निदेशक, कोमल सिंह निजी सचिव, श्याम लाल कनीय सचिवालय सहायक तथा संथाल परगना के सभी जिला परिषद अध्यक्ष, मुखिया, जिला पंचायती राज पदाधिकारी आदि उपस्थित रहे.

गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव ने समाहरणालय सभागार में सतत् विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति के निमित्त कार्य योजना तैयार करने से संबंधित बैठक संपन्न

- गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव ने जिला स्तरीय संकेतकों पर चर्चा करते हुए पदाधिकारियों को समन्वय स्थापित कर विभागवार संचालित योजनाओं को सतत् विकास लक्ष्यों से जोड़कर क्रियान्वयन एवं प्रगति अर्जित करने तथा राज्य स्तर पर जिले की रैंकिंग को सुधारने के लिए आवश्यक निर्देश दिए

गिरिडीह, प्रतिनिधि। समाहरणालय सभागार में जिला उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ सतत् विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति के निमित्त कार्य योजना तैयार करने से संबंधित बैठक आयोजित हुई। बैठक में सतत् विकास लक्ष्यों के सभी मानकों पर विस्तृत समीक्षा किया गया। साथ ही जिले में सतत् विकास लक्ष्यों के प्राप्त करने हेतु

विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना तथा बेहतर रणनीत के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया गया, जिसमें मुख्यतः शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, खाद्य आपूर्ति, समाज कल्याण, कृषि, उद्यान, पशुपालन, सहकारिता डी आर डी ए, जे एस एल पी एस, नगर परिषद, पेयजल एवं स्वच्छता सहित अन्य विभागों से जुड़े एस.डी.जी. के संकेतकों पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने जिला स्तरीय संकेतकों पर चर्चा करते हुए पदाधिकारियों को समन्वय स्थापित कर विभागवार संचालित योजनाओं को सतत् विकास लक्ष्यों से जोड़कर क्रियान्वयन एवं प्रगति अर्जित करने तथा राज्य स्तर पर जिले की रैंकिंग को सुधारने के लिए दिशा-निर्देश दिया। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा संग्रहित डाटा का सही से मिलान करने एवं समयबद्ध तरीके से प्रविष्टि करते हुए प्रस्तुत करने का निदेश दिया। बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, सिविल सर्जन, अपर समाहर्ता, उप नगर आयुक्त, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी समेत जिला स्तरीय पदाधिकारी के अलावा अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

लंगटा बाबा प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय के छात्रों का रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

- जैक दसवीं रिजल्ट में सृष्टि भदानी 94.6 प्रतिशत के साथ स्कूल टॉपर बनी
- लंगटा बाबा प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय को जल्द की जाए प्लस टू

शुभम सौरभ
गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। जैक ने दसवीं के रिजल्ट जारी कर दिए हैं, वहीं जमुआ प्रखंड अंतर्गत लंगटा बाबा प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय मिर्जागंज के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। लंगटा बाबा प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय मिर्जागंज में पढ़ने वाले छात्राएं विद्यालय प्रबंधन एवं छात्रों की मेहनत के कारण बहुत ही बेहतर रिजल्ट दिया है।

प्रखंड स्तर पर भी इस विद्यालय के छात्रा ने द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया है

जिसमें सृष्टि भदानी प्रखंड स्तर पर 94.6 के साथ द्वितीय और रितिका कुमारी 94.0 के साथ तृतीय स्थान प्राप्त की है, टॉप 10 लड़कियों के जो सूची जारी की गई है उसमें 94.6 प्रतिशत के साथ सृष्टि भदानी पहले नंबर पर रही, दूसरे नंबर पर 94 प्रतिशत के साथ रितिका कुमारी, तीसरे नंबर पर सुशांता कुमारी 92.8 प्रतिशत, बाकी और जो लड़कियों के

सूची है, उसमें 4. माही कुमारी 90.0, 5. शिवानी कुमारी 90.0, 6. माही कुमारी 87.8, 7. स्मृति गुप्ता 87.6, 8. ममता कुमारी 86.6, 9. माही कुमारी 85.4, 10. प्रियंका कुमारी 85.2 रही। वहीं दर्जनों से अधिक छात्राओं ने 80 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त भी किया है। इस प्रकार से लंगटा बाबा प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय की लड़कियों ने मारी बाजी।

विद्यालय के कुशल नेतृत्व, सभी शिक्षकों के मेहनत और मजबूत इच्छा शक्ति का नतीजा है, कि हमारे विद्यालय ने भी बेहतर रिजल्ट देने का कार्य किया: बसंत साव

विद्यालय के प्रधानाध्यापक बसंत साव ने कहा कि विद्यालय के कुशल नेतृत्व, सभी शिक्षकों के मेहनत और मजबूत इच्छा शक्ति का नतीजा है कि हमारे विद्यालय ने भी बेहतर रिजल्ट देने का कार्य किया और हम सब इन छात्राओं के बेहतर भविष्य की कामना करते हैं। कहा कि जिस प्रकार से जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने इस विद्यालय को प्लस टू करने की मांग सदन में उठाई है जल्द प्लस टू हो जाए, ताकि हम सब प्लस टू तक यहां की छात्राओं को शिक्षा दे सके। विद्यालय टॉपर सृष्टि भदानी के पिता रवि भदानी ने कहा कि हमारी बिटिया ने जिस प्रकार का परीक्षा परिणाम दिया है हम सभी के लिए खुशी की बात है, वही दसवीं के बाद निकली हुई। सभी छात्राओं ने कहा कि हम सब को दसवीं के बाद अब हमें दूसरे स्थान पर पढ़ाई के लिए जाना पड़ेगा, शायद इस विद्यालय को यदि प्लस टू किया जाता तो हम यहीं पर आगे पढ़ाई कर पाते।

विद्यालय का रिजल्ट उत्कृष्ट रहा, विद्यालय जल्द हो प्लस टू: ई अनिल चौधरी

कांग्रेस नेता ई अनिल चौधरी ने कहा कि विद्यालय का रिजल्ट बहुत ही बेहतर रहा। सृष्टि भदानी ने बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया हैं, मैंने भी इस विद्यालय को प्लस टू करने का मांग किया था और जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने भी सदन में इस विद्यालय को प्लस टू करने की मांग उठाई हैं, देखना यह होगा कि कब तक सरकार इसके ऊपर पहल करती है और कब तक यह विद्यालय प्लस टू हो पाएगा।

बीजीआर कंपनी के समर्थक और विरोधी आपस में उलझे

- पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला हुआ शांत

ड़कागांव संवाददाता
बड़कागांव। बादम मोतरा मुख्य मार्ग में स्थित एनटीपीसी बादम कोल ब्लॉक के एमडीओ बीजीआर कंपनी के साइट ऑफिस में बीजीआर कंपनी के समर्थकों का जमावड़ा होना शुरू हुआ। इसकी सूचना मिलते ही गुरुवार को तकरीबन 11:00 सुबह कंपनी के खिलाफ आंदोलन कर रहे गोंदलपुरा के ग्रामीण महिला पुरुष भारी संख्या में साइट ऑफिस पहुंचकर विरोध करने लगे। तभी बादम और अंबाजीत गांव के भारी समर्थक विरोधियों से उलझ गए स्थिति को तनावपूर्ण होता देख बड़का गांव पुलिस के हस्तक्षेप के बाद विरोधी और समर्थक खेमों को शांत कराया गया। मौके पर समर्थक खेमे वालों ने कहा कि बादम कोल ब्लॉक में बादम और अंबाजीत के रैयत जमीन देने के लिए तैयार है तो गोंन्दल पूरा के ग्रामीणों का विरोध कोई औचित्य नहीं बनता है। वहीं विरोधी खेमे वालों ने कहा की हम लोगों का भी जमीन घर बार बादम कोल ब्लॉक में जा रहा है इसलिए हम लोग बादम कोल ब्लॉक का अंतिम क्षण तक विरोध करते रहेंगे।

गिरिडीह: सामाजिक संस्था आर्ट ऑफ गिविंग झारखंड के ब्रांड एंबेसडर बने जितेन्द्र

- एनएसएस, प्रयास पहल, समेत विभिन्न सामाजिक संस्थाओं और एनजीओ के साथ जुड़कर मतदाता जागरूकता अभियान, निःशुल्क शिक्षा देने का काम किया
- केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं को आम लोगों के बीच बताना और जागरूक करने का काम कर रहे हैं

शुभम सौरभ
गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। जिले के बिरनी प्रखंड के झांझ निवासी शिक्षक नागेश्वर प्रसाद के पुत्र जितेन्द्र कुमार को सामाजिक संस्था आर्ट ऑफ गिविंग का झारखंड राज्य का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। बताते चलें कि जितेन्द्र ने अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के साथ ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए काम किया है।एनएसएस, प्रयास पहल, समेत विभिन्न सामाजिक संस्थाओं और एनजीओ के साथ जुड़कर मतदाता जागरूकता अभियान, निःशुल्क शिक्षा, केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं

को आम लोगों के बीच बताना और जागरूक करने का काम कर रहे हैं। वह निरंतर पर्यावरण संरक्षण के प्रति खड़े रहते हैं, स्वयं सैकड़ों से अधिक पौधारोपण कर अन्य को प्रेरित करते रहते हैं। जितेन्द्र कुमार अंतर विश्वविद्यालय राष्ट्रीय युवा महोत्सव में मेडल की हैट्रिक लगा चुके हैं और झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व संसद भवन, नई दिल्ली में कर चुके हैं। साथ ही देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ मुलाकात कर देश के आदर्श युवा के रूप में विकसित भारत, 2047 में अपने विचार साझा कर चुके हैं। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, भारत सरकार में महिला एवं बाल विकास विभाग की केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, कुलपति रांची विश्वविद्यालय डॉ अजीत कुमार सिन्हा, एनएचआरसीसीबी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रणधीर कुमार समेत अन्य शिक्षाविद भी जितेन्द्र के हौसले को अफजाई कर चुके हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को आधुनिक युग में शामिल करने के लिए मुफ्त में कंप्यूटर शिक्षा दे रहे

जितेन्द्र कुमार ने बताया कि वह अच्छी शिक्षा लेने, समाज के लिए अच्छा काम करने और अपनी कला का प्रदर्शन करने को मूल मंत्र मानते हैं और चाहते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति इसका पालन करे। वह ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को आधुनिक युग में शामिल करने के लिए मुफ्त में कंप्यूटर शिक्षा दे रहे हैं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं।

आर्ट ऑफ गिविंग की स्थापना डॉ. अच्युत सामंत ने 17 मई 2013 को की थी

आर्ट ऑफ गिविंग, झारखंड के ब्रांड एंबेसडर के रूप में नियुक्त होते हुए, जितेन्द्र कुमार ने बताया कि आर्ट ऑफ गिविंग की स्थापना डॉ. अच्युत सामंत ने 17 मई 2013 को की थी। इसके वर्षगांठ के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष देश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस वर्ष का थीम नेबरगुड- पड़ोस में अच्छाई लाना है, जिसका उद्देश्य सेवा, करुणा और मूल्यों के माध्यम से समाज में दया और समानुभूति का प्रसार करना है।

उनकी प्रेरणादायक यात्रा और उत्कृष्ट कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद करेंगे: पुनीत प्रधान

आर्ट ऑफ गिविंग झारखंड के ब्रांड एंबेसडर के रूप में जितेन्द्र कुमार की नियुक्ति उनके उत्कृष्ट कार्यो और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण की गई है। आर्ट ऑफ गिविंग को समन्वय कर रहे पुनीत प्रधान ने कहा कि हमें उम्मीद है कि उनकी प्रेरणादायक यात्रा और उत्कृष्ट कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

गरीब, किसान, नारी, नौजवान विकसित भारत के चार स्तंभ: मोदी

गंगटोक/नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को यहां कहा कि विकसित भारत का निर्माण गरीब, किसान, नारी और नौजवान-इन चार स्तंभों पर खड़ा होगा तथा सरकार देशभर में इन्हें मजबूत करने में लगी है। श्री मोदी सिक्किम राज्य के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सिक्किम 16 मई को अपना स्थापना दिवस मनाता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए हर राज्य का विकास जरूरी है। हर राज्य की अपनी विशेषताएं हैं। हमने पूर्वोत्तर क्षेत्र को विकास के केन्द्र में रखा है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर सिक्किम में विकास की कई परियोजनाओं का शिलान्यास तथा उद्घाटन किया और कहा कि सिक्किम पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास की एक चमकती गाथा बन रहा है। उन्होंने कहा कि सिक्किम में पिछले एक दशक से बड़े परिवर्तन हो रहे हैं, जिसका यहां के लोग अनुभव कर रहे हैं। दस वर्षों में इस क्षेत्र में सम्पर्क सुविधाओं का विकास हुआ है। राज्य में 400 किलोमीटर के राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण हुआ है और सैंकड़ों किलोमीटर लम्बी ग्रामीण सड़कें बनायी गयी हैं। उन्होंने कहा कि अटल सेतु बनने से भी सिक्किम का सम्पर्क बढ़ा है तथा गंगटोक और बागडोगरा के बीच आवागमन में आसानी हुयी है। श्री मोदी ने सिक्किम के किसानों की प्रशंसा करते हुये कहा कि यह राज्य जैविक खेती में देश में अग्रणी स्थान पर है। उन्होंने कहा कि राज्य से जैविक मिर्च की पहली खेप मार्च में विदेश भेजी गयी है और भविष्य में ऐसे अनेक उत्पाद हैं जो विदेश भेजे जायेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में सिक्किम दुनिया में अपने जैविक तरीके से तैयार मछलियों के लिए भी जाना जायेगा। राज्य में सोरेंग जिले में केन्द्र सरकार के सहयोग से जैविक मत्स्य पालन संकुल का विकास किया जा रहा है और दुनिया में जैविक तरीके से उत्पादित मछलियों की बहुत अधिक मांग है। उन्होंने कहा कि केन्द्र और सिक्किम सरकार पूरे तालमेल के साथ विकास कार्य में लगे हैं।

मेहनकश गिग श्रमिकों को कांग्रेस सरकारें दे रही है न्याय : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि गिग श्रमिकों की समस्या का निदान कांग्रेस की प्राथमिकता है और इसके लिए सभी कांग्रेस शासित राज्यों में कानून बनाए जा रहे हैं। श्री गांधी ने गुरुवार को यहां जारी बयान में कहा, ÷रेटिंग नहीं, हक़ चाहिए, इंसान हैं हम, ग़ुलाम नहीं-भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जब मैं गिग वर्कर्स से मिला, तो ये शब्द मेरे दिल में उतर गए। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाया है, एक ऐसा अध्यादेश लाया है जो गिग वर्कर्स को अधिकार, सुरक्षा और सम्मान देता है। ये वर्कर्स दिन-रात हमारे लिए खाना, ज़रूरी सामान और सेवाएं पहुंचाते हैं, गर्मी, सर्दी और बारिश तक की परवाह नहीं करते, लेकिन अक्सर उन्हें बिना किसी वजह ऐप से हटा दिया जाता है, बीमार होने पर छुट्टी नहीं मिलती और उनकी मेहनत की कमाई गुप्त तरीके से तय होती है। उन्होंने कहा है कि अब यह अन्याय खत्म होगा। इस नए कानून से सुनिश्चित होगी सामाजिक सुरक्षा, न्यायसंगत कॉन्ट्रैक्ट, वेतन निर्धारण में पारदर्शिता, मनमानी ऐप ब्लॉकिंग का अंत, तकनीकी से तरक्की भी होनी चाहिए और इंसाफ़ भी मिलना चाहिए। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, राजस्थान ने शुरुआत की।,कर्नाटक ने रास्ता दिखाया, अब तेलंगाना की बारी है। गिग और प्लेटफ़ॉर्म आधारित काम से नए अवसर बन रहे हैं और कामकाज के रिश्तों में बड़ा बदलाव आ रहा है। इस बदलाव के केंद्र में मज़दूरों के अधिकार होने चाहिए। यही हमारा विज़न है और हम इसे हर राज्य और पूरे देश में लेकर जाएंगे।

कांग्रेस नेताओं की आलोचना पर थरूर का कटाक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर दुनिया के विभिन्न देशों में भारत का पक्ष रखने गये सांसदों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने उनके बयानों की आलोचना करने वाले कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियों को तवज्जों नहीं देते हुए कहा है कि उनके पास आलोचना सुनने के लिए समय नहीं है,और भी अच्छे काम हैं करने के लिए। श्री थरूर ने अपने आलोचकों को करारा जवाब देते हुए कहा,÷मेरे पास और भी अच्छे काम करने के लिए पड़े हैं। सच कहूं 'मेरे पास इनकी आलोचना सुनने के लिए समय नहीं है। मेरे आलोचक और ट्रोलर, मेरे विचारों और शब्दों को अपनी सुविधा के हिसाब से तोड़-मरोड़ कर पेश करने को स्वतंत्र हैं। सच यह है कि मेरे पास करने के लिए और भी बहुत सारे और बेहतर काम हैं। शुभ रात्रि। उन्होंने आतंकवाद पर जीरो टोलरेंस की भारत की नीति का पक्ष विदेशों में रखने के लिए कोलंबिया रवाना होने से पहले सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में अपने आलोचकों पर कटाक्ष करते हुए उनकी आलोचनाओं का तीखा और सीधा जवाब दिया है। श्री थरूर ने पनामा में कहा था कि भारत सरकार ने अपनी सोच में हाल के वर्षों में बड़ा बदलाव किया है। मैंने बताया कि पूर्व में आतंकी हमलों का जवाब देते हुए हमने एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा का ध्यान रखा, लेकिन हाल के वर्षों में इस सोच में बदलाव आया है। श्री थरूर के इस बयान के बाद उनकी आलोचना हुई है। इससे पहले श्री थरूर के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल अमेरिका तथा पनामा में भारत का पक्ष रख चुका था इसलिए पनामा की दिन की यात्रा का जिक्र करते हुए श्री थरूर ने कहा, पनामा में एक लंबे और सफल दिन के बाद मुझे मध्यरात्रि में ही कोलंबिया के लिए निकलना है। इसलिए मेरे पास इस सबके के लिए समय नहीं है। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता उदित राज ने बुधवार को श्री थरूर की आलोचना करते हुए उन्हें 'भाजपा का सुपर प्रवक्ता' करार दिया था। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा और जयराम रमेश ने भी श्री थरूर के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए श्री राज के बयान को रीट्वीट किया।

एमएससी सेंट्रल ने एमएससी वेस्ट को 3 विकेट से किया पराजित, सेंट्रल की टीम ने सभी क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में किया प्रवेश

आदिवासी एक्सप्रेस/ बौसी (बांका)
टी 20 टैलेंट स्काउटिंग ट्राइ सीरीज़ 2025 के अंतर्गत सी एन डी मैदान पर गुरुवार को खेले गए हाई-वोल्टेज मुकाबले में एमएससी सेंट्रल ने एमएससी वेस्ट को एक संघर्षपूर्ण मैच में 3 विकेट से पराजित किया। मैच के दौरान बैटिंग बॉलिंग फील्डिंग सभी क्षेत्र में एम एस सी सेंट्रल की टीम ने लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया और मैच पर दबाव बनाए रखा। गुरुवार को खेले गए मैच में एनसीसी सेंट्रल के खिलाड़ियों ने वापसी करते हुए लाजवाब प्रदर्शन किया और जीत अपने नाम की। इस जीत के साथ ही

एमएससी सेंट्रल की टीम ने फाइनल में प्रवेश कर लिया।
एमएससी सेंट्रल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी का फ़ैसला किया। एमएससी वेस्ट की टीम 16.2 ओवर में 105 रन पर ऑलआउट हो गई। वेस्ट की ओर से सब्रत कुमार (36 रन) और कप्तान रंजन सिंघानिया (29 रन) ने बहुमूल्य रन बनाए।
सेंट्रल की ओर से गेंदबाज़ी में केशव अग्रवाल (4-0-16-2) और गौरव अरुण कुमार (4-0-16-3) ने शानदार गेंदबाजी करते हुए विपक्षी टीम के बल्लेबाजों की कमर तोड़ दी। 106 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एमएससी सेंट्रल ने 16.4 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 107 रन बनाकर मुकाबला 3 विकेट से जीत लिया। टीम की जीत में गौरव जूनियर (16 रन), रिशांत निवास ठाकुर (17 रन) और सफात (9 रन) ने अहम योगदान दिया।

जीत में राज निलयम (उप-कप्तान) का योगदान रहा सराहनीय

राज निलयम, जो एमएससी सेंट्रल के उप-कप्तान होने के साथ-साथ मंदार स्पोर्ट्स क्लब के सह-संस्थापक (Co-founder) भी हैं. इन्होने दबाव भरे क्षणों में 16 गेंदों पर 9 रन (1 चौका) की धैर्यपूर्ण और समझदारी भरी पारी खेली। जब टीम को स्थिरता की ज़रूरत थी, तब उन्होंने अनुभव और नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए पारी को संतुलित रखा। उनकी उपस्थिति ने टीम को जीत की ओर अग्रसर किया। टीम को आसान जीत के करीब पहुंच कर वे आउट हुए।
खेले गए लीग मैच में अंपायर विराज और सत्यम कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।
स्कोरर: विकास कुमार और सत्यम तथा कॉमेंट्री बौसी खेल संघ के कुंदन शाह द्वारा किया गया।

कप्तान केशव अग्रवाल बने मैन ऑफ द मैच:
केशव अग्रवाल - 4 ओवर में 2 विकेट, बेहतरीन फुर्तीली फील्डिंग के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया।इस मैच मे युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा, नेतृत्व और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन रहा। राज निलयम जैसे खिलाड़ी और को स्पॉन्सर के उत्साहवर्धन की बदौलत टी 20 टैलेंट स्काउटिंग सीरीज़ लगातार नई ऊँचाइयों को छू रही है।

राजनाथ आम रक्षा मंत्री के नाम पर आम, राष्ट्रीय भावना के उत्साह के बीच आया अनूठा सम्मान

वरिष्ठ पत्रकार राकेश कुमार ने की सराहना

नई दिल्ली, (आरएनएस)।
एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना के साथ देश जब एकजुटता और सामूहिक ताकत का जश्न मना रहा है, उसी समय भारत के प्रसिद्ध बागवानी विशेषज्ञ और पद्मश्री सम्मानित कलीम उल्लाह खान, जिन्हें ' मैंगो मैन' भी कहा जाता है, ने अपनी नई विकसित आम की किस्म का नाम 'राजनाथ आम' रखा है। यह सम्मान उन्होंने रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और राष्ट्र के प्रति उनके अटूट समर्पण के प्रतीक स्वरूप दिया है। यह सम्मान ऐसे समय में आया है जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर हालिया बयान देशभर में गूंज रहा है।

मैं मानता हूँ कि पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) के लोग हमारे अपने हैं, हमारे परिवार का हिस्सा हैं... वे अपने स्वाभिमान और आत्मा की आवाज से एक दिन जरूर भारत की मुख्यधारा में लौटेंगे। इसी भावना और कलीम उल्लाह खान द्वारा रक्षा मंत्री को दिए गए सम्मान की सराहना करते हुए वरिष्ठ पत्रकार राकेश कुमार ने कहा कि राजनाथ सिंह के नाम पर आम रखना केवल प्रतीकात्मक सम्मान नहीं है, बल्कि यह उस जनसम्मान का परिचायक है जो आज एक सशक्त, संवेदनशील और राष्ट्रनिष्ठ नेता के लिए उमड़ रहा है। PoK पर उनका बयान भारतीय एकता की सच्ची भावना को दर्शाता है, और कलीम उल्लाह खान का यह कदम मिट्टी के गर्व को संप्रभुता के सम्मान से जोड़ने वाला है। 'राजनाथ आम' जल्द ही विभिन्न कृषि मेलों और प्रदर्शनियों में प्रस्तुत किया जाएगा, जहां यह भारत की सांस्कृतिक विरासत, बढ़ती ताकत और सीमाओं से परे दिलों को जोड़ने वाले नेतृत्व का प्रतीक बनेगा। कलीम उल्लाह खान इससे पहले भी कई चर्चित हस्तियों के नाम पर आम की किस्में रख चुके हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि राजनाथ आम केवल नेतृत्व के लिए नहीं, बल्कि उस भारत के विजन के लिए है, जिसे राजनाथ सिंह जी प्रस्तुत करते हैं।

छतरपुर प्रखंड सभागार में चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो अभियान किया गया शुभारंभ, 11 जून तक चलेगा अभियान

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
पलामू। जिले के छतरपुर प्रखंड के ब्लॉक सभागार में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के तहत चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो अभियान के छठे चरण का शुभारंभ गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे किया गया। कार्यक्रम का छतरपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी आशीष कुमार साहू, जिला कोऑर्डिनेटर धर्मेंद्र दुबे, कनीय अभियंता कुंदन कुमार, प्रखंड वाश कोऑर्डिनेटर एंथोनी किशोर, प्रखंड कोऑर्डिनेटर पंचायती राज विवेक कुमार ने संयुक्त रूप से किया। जिला कोऑर्डिनेटर धर्मेंद्र दुबे ने अभियान के उद्देश्य व रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी दी । छतरपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी आशीष कुमार साहू ने कहा कि माहवारी बेहद महत्वपूर्ण विषय है, जिस पर सिर्फ बात नहीं कार्य की आवश्यकता है. इस अभियान का सकारात्मक परिणाम आये, यह सुनिश्चित होना चाहिए. ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक रूप से अभियान चलायें. उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के किशोरियों और महिलाओं में माहवारी संबंधी जागरूकता और स्वच्छता के स्तर में काफी सुधार लाने की आवश्यकता है. इसके अलावे उन्होंने कहा कि अभियान के तहत 11 जून तक प्रत्येक दिन गतिविधियों का संचालन किया जाना है. गांव से प्रखंड स्तर तक आयोजित कार्यक्रम को सभी पदाधिकारियों को आपस में बेहतर समन्वय स्थापित कर महिलो और युवतियों के बीच हेल्थ और हाइजीन की प्रति जागरूक करने की बात कही। मौके प्रखंड के जलसहिया, आंगनबाड़ी सेविका और जेएसएलपीएस की महिलाएं उपस्थित थी।

कर्नाटक को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने टीडीआर प्रमाणपत्रों से संबंधित पिछले आदेशों पर लगायी अस्थाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने बैंगलोर पैलेस ग्राउंड से संबंधित 3,400 करोड़ रुपए से अधिक के हस्तांतरणीय विकास अधिकार (टीडीआर) प्रमाणपत्र से जुड़े पिछले आदेशों पर फिलहाल रोक लगा कर कर्नाटक सरकार को गुरुवार को एक बड़ी राहत दी। न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की अंशकालिक कार्य दिवस पीठ ने बेल्लारी और जयमहल रोड को चौड़ा करने के लिए अधिग्रहित बैंगलोर पैलेस ग्राउंड की 15 एकड़ से अधिक भूमि के के मामले में यह राहत दी। अदालत ने उस भूमि के बदले श्रीकांतदत्त नरसिंहराजा वाडियार और अन्य के कानूनी उत्तराधिकारियों के पक्ष में 3,400 करोड़ रुपए से अधिक के टीडीआर प्रमाणपत्र सौंपने के पिछले आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी है। पीठ ने कहा कि सभी टीडीआर प्रमाणपत्र रजिस्ट्री के पास जमा रहेंगे और अगर उन्हें जारी किया जाता है, तो उनका उपयोग नहीं किया जाएगा या कोई तीसरे पक्ष को उसका अधिकार नहीं मिलेगा। न्यायालय ने आदेश दिया कि टीडीआर प्रमाणपत्र जारी करने के 22 मई के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा दायर समीक्षा याचिका पर 21 जुलाई, 2025 से शुरू होने वाले सप्ताह में सुनवाई होगी। पीठ ने कहा,÷यदि समीक्षा याचिका खारिज कर दी जाती है, तो अंतरिम निर्देश ऐसे आदेश पारित करने की तिथि से चार सप्ताह तक या तीन न्यायाधीशों की पीठ द्वारा सुनवाई होने तक (जो भी बाद में हो) लागू रहेंगे। पीठ ने मुख्य दीवानी अपील की सुनवाई 18 अगस्त, 2025 को करने का भी निर्देश दिया। शीर्ष न्यायालय ने अवमानना कार्यवाही में जारी 22 मई के निर्देश में संशोधन के लिए कर्नाटक सरकार के आवेदन पर वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। कर्नाटक सरकार की ओर से महाधिवक्ता के शशि किरण शेट्टी और अतिरिक्त महाधिवक्ता निशांत पाटिल भी उपस्थित हुए। वरिष्ठ अधिवक्ता ए के गांगुली और गोपाल शंकरनारायणन तथा अन्य के नेतृत्व में दूसरे पक्ष ने तर्क दिया कि राज्य सरकार द्वारा उठाए गए तर्कों पर कई बार विचार किया गया है और उन्हें खारिज कर दिया गया।

खरीफ अभियान के तहत प्रशिक्षण सह् उपादान कार्यक्रम आयोजित

सं, सू पंकज कुमार ठाकुर।
चांदन (बांका) प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित ई किसान भवन चांदन के सभागार में आज गुरुवार को शारदीय (खरीफ) अभियान के तहत प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण सह उपादान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड प्रमुख रवीश कुमार,बीडीओ अजेश कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी रामकुमार पासवान, प्रशिक्षु प्रखंड कृषि पदाधिकारी उत्कर्ष कश्यप, कृषि वैज्ञानिक एवं आत्मा के अध्यक्ष बासुकीनाथ दुबे, उप प्रमुख दिनेश सिंह आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।प्रखंड कृषि पदाधिकारी रामकुमार पासवान ने चांदन कृषि सभागार में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आयोजित कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को खरीफ फसलों की उन्नत खेती,आधुनिक तकनीक, सरकारी योजनाओं तथा समर्थन मूल्य से जुड़ी जानकारी देना है। आज किसानों की हितों के लिए सरकार कई तरह के कल्याणकारी

योजनाएं चल रही है।किसानों को खेतों में मछली पालन,गोदाम जिसमें सरकार सब्सिडी 50 प्रतिशत देती है। साथ ही कतरनी चावल के लिए खेती करवा रही है।जो किसान अपने खेतों में कतरनी चावल के लिए धान की पैदावार करें। सरकार उन्हें 6000 रुपया प्रोत्साहन राशि देगी। सरकार समय-समय पर किसानों को उन्नत बीज दे रही है।कार्यक्रम का संचालन मृत्युंजय राय कृषि समन्वयक ने किया। जिन्होंने बारी-बारी से सभी जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारी से रूबरू कराते हुए किसानों को कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया। प्रशिक्षु कृषि पदाधिकारी उत्कर्ष कश्यप ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक कृषि तकनीकों को अपना कर किसान कम लागत में अधिक फसल की उत्पादन कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, फसल विविधीकरण और जैविक खेती पर भी विशेष जोर दिया। ऑर्डिनेटर कुंजेश ने किसानों को संबोधन में कहा कि सरकार द्वारा चलायी जा रही बीज वितरण योजना,ऋण सुविधा, फसल बीमा योजना तथा उर्वरक अनुदान से संबंधित जानकारियां साझा किया।साथ ही मौसम अनुकूल खेती के लिए किसानों को प्रेरित किया।मोटा अनाज के उत्पादन और विपणन को लेकर विस्तृत रूप से चर्चा किया।मौके पर एटीएम मोहसिना परवीन श,कृषि समन्वयक मृत्युंजय राय, कुंजेश कुमार, राजीव सिंह किसान सलाहकार राजीव रंजन, सुरेश यादव, रंजन कुमार, बालकृष्ण यादव, दीप नारायण मंडल शंभू दास सहित दर्जनों किसान मौजूद थे।

सिंदूर के नाम पर सियासत कर रही है भाजपा: कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की प्रवक्ता रागिनी नायक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इस दौरान उन्होंने सिंदूर दिखाया. उन्होंने कहा, मेरे हाथ और मांग में सिंदूर है. इसका भारतीय महिला के लिए क्या महत्व है ये मैं बीजेपी के नेता को बताना चाहती हूं. सुहाग का, प्रेम का, सात जन्मों के साथ का. सुहाग की रक्षा के लिए, सिंदूर भारतीय नारी की आन - शान है. इसी के साथ कांग्रेस प्रवक्ता ने बीजेपी पर अटैक करते हुए कहा, अपनी राजनीतिक और कुटनीतिक विफलता को छिपाने के लिए बीजेपी सिंदूर को ढाल बनाने जा रही है.

दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को मोदी सरकार घर-घर तक पहुंचाने की तैयारी कर रही है. इसी के तहत महिलाओं को तोहफे के रूप में सिंदूर दिया जाएगा. बीजेपी के सीनियर नेता ने बताया कि 9 जून से बीजेपी के कार्यकर्ता महिलाओं को घर-घर जाकर सिंदूर बांटेंगे. बीजेपी के सीनियर नेता ने बताया कि 9 जून से इसकी शुरुआत होगी. इसी दिन नरेंद्र मोदी ने बतौर देश के पीएम तीसरी बार शपथ ली थी. कांग्रेस ने बीजेपी के इस अभियान पर अटैक करते हुए कहा, बीजेपी घर-घर जाकर

सिंदूर वितरण कार्यक्रम करने जा रही है. अपने लिए पुष्पवर्षा करवाते हैं. सोफिया कुरैशी के परिवार से अपने ऊपर पुष्पवर्षा करवाते हैं मोदी जी.

कांग्रेस ने कहा, इसको लेकर हमारे तीन सवाल है—

-पराए आदमी के जरिए दिया गया ये सिंदूर किसके काम आएगा? और किसके लिए काम आएगा? भारतीय नारी को तो सिंदूर पति और ससुराल से मिलता है. ये सिंदूर जो बाटेंगे उस पर भी मोदी जी की तस्वीर छपी होगी.
-किस मुंह से बीजेपी और आरएसएस के नेता घर-घर जाएंगे, किस मुंह से बांटेंगे. जब मारे गए लोगों की पत्नियां और परिवार ये पूछ रहे हैं कि पहलगाम हमले में शामिल आतंकी कब मारे जाएंगे. बीजेपी के जो नेता सवाल उठा रहे है उनको बरखास्त तक नहीं किया गया तो फिर किस मुंह से लोगों के पास जाएंगे.
-कोविड-19 के दौरान जो लोग मरे हैं उनकी पत्नियों को भी बीजेपी वाले क्या सिंदूर देने जाएंगे. जिन 3 काले कानून के विरोध प्रदर्शन के दौरान किसानों की जान चली गई उनकी पत्नियों को भी बीजेपी वाले क्या सिंदूर देने जाएंगे. मजदूर जो मर रहे है उनका क्या? बेरोजगारी के कारण जो लोग रोजाना आत्महत्या कर रहे हैं उनकी पत्नियों को भी सिंदूर देने जाएंगे?

पहलगाम के नाम पर वोट बंटोरे जाएंगे

कांग्रेस प्रवक्ता ने बीजेपी पर सवाल दागते हुए पूछा, बीजेपी के विधायक आर एस पठानिया ने विवादित बयान दिया है कि वायु सेना नालायक है. वायु सेना सो रही थी. इस पर मोदी जी चुप क्यों है. सांप सूंघ गया है मोदी जी को. जब जरूरत है तो पुलवामा और पहलगाम के नाम पर वोट बंटोरे जाएंगे. रागिनी नायक ने आगे कहा, एक चुटकी सिंदूर की कीमत तुम क्या जानो मोदी बाबू. सिंदूर का स्वरूप और उसका रंग भारत के अलग-अलग प्रांतों में अलग हो सकता है, लेकिन एक भारतीय सनातनी विवाहित महिला के लिए सिंदूर का क्या महत्व है और इसकी क्या पहचान है- मैं बीजेपी और संघ के लोगों को समझाना चाहती हूं. क्योंकि मुझे लगता है इन लोगों को सिंदूर का महत्व समझ नहीं आता.

समझाया सिंदूर का महत्व

कांग्रेस प्रवक्ता ने सिंदूर का महत्व समझाते हुए कहा, सिंदूर प्रतीक है- सुहाग का, सम्मान का, सौभाग्य का, प्रेम के बंधन का, विश्वास के राग का, सुख-दुख के मेल का, 7 जन्मों के साथ का और बुरी नजर को भस्म करने वाली एक चुटकी आग का. जो सिंदूर विवाहित महिला की मांग को सजाता है, जो भारत की नारी शक्ति की आन-बान और शान है. उसी मांग के सिंदूर का दुरुपयोग आत्ममुग्धता की पराकाष्ठा से लिप्त नरेंद्र मोदी अपनी ओछी राजनीति में इस्तेमाल करेंगे और इसकी घोषणा मोदी सरकार कर चुकी है. उन्होंने आगे कहा, ये बेहद शर्म की बात है कि अपनी राजनीतिक और कूटनीतिक विफलता को छिपाने के लिए मोदी सरकार मांग के सिंदूर को ढाल बनाना चाहती है. सेना के पराक्रम और बहादुरी का श्रेय बटोरने के लिए मोदी सरकार और कितना नीचे गिरेगी? कांग्रेस प्रवक्ता ने बीजेपी को टारगेट करते हुए कहा, जब देश के हर जिले, हर नुक्कड़ पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के बड़े-बड़े पोस्टर लगाकर और सेना की वर्दी में स्वांग रचकर नरेंद्र मोदी का मन नहीं भरा, तो अब बीजेपी ने घोषणा की है वे घर-घर जाकर सिंदूर बांटेगी. वहीं इनकी सियासत देखिए कि ये घर-घर जाकर उस दिन से सिंदूर बांटना शुरू करेंगे, जिस दिन नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी. सिंदूर पर सियासत का इससे घटिया उदाहरण आपको देखने को नहीं मिल सकता.

बीजेपी से पूछे सवाल

रागिनी नायक ने कहा, मैं 'ऑपरेशन सिंदूर' के अलावा भी मोदी सरकार से कुछ पूछना चाहती हूं. मैं पूछना चाहती हूं कि,
-नोटबंदी के दौरान जिन 200 लोगों की अपना ही पैसा निकालते हुए जान चली गई, उनकी विधवाओं की सिंदूर की गवाही कौन देगा?
-कोविड के दौरान मरघटों में जो 24 घंटे लाशें जलती थीं, गंगा जी का घाट जिन लाशों से पट गया, उनकी उजड़ी मांग की गवाही कौन देगा?
-तीन काले कानून के खिलाफ जो 700 किसान शहीद हो गए, उनकी पत्नियां भी अपनी सूनी मांग लिए बैठी हैं, क्या आप उनके घर सिंदूर लेकर जाएंगे?
-हर दिन कई किसान और मजदूर खुदकुशी कर रहे हैं, उनकी पत्नियों के बारे में तो आप बात तक नहीं करते.
-आर्थिक तंगी और बेरोजगारी से परेशान होकर देश में हर साल 12,000 लोग आत्महत्या कर लेते हैं, उनकी पत्नियां भी विधवा होती हैं, क्या आप उनके घर जाएंगे?
-इस महंगाई में जो महिलाएं अपना मंगलसूत्र गिरवी रखकर दो वक्त की रोटी खा रही हैं, क्या आप उनके घर भी सिंदूर लेकर जाएंगे?

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए रवाना हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। एफआईएच प्रो लीग 2024-25 (महिला) के यूरोपीय चरण के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम बुधवार सुबह बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से एम्स्टर्डम (नीदरलैंड) के लिए रवाना हुई। टीम 8 जून तक नीदरलैंड के एम्सटर्डम में प्रशिक्षण लेगी। उसके बाद लंदन (यूके) जाएगी, जहां उसे ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना के खिलाफ़ अपने मैच खेलने हैं। हॉकी इंडिया के अनुसार भारतीय महिला टीम 14 और 15 जून को ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम से भिड़ेगी। उसके बाद 17 और 18 जून को अर्जेंटीना की महिला टीम से मैच खेलेगी। इसके बाद टीम 19 जून को एंटवर्प (बेल्जियम) जाएगी, जहां उसे बेल्जियम की राष्ट्रीय टीम के खिलाफ अगले दो मैच खेलने हैं। ये मैच 21 और 22 जून को खेले जाएंगे। यूरोपीय चरण का समापन वे 28 और 29 जून को जर्मनी के बर्लिन में चीन के खिलाफ दो मैचों के साथ करेंगे। रवाना होने से पहले भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि यह हमारे लिए एफआईएच प्रो लीग का एक बहुत ही महत्वपूर्ण चरण है, क्योंकि हम चार बहुत मजबूत टीमों का सामना करेंगे। हम इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेल चुके हैं और उनके और अन्य के खिलाफ अपने मैचों से पहले हम एम्स्टर्डम में अपनी रणनीति को और बेहतर बनाएंगे।

सिंगापुर ओपन 2025 : सत्विक-चिराग की जोड़ी अंतिम 16 में, लक्ष्य सेन चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली। सिंगापुर ओपन 2025, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट में भारत के सत्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने पुरुष डबल्स के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। भारतीय जोड़ी ने मलेशिया के मुहम्मद हाइकाल और चूंग हॉन जियान को 21-16, 21-13 से सिर्फ 37 मिनट में मात दी। मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर और रुत्विका गड्डे ने अमेरिका की चेन झी यी और फ्रांसेस्का कॉर्बेट को 21-16, 21-19 से 35 मिनट के राउंड ऑफ 32 मैच में हराया। इससे पहले लक्ष्य सेन को अपने राउंड ऑफ 32 मुकाबले के दौरान चोट लगने के कारण मैच छोड़ना पड़ा। उनका मुकाबला ताइवान के लिन चुन-यी से था। मुकाबले में निर्णायक गेम के दौरान स्कोर 21-15, 17-21, 5-13 था जब लक्ष्य मैच से हटे। महिला डबल्स में अमृता प्रमुथेश और सोनाली सिंह को जापान की दूसरी सीडेड जोड़ी, नामी मात्सुयामा और चिहारू शीदा से वॉकओवर मिला।आकार्शी कश्यप और उन्नति हूडा दोनों ने शुरूआती गेम तो जीता, लेकिन बाद में चीन की उच्च रैंकिंग वाली विपक्षी खिलाड़ियों के सामने हार गईं। आकार्शी 21-17, 13-21, 7-21 से तीसरी सीड हान यू के हाथों हार गईं, जबकि उन्नति 21-13, 9-21, 15-21 से दूसरी सीड वांग झी यी से पराजित हुईं।अनुपमा उपाध्याय को ताइवान की सुंग शुओ युन ने 12-21, 16-21 से हराया।

फोर नेशंस टूर्नामेंट:भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना को शूटआउट में 2-0 से हराया

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के रोसारियो में चल रहे फोर नेशंस टूर्नामेंट में मेज़बान अर्जेंटीना को शूटआउट में 2-0 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा। भारत की ओर से कनिका ने 44वें मिनट में गोल दागा, जबकि शूटआउट में लालरिनपुई और लालथनतलुआंगी ने गोल कर टीम को जीत दिलाई। मेज़बान अर्जेंटीना ने मुकाबले की आक्रामक शुरुआत की और 10वें मिनट में मिलाग्रोस डेल वैले ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि, भारतीय टीम ने धैर्य नहीं खोया और तीसरे क्वार्टर में वापसी करते हुए कनिका ने 44वें मिनट में शानदार गोल दाग कर स्कोर 1-1 कर दिया। निर्धारित समय तक स्कोर बराबरी पर रहने के बाद मुकाबला शूटआउट में गया। यहां भारत की कप्तान और गोलकीपर निधि ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना के चारों प्रयासों को रोक दिया। वहीं, भारत की ओर से लालरिनपुई और लालथनतलुआंगी ने अपने मौके भुनाते हुए शूटआउट में गोल दागे और भारत को जीत दिला दी।

नॉर्वे शतरंज 2025: राउंड 2 के बाद नाकामुरा और अर्जुन एरिगैसी संयुक्त रूप से शीर्ष पर

स्टावेंगर। नॉर्वे शतरंज 2025 के दूसरे राउंड में रोमांच अपने चरम पर रहा, जहां अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और भारत के अर्जुन एरिगैसी ने शानदार जीत के दम पर संयुक्त रूप से टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और नंबर 2 हिकारू नाकामुरा के बीच बहुप्रतीक्षित भिड़ंत एक शांत क्लासिकल ड्रॉ के साथ समाप्त हुई। दोनों खिलाड़ियों की सटीक चालों ने गेम को संतुलन में रखा। लेकिन असली रोमांच अर्मागेडन में देखने को मिला। शुरुआती बढ़त कार्लसन के पास थी और वे जीत की ओर अग्रसर दिखे। मगर एंडगेम में एक चूक ने बाजी पलट दी और नाकामुरा ने एक चमत्कारी चाल के साथ मुकाबला जीतकर महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक हासिल किए।

एशियाई ऑल-स्टार्स ने प्रदर्शनी मैच में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। मैनचेस्टर यूनाइटेड को कुआलालंपुर स्थित बुकित जलिल मैदान में खेले गए एक प्रदर्शनी फुटबॉल मुकाबले में दक्षिण-पूर्व एशिया के चुनिंदा खिलाड़ियों की टीम एशियन ऑल-स्टार्स से 0-1 की हार झेलनी पड़ी। म्यांमार की पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कप्तान मौंग मौंग ल्विन ने 71वें मिनट में एकमात्र गोल कर अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

दर्शकों की हूटिंग का सामना, कोच अमोरीम ने मानी टीम की कमजोरी

कोच रुबेन अमोरीम की टीम को मुकाबले की अंतिम सीटी बजने के बाद दर्शकों की नाराज़गी का सामना करना पड़ा। कुछ समर्थक तो मुकाबला समाप्त होने से पहले ही मैदान छोड़कर चले गए। मैच के बाद अमोरीम ने कहा, हम धीमी गति से खेले और हमारे अंदर अभी यह भावना नहीं है कि हम हर अभ्यास

सत्र या हर खेल में जीत दर्ज करें। दर्शकों की नाराज़गी ज़रूरी है, ताकि हमें अपनी कमियाँ समझ में आएं। 32 डिग्री सेल्सियस (90 फ़ॉरेनहाइट) की गर्मी में शुरू हुए इस मुकाबले के पहले भाग में दक्षिण-पूर्व एशियाई खिलाड़ियों की टीम अधिक आक्रामक नजर आई। 16वें मिनट में उनका एक प्रयास गोल के पास से निकल गया, जबकि यूनाइटेड के रक्षक गोलपाल (गोलकीपर) आंद्रे ओनाना ने एक शानदार नीचे जाती हुई गेंद को रोककर दर्शकों का दिल जीत लिया।किशोर मिड्फ़ील्ड खिलाड़ी कोबी मैनू ने यूनाइटेड के लिए पहला वास्तविक अवसर 25 गज से मारा, जिसे प्रतिद्वंद्वी गोलपाल ने बाहर भेज दिया। 38वें मिनट में उनका एक और प्रयास रेखा से पहले ही रोक लिया गया।

दूसरे भाग में ब्रूनो और गारनाचो की कोशिशें बेअसर

दूसरे भाग की शुरुआत में कप्तान ब्रूनो फर्नांडेस को मैदान में उतारा गया, जिनकी एक हाफ-वॉली ने थोड़ी ऊर्जा दिखाई, लेकिन परिणाम नहीं बदल सका। अर्जेंटीना के युवा विंगर एलेजांद्रो गारनाचो, जो संभवतः क्लब छोड़ सकते हैं, ने बेंच से उतरने के बाद कुछ तीव्रता जरूर लाई, लेकिन वह भी व्यर्थ रही। 71वें मिनट में मौंग मौंग ल्विन ने शानदार ढंग से यूनाइटेड की रक्षापंक्ति को छकाते हुए गोलपाल टॉम हीटन को पछाड़कर गेंद को जाल के ऊपरी कोने में पहुंचा दिया। जल्द ही हीटन ने एक और अवसर पर बचाव कर यूनाइटेड को और अधिक शर्मिंदगी से बचाया।

मैनचेस्टर यूनाइटेड अब 30 मई को एक और मिश्रित प्रदर्शनी मुकाबले में हांगकांग की राष्ट्रीय टीम से भिड़ेगा। यह सत्र यूनाइटेड के लिए बेहद निराशाजनक रहा, जिसमें उसे देश की प्रमुख फुटबॉल लीग में 38 मुकाबलों में केवल 42 अंक मिले और वह 15वें स्थान पर रही। हालांकि, सत्र के अंतिम मुकाबले में यूनाइटेड ने एस्टन विला को 2-0 से हराकर थोड़ी राहत पाई।

कायस्थ पाठशाला क्लब अंडर 16 लीग में बनी चैम्पियन

एजेंसी

प्रयागराज। कायस्थ पाठशाला क्लब ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस क्लब ए को 15 रन से हराकर मनीष देब-स्कंद गुप्त अंडर-16 क्रिकेट लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। केपी कॉलेज मैदान पर खेले गए मैच में केस पाठशाला क्लब ने 40 ओवर में सात विकेट पर 248 रन (अतुल यादव 81, अनमोल यादव 75, आर्यन पांडेय 27, विराट सिंह 25, मोहम्मद अली जफर खान 3-44, सागर यादव 3-54) बनाए। जवाब में नेताजी सुभाष चंद्र बोस क्लब ए की टीम 39.5 ओवर में 233 रन (सुहैब खान 102, वीर प्रताप 45, सागर यादव 23, आदित्य पाठक 3-45, सचिन मिश्रा 2-26, मोहम्मद अली 2-52) पर सिमट गई। मैच में शिशिर मेहरोत्रा व राहुल सिंह अंपायर एवं मोहम्मद सैफ स्कोरर रहे।

मैच से पहले कायस्थ पाठशाला ट्रस्ट के महासचिव एवं इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक एसडी कौटिल्य ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक आरपी भटनागर, एसीए के संयुक्त

संयोजक (लीग एवं मंडल) एलबी काला और चौधरी नौनिहाल क्लब के सह सचिव सत्यव्रत सहाय ने उनका स्वागत और एसीए के संयुक्त संयोजक (प्रशासन) सोमेश्वर पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर अनुराग श्रीवास्तव, मोहम्मद आसिफ, उदय प्रताप सिंह, प्रीतेश सोनकर, अंकित पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

फ्रेंच ओपन 2025 : कार्लोस अल्कराज तीसरे राउंड में पहुंचे, कैस्पर रूड बाहर

एजेंसी

पेरिस। फ्रेंच ओपन 2025 में टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने खतरनाक चुनौती पेश करने वाले हंगरी के अनसीडेड खिलाड़ी फैबियन मरोस्ज़न को 6-1, 4-6, 6-1, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं दो बार के फाइनलिस्ट कैस्पर रूड को करारी हार का सामना करना पड़ा, जबकि इटली के लोरेन्जो मुसेट्टी ने शानदार जीत दर्ज की।

अल्कराज ने मरोस्ज़न से पिछली हार का लिया बदला

स्पेनिश स्टार अल्कराज को दो साल पहले रोम में मरोस्ज़न ने चौंकाया था, लेकिन इस बार कोर्ट फिलिप शात्रिए पर हुए मुकाबले में 22 वर्षीय टॉप सीड ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले सेट में उन्होंने 4-0 की बढ़त ली और 6-1 से सेट अपने नाम किया। हालांकि दूसरे सेट में मरोस्ज़न ने बेहतरीन ड्रॉप शॉट्स के दम पर वापसी की और 6-4 से सेट जीत लिया। तीसरे सेट में अल्कराज ने फिर से अपना रंग जमाया और 6-1 से बढ़त बना ली। चौथे सेट में भले ही कुछ समय के लिए उनका खेल अस्थिर हुआ, लेकिन उन्होंने शानदार

नेट वॉली के साथ 5-2 की बढ़त बनाई और अंततः मुकाबला अपने नाम किया।

अब तीसरे दौर में अल्कराज का सामना जियोवानी मपेट्शी पेरीकार्ड या दामिर जुम्हर से होगा। इटली के आठवीं सीड लोरेन्जो मुसेट्टी ने कोलंबिया के लकी लूजर डेनियल गालन को 6-4, 6-0, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। कोर्ट सिमोने मथ्यू पर हो रही रुक-रुक कर बारिश ही उनके लिए एकमात्र चुनौती रही। अब मुसेट्टी का सामना अर्जेंटीना के मारियानो नावोने या अमेरिका के राइली ओपेल्का से होगा।नॉर्वे के कैस्पर रूड, जो 2022 और 2023 में फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचे थे, इस बार दूसरे दौर में ही बाहर हो गए। उन्हें पुर्तगाल के अनसीडेड खिलाड़ी नूनो बोरजेस ने 2-6, 6-4, 6-1, 6-0 से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। यह रूड के लिए बेहद निराशाजनक हार रही।

थाईलैंड मैत्री मैच के लिए सुहैल भट, निखिल भारतीय फुटबॉल टीम में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ ने थाईलैंड के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैच के लिए भारतीय टीम का चयन किया।

कोलकाता में 19 मई से चल रहे प्रशिक्षण कैंप में शामिल सभी 28 खिलाड़ी थाईलैंड के लिए यात्रा करेंगे। इसमें बिना अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले खिलाड़ी निखिल प्रभु, ऋतिक तिवारी, गुरमीत सिंह और सुहैल अहमद भट भी शामिल हैं। भारतीय टीम बुधवार शाम थाईलैंड के लिए रवाना होगी, जबकि यह फ्रेंडली मैच 4 जून को खेला जाएगा। थाईलैंड दौरे के बाद भारत टीम एशियाई कप 2027 के क्वालीफायर के तीसरे राउंड के मैच के लिए हांगकांग जाएगी, जो 10 जून को होगा।

थाईलैंड फ्रेंडली के लिए भारत टीम:

गोलकीपरः ऋतिक तिवारी, विशाल कैथ, गुरमीत सिंह, अमरिंदर सिंह।

डिफेंडरः नाओरेम रोशन सिंह, राहुल भेके, चिंगलेंसाना सिंह कोंशाम, अनवर अली, बॉरिस सिंह थांगजाम, संदेश झींगन, आशिष राय, सुभाषिश बोस, मेहताब सिंह, अभिषेक सिंह टेकचाम।

मिडफील्डरः सुरेश सिंह वांगजाम, महेश सिंह नाओरेम, लालरिंदिका, मनवीर सिंह, सुहैल अहमद भट, लल्लियांजुला छांगटे। आयुष देव छेत्री, उदांता सिंह कुमाम, ललेंगमाविया राल्टे, लिस्टन कोलाको, आशिक कुरुनियान, ब्रैंडन फर्नांडिस, निखिल प्रभु।

फॉरवर्डः सुनील छेत्री, एडमंड

मनिका बत्रा चोट के चलते यूटीटी 2025 से बाहर, अयहिका मुखर्जी को मिला मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनीका बत्रा छठे संस्करण के अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) से बाहर हो गई हैं। वह चोट के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगी। उनकी जगह अब अयहिका मुखर्जी अहमदाबाद एसजी पाइपर्स की टीम में शामिल होंगी।

वर्ल्ड चैंपियनशिप में लगी चोट, रिहैब में हैं मनिका

मनिका बत्रा को हाल ही में संपन्न हुई टेबल टेनिस वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 के दौरान चोट लगी थी। फिलहाल वह रिहैब से गुजर रही हैं। टूर्नामेंट में मनिका को पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा था, जहां वह रैंकिंग में नीचे चल रही कोरियाई खिलाड़ी पार्क गाह्योन (रैंक 64) से राउंड ऑफ

64 में हार गई थीं। उस समय मनिका की विश्व रैंकिंग 46 थी, जो अब गिरकर 47 हो गई है। यूटीटी के पहले-एवर ऑक्शन में मनीका बत्रा को अहमदाबाद एसजी पाइपर्स ने टीम में शामिल किया था। इससे पहले वह पीबीजी पुणे जैगुआर्स की ओर से खेलती थीं, जिन्होंने उन्हें रिलीज कर दिया था।

टीम में अन्य प्रमुख खिलाड़ी

मनिका की गैरमौजूदगी में टीम पर असर पड़ सकता है। हालांकि, टीम में अन्य अहम खिलाड़ी भी हैं, जिनमें रिकार्डो वाल्थर, एसएफआर स्नेहित, जॉर्जिया पिकोलिन, दिव्यांश श्रीवास्तव और याशिनी शिवशंकर शामिल हैं।

अयहिका को मिलेगा खुद को साबित करने का मौका

अयहिका मुखर्जी, जो यूटीटी नीलामी में अनसोल्ड रहीं थीं, अब मनिका की जगह लेने जा रही हैं। उनके लिए यह एक बड़ा मौका होगा, लेकिन साथ ही मनिका जैसी स्टार खिलाड़ी की भरपाई करना उनके लिए एक बड़ी चुनौती भी होगी।

अंडर-15 वर्ग फुटबाल प्रतियोगिता में गर्ल्स स्कूल घरोह तथा ब्वायज में रोज पब्लिक स्कूल बने विजेता

एजेंसी

धर्मशाला। धर्मशाला के पुलिस ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय अंडर-15 फुटबाल टूर्नामेंट के ब्वायज वर्ग में रोज पब्लिक स्कूल ने नूरपुर एमटीपी स्कूल को हराकर अपना दबदबा कायम किया। इसी तरह से गर्ल्स वर्ग में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल घरोह ने स्टैनफोर्ड वर्ल्ड स्कूल को हराकर खिताब अपने नाम किया। टूर्नामेंट के समापन समारोह में पुलिस महानिरीक्षक, नॉर्दर्न रेंज अभिषेक दुल्लर ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एडीएम शिल्पी बेक्टा तथा एसीटूडीसी सुभाष गौतम बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। पुलिस महानिरीक्षक नॉर्दर्न रेंज अभिषेक दुल्लर ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास में खेलों की अहम भूमिका है। खेलों के माध्यम से ही युवाओं को नशे से दूर रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी युवाओं को खेलों से जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा देश की ताकत हैं। स्वस्थ युवा ही समाज निर्माण में बेहतर भूमिका का निर्वहन सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने फुटबाल एसोसिएशन के पदाधिकारियों को सफल खेल आयोजन के लिए बधाई भी दी। इससे पहले फुटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष वरूण गुप्ता ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए कहा कि तीन दिवसीय टूर्नामेंट में 16 स्कूलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें 16 ब्वायज वर्ग में तथा आठ गर्ल्स वर्ग में टीमों ने अपना प्रदर्शन किया।

बीबीएल: जैमी ओवर्टन की एडिलेड स्ट्राइकर्स में वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के ऑलराउंडर जैमी ओवर्टन बिग बैश लीग (बीबीएल) के अगले सीज़न में एक बार फिर एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए खेलते नज़र आएंगे। फ्रेंचाइज़ी ने उन्हें आगामी ओवरसीज़ ड्राफ्ट से पहले इंटरनेशनल प्री-साइनिंग के तहत टीम में शामिल कर लिया है। ओवर्टन पिछले दो सीज़न में स्ट्राइकर्स के लिए 18 मुकाबले खेल चुके हैं और उन्हें पिछले सीज़न का 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' (एमवीपी) भी चुना गया था। उन्होंने अब तक 27 विकेट चटकाए हैं और 8.81 की इकॉनमी से गेंदबाज़ी की है। वहीं बल्लेबाज़ी में भी उन्होंने शानदार फिनिशर की भूमिका निभाई, 276 रन बनाए जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 150.81 रहा। सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ पिछले सीज़न के मुकाबले में उन्होंने सिर्फ 14 गेंदों में नाबाद 32 रन ठोके थे। बीबीएल में पिछले साल से एक नया नियम लागू हुआ है, जिसके तहत टीमें एक विदेशी खिलाड़ी को ड्राफ्ट से पहले

साइन कर सकती हैं, बशर्ते वह पूरा सीज़न और फाइनल मुकाबले खेलने के लिए उपलब्ध हो। इससे सीज़न के आखिरी चरण में खिलाड़ियों के बाहर जाने की समस्या को दूर करने की कोशिश की गई है। स्ट्राइकर्स के कोच टिम पेन ने ओवर्टन को फिर से साइन किए जाने पर खुशी जताई। उन्होंने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में कहा,जैमी को ड्राफ्ट से पहले साइन करना हमारी प्राथमिकता थी। पिछले दो सीज़न में उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से जबरदस्त प्रदर्शन किया है और उनकी एनर्जी पूरी टीम में जोश भर देती है। वह कुछ ही ओवर में मैच का रुख बदल सकते हैं। वहीं ओवर्टन ने भी वापसी को लेकर उत्साह जताते हुए कहा,मैं एडिलेड लौटकर बेहद खुश हूं। स्ट्राइकर्स के साथ मेरा अनुभव शानदार रहा है और एडिलेड ओवल में हमें जो सपोर्ट मिलता है, वो कमाल का होता है। इस बार हमारी नजरें बीबीएल खिताब पर होंगी।

ओवर्टन की साइनिंग के साथ अब सिडनी सिक्सर्स इकलौती टीम बची है जिसने अभी तक कोई विदेशी खिलाड़ी प्री-साइन नहीं किया है। दूसरी ओर कॉलिन मुनरो (ब्रिसबेन हीट), क्रिस जॉर्डन (होबार्ट हरिकेन्स), टिम सिफर्ट (मेलबर्न रेनेगेड्स), टॉम करन (मेलबर्न स्टार्स), फिन एलेन (पर्थ स्कॉर्चर्स) और सैम बिलिंग्स (सिडनी थंडर) पहले से ही दो साल के करार पर हैं।

स्ट्राइकर्स की टीम में अगले सीज़न कुछ बदलाव भी होंगे। ब्रेंडन डॉग्गेट और जेक वेदराल्ड फ्री एजेंट के तौर पर क्रमशः रेनेगेड्स और हरिकेन्स से जुड़ गए हैं। वहीं साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले जेसन सांघा अब थंडर से स्ट्राइकर्स में शामिल हो गए हैं।

लिवरपूल परेड हमला अपडेटः हत्या के प्रयास के संदेह में ड्राइवर गिरफ्तार

लिवरपूल। लिवरपुल में हुए हादसे के बाद पुलिस ने 53 वर्षीय ब्रिटिश व्यक्ति, जिसने अपनी गाड़ी से प्रीमियर लीग चैंपियनशिप का जश्न मना रहे लिवरपूल के प्रशंसकों की भीड़ को टक्कर मार दी थी, जिसमें 65 लोग घायल हो गए थे, को हत्या के प्रयास के संदेह में गिरफ्तार किया है। बता दें कि इंग्लैंड के लिवरपूल शहर में फुटबॉल क्लब की प्रीमियर लीग जीत की खुशी में निकाली गई परेड के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया था। भीड़ में तेज़ रफ्तार वैन घुस जाने से 65 लोग घायल हो गए, जिनमें से 50 को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। 11 लोगों की हालत अभी भी स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि 53 वर्षीय ब्रिटिश ड्राइवर को हत्या के प्रयास, खतरनाक ड्राइविंग और नशे में वाहन चलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिपः मनप्रीत गोनी के आलराउंड प्रदर्शन से अमेरिकन स्ट्राइकर्स की जीत

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप में दूसरे दिन का पहला मुकाबला अमेरिकन स्ट्राइकर्स के नाम रहा। उन्होंने 35 रन से इस मुकाबले को जीतकर लीग में धमाकेदार उपस्थिति दर्ज कराई। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरे अमेरिकन स्ट्राइकर्स के सलामी बल्लेबाज गौरव तोमर ने 28 गेंद में 65 रन बनाकर टीम को ताबड़तोड़ शुरुआत दिलाई, जिसके बाद अयान खान (24), मनप्रीत गोनी (39) और पी मेहरा (35) ने पारी को आगे बढ़ाते हुए टीम को 7 विकेट के नुकसान पर 214 रनों के विशालकाय स्कोर तक पहुंचा दिया। बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन के साथ मनप्रीत गोनी ने गेंदबाजी में भी एक विकेट झटका, जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार ने नवाजा गया। लक्ष्य का पीछा करने

उतरी ट्रांस टाइटंस की शुरुआत कुछ खास नहीं रही और उसने शुरुआती ओवरों में ही अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों ऋषि धवन (1) और अठावले (5) के विकेट को गंवा दिया। हालांकि उसके बाद वी सूद (21), पी शाह (33), हिमांग (31) और अवाना (36) ने टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन कोई भी अपने रनों को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सका, जिसके चलते पूरी टीम निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 179 रन ही बना पाई और 35 रनों से इस मुकाबले को हार गई। अब अमेरिकन स्ट्राइकर्स अपना अगला मुकाबला 29 मई को उद्घाटन मुकाबले की विजेता इंडियन वॉरियर्स के साथ खेलेगी।

28वीं अंतर्वाहिनी पीएसी पश्चिम जोन हॉकी प्रतियोगिता का शुभारम्भ

मुरादाबाद। 24 वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद में 28वीं पीएसी पश्चिम जोन हॉकी प्रतियोगिता का भव्य शुभारम्भ वाहिनी हॉकी ग्राउंड पर हुआ। तीन दिनों तक चलने वाली इस हॉकी प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएसी बरेली अनुभाग शालिनी ने फीता काटकर व गुब्बारे उड़ाकर किया। सर्वप्रथम आयोजन सचिव सेनानायक रमेश प्रसाद गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। डीआईजी शालिनी ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रहे पश्चिम जोन की कुल 14 टीम के मैनेजरों से परिचय प्राप्त किया। हॉकी प्रतियोगिता के प्रारम्भ होने से पूर्व मेजबान टीम के कप्तान द्वारा उक्त प्रतियोगिता में सम्मिलित होने वाले जोन के समस्त टीमों के खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में सच्ची खेल भावना से खेलने एवं खेल के नियम व मर्यादाओं का पालन करने की शपथ दिलायी गयी। मुख्य अतिथि पुलिस उपमहानिरीक्षक ने प्रतियोगिता में सम्मिलित होने वाली सभी टीमों के मैनेजरों व खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन व खेल भावना का पालन करने हेतु निर्देशित कर

खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इसके बाद उन्होंने हॉकी स्टिक से बाल को मारकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। आयोजन सचिव सेनानायक रमेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता के पहले दिन कुल 6 मुकाबले खेले गये। पहला मैच 08वीं वाहिनी पीएसी बरेली तथा 9वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद के मध्य खेला गया जिसमें 08 वीं वाहिनी पीएसी बरेली 3-0 से विजेता रही। दूसरा मैच 28 वीं वाहिनी पीएसी इटावा तथा 06 वीं वाहिनी मेरठ के मध्य खेला गया जिसमे 28 वीं वाहिनी इटावा 4-0 से विजेता रही। तीसरा मैच 38 वीं वाहिनी पीएसी अलीगढ़ तथा 45 वीं वाहिनी पीएसी अलीगढ़ के मध्य खेला गया। जिसमे 38 वीं वाहिनी पीएसी 6-0 से विजेता रही। शेष मैच अपराह्न में 3 बजे से खेले जाने हैं। इस अवसर पर उप सेनानायक 09 वीं वाहिनी वंशराज यादव, सहायक सेनानायक 24 वीं वाहिनी विक्रांत द्विवेदी, शिविरपाल मोहम्मद हकीमुद्दीन, सुबेदार मेजर राहुल शर्मा, सहायक शिविरपाल विनीत कुमार एवं वाहिनी तथा जोन के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीआरआई ने पूर्वोत्तर में 23.5 करोड़ रुपये की हेरोइन और मेथामफेटामाइन की जब्त, 4 तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए जारी प्रयासों के तहत राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने असम राइफल्स के साथ मिलकर मणिपुर और असम में दो अलग-अलग अभियानों में करीब 23.5 करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित दवाएं जब्त की हैं। इसके अलावा तस्करी में शामिल 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी पर कार्रवाई के तहत राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने 19 बीएन असम राइफल्स की सहायता से 21 मई, 2025 को राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर मणिपुर के नोनी में एक ट्रक के निचले हिस्से में से 569 ग्राम हेरोइन और 1,039 ग्राम मेथामफेटामाइन की गोलियों के पैकेट जब्त किए हैं। मंत्रालय ने कहा कि एक अन्य अभियान के तहत डीआरआई ने 22 मई को असम के हैलाकांडी जिले के एलोइचेरा में एक ट्रक के बेडलोड फ्लोर में से 2,640.53 ग्राम हेरोइन के पैकेट जब्त किए। मंत्रालय ने बताया कि एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत जब्त की गई इन प्रतिबंधित दवाओं की कीमत अंतरराष्ट्रीय ग्रे ड्रग मार्केट में करीब 23.5 करोड़ रुपये है। इस मामले में 4 व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

डार क्रेडिट एंड कैपिटलः मजबूत लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली। पर्सनल लोन, सिक्योर्ड और अनसिक्योर्ड एमएसएमई लोन मुहैया कराने वाली कंपनी डार क्रेडिट एंड कैपिटल के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री की। हालांकि लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली के दबाव के कारण इस शेयर पर लोअर सर्किट लग गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 60 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 8.58 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 65.15 रुपये के स्तर पर हुई। मजबूत लिस्टिंग से खुश निवेशकों की खुशी उस समय फीकी पड़ गई, जब लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली के दबाव की वजह से ये शेयर गिरकर 61.90 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। लोअर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक अभी भी 3.17 प्रतिशत के मुनाफे में हैं। डार क्रेडिट एंड कैपिटल का 25.66 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 23 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 106.09 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 31.29 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 208.45 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 104.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

मजबूत लिस्टिंग के बाद मुनाफावसूली के दबाव में फिसले बेलराइज इंडस्ट्रीज के शेयर

नई दिल्ली। ऑटोमोटिव पार्ट्स बनाने वाली कंपनी बेलराइज इंडस्ट्रीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। हालांकि मजबूत लिस्टिंग के बाद मुनाफावसूली होने की वजह से आईपीओ निवेशकों की खुशी कुछ ही देर में फीकी भी पड़ गई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 90 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी एंट्री 11 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 98.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह शेयर उछल कर 102.40 रुपये के स्तर तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसमें गिरावट आ गई। बाजार में सुबह 10ः30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 3.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 93.31 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। बेलराइज इंडस्ट्रीज का 2,150 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 23 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 43.14 गुना सब्सक्राइब हो गया था।

नई निसान मैग्नाइट सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट के साथ भी उपलब्ध

अहमदाबाद। निसान मोटर इंडिया की लोकप्रिय एसयूवी नई निसान मैग्नाइट अब सरकार द्वारा प्रमाणित सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट के साथ भी उपलब्ध होगी। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने यहां जारी अपने बयान में कहा कि सीएनजी किट को देश के नियामकीय मानकों के अनुरूप मोटोजेन (थर्ड पार्टी) द्वारा डेवलप, मैन्युफैक्चर और क्वालिटी एश्योर किया गया है। मोटोजेन किट के कंपोनेंट्स के लिए वारंटी देगी। यह पहल ग्राहकों को ध्यान में रखकर समाधान देने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दिखाती है। सरकार द्वारा अधिकृत फिटमेंट सेंटर पर किट को लगाया जाएगा। पर्यावरण के प्रति सचेत ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश की गई इको फ्रेंडली सीएनजी किट फिटमेंट को चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में उपलब्ध कराया जाएगा।

यूनीफाइड डाटा टेक ने निवेशकों को किया निराश, मजबूत लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में लुढ़के शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर को आईटी सर्विस देने वाली कंपनी यूनीफाइड डाटा टेक सॉल्यूशंस के शेयरों की आज प्रीमियम लिस्टिंग हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण आईपीओ निवेशकों की खुशी फीकी पड़ गई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 273 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 4.40 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ 285 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने से इस शेयर में गिरावट आ गई। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर इश्यू प्राइस से 45 पैसे की कमजोरी यानी 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 272.55 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। यूनीफाइड डाटा टेक सॉल्यूशंस का 144.47 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 26 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 91.12 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 83.22 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 212.43 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 43.62 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत कोई नया शेयर जारी नहीं किया गया है। इस आईपीओ के जरिये 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 52.92 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 9.71 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 10.40 करोड़ रुपये और 2023-24 में 25.13 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 67 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 266.80 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की बात करें तो पहले 11 महीने के दौरान कंपनी को 31.68 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 203.66 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी थी।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। दिन भर दबाव में कारोबार करने के बाद घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की सपाट स्तर पर मिली-जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में मामूली तेजी भी आई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से दोनों बेंचमार्क इंडेक्स लाल निशान में गिर गए। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.29 प्रतिशत और निफ्टी 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए आज दिन भर के कारोबार के दौरान डिफेंस और पीएसयू बैंक सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, एफएमसीजी, मेटल और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह आईटी, ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स लगातार चौथे दिन बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। इस इंडेक्स ने आज 0.50 प्रतिशत की छलांग लगाई।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 4 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 444.69 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 443.65 लाख करोड़ रुपये था।

हिंडनबर्ग मामले में लोकपाल ने पूर्व सेबी प्रमुख बुच को दी 'क्लीन चिट'

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। लोकपाल ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की पूर्व अध्यक्ष माधबी पुरी बुच को क्लीन चिट दे दी है। इसके साथ ही हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों को भी खारिज कर दिया। लोकपाल ने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के आधार पर पूर्व सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच के खिलाफ शिकायतों का निपटारा करते हुए उनपर लगे आरोपों को अप्रमाणित और तुच्छ बताया। इसके साथ ही कहा कि ये आरोप बिना सत्यापन योग्य साक्ष्य के अनुमान पर आधारित थे। इन्हें लेकर किसी जांच की जरूरत नहीं है। भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों की जांच करने वाली संस्था ने कहा कि यह आरोप पूरी तरह से धारणा पर आधारित है और उसके समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं हैं। लोकपाल ने कहा कि पिछले साल दर्ज की गई तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा समेत अन्य सभी की शिकायतें मूल रूप से एक निवेश कंपनी की रिपोर्ट पर

आधारित थीं। रिपोर्ट में पूरा ध्यान अदाणी समूह की कंपनियों को 'बेनकाब' करने या जांच के घेरे में लाने पर था। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी संस्था हिंडनबर्ग रिसर्च ने 10 अगस्त, 2024 को प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि माधबी पुरी बुच और उनके पति ने कुछ विदेशी फंड्स में हिस्सेदारी रखी थी, जो कथित रूप से अडाणी समूह के खिलाफ चल रहे धनशोधन की जांच से जुड़े थे। हालांकि, बुच और उनके पति ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि हिंडनबर्ग ने उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए यह हमले किए हैं।

बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड का शेयर पहले दिन के कारोबार में आठ फीसदी चढ़ा

एजेंसी

मुंबई। पुणे स्थित ऑटोमोटिव कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर ने घरेलू शेयर बाजार में जोरदार शुरुआत की। कंपनी का शेयर 90 रुपये के इश्यू प्राइस की तुलना में 11 फीसदी से अधिक प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुए। हालांकि, बाजार में सूचीबद्धता के दिन कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य से आठ फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड का शेयर 90 रुपये के निर्गम मूल्य से 9.44 फीसदी की तेजी के साथ 98.50 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के दौरान यह 14.66 फीसदी उछलकर 103.20 रुपये पर पहुंच गया था। हालांकि, अंत में यह 8.18 फीसदी की तेजी के साथ 97.37 रुपये के भाव पर बंद हुआ है, जो पेशकश मूल्य से 8.19 फीसदी ऊपर था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड का

शेयर 100 रुपये पर खुला और 90 रुपये के निर्गम मूल्य की तुलना में 11.11 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार के दौरान 102.4 रुपये के उच्चतम स्तर और 91.55 रुपये के निम्नतम स्तर को छूते हुए 8.23 फीसदी की बढ़त के साथ 97.41 रुपये पर बंद हुआ। वॉल्यूम के संदर्भ में एनएसई पर कंपनी के शेयर ने 19.84 करोड़ शेयरों और बीएसई पर 2.01 करोड़ शेयरों के साथ कारोबार किया। बेंचमार्क सूचकांकों में कमजोरी के बावजूद 8 फीसदी से अधिक की बढ़त दर्ज की है। कारोबार के अंत में कंपनी का शेयर कारोबार के पहले सत्र में ही 8,664.75 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ बंद हुआ।

लगातार दूसरे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 400 रुपये से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,040 रुपये से लेकर 97,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 88,950 रुपये से लेकर 89,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज मामूली गिरावट आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 97,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 88,950 रुपये

प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ट्राई ने छह गीगाहर्ट्ज, ई एवं वी बैंड में स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए जारी किया परामर्श पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने निचले 6 गीगाहर्ट्ज, 7 गीगाहर्ट्ज, 13 गीगाहर्ट्ज, 15 गीगाहर्ट्ज, 18 गीगाहर्ट्ज, 21 गीगाहर्ट्ज बैंड, ई-बैंड और वी-बैंड में माइक्रोवेव स्पेक्ट्रम के आवंटन पर परामर्श पत्र जारी किया है। संचार मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि ट्राई ने निचले 6 गीगाहर्ट्ज, 7 गीगाहर्ट्ज, 13 गीगाहर्ट्ज, 15 गीगाहर्ट्ज, 18 गीगाहर्ट्ज, 21 गीगाहर्ट्ज बैंड के साथ-साथ ई एवं वी बैंड में स्पेक्ट्रम के आवंटन पर परामर्श पत्र जारी किया है। ट्राई ने टिप्पणियों के लिए अंतिम तारीख 25 जून तथा जवाबी टिप्पणियों के लिए अंतिम तिथि 9 जुलाई तय की है। नियामक ने कहा, ''6 गीगाहर्ट्ज (निम्न), 7 गीगाहर्ट्ज, 13 गीगाहर्ट्ज, 15 गीगाहर्ट्ज, 18 गीगाहर्ट्ज, 21 गीगाहर्ट्ज बैंड, ई-बैंड और वी-बैंड में स्पेक्ट्रम के आवंटन पर जारी परामर्श पत्र हितधारकों से टिप्पणियां तथा जवाबी टिप्पणियां मांगने के लिए नियामक की वेबसाइट www.trai.gov.in पर उपलब्ध है।''दूरसंचार विभाग (डॉट) ने 12 अगस्त, 2022 के एक पत्र के जरिए ईएंडवी बैंड तथा माइक्रोवेव एक्सेस (एमडब्ल्यूए) के साथ-साथ उक्त आवृत्ति बैंड में माइक्रोवेव बैकबोन (एमडब्ल्यूबी) स्पेक्ट्रम के आवंटन के लिए सिफारिशें प्रदान करने के लिए ट्राई से संपर्क किया था। इसके बाद ट्राई ने ईएंडवी बैंड में स्पेक्ट्रम के आवंटन तथा माइक्रोवेव एक्सेस (एमडब्ल्यूए) और माइक्रोवेव बैकबोन (एमडब्ल्यूबी) पर एक परामर्श पत्र जारी किया है, ताकि इस विषय पर हितधारकों की टिप्पणियां मांगी जा सकें।

देश के औद्योगिक उत्पादन की रफ्तार अप्रैल में सुस्त पड़कर 2.7 फीसदी पर

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर की रफ्तार अप्रैल में विनिर्माण, खनन एवं बिजली क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन की वजह से सुस्त पड़कर 2.7 फीसदी रह गयी। अप्रैल, 2024 में यह 5.2 फीसदी की दर से बढ़ा था। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर की रफ्तार अप्रैल में सुस्त पड़कर 2.7 फीसदी रही है। आईआईपी के संदर्भ में मापा गया औद्योगिक उत्पादन अप्रैल, 2024 में 5.2 फीसदी बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने जारी आंकड़ों में मार्च के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर के

अनुमान को संशोधित कर 3.9 फीसदी कर दिया है, जबकि पिछले महीने जारी आंकड़ों में ये अनुमान तीन फीसदी था। आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि अप्रैल में थोड़ी कम होकर 3.4 फीसदी रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 4.2 फीसदी थी। खनन उत्पादन में 0.2 फीसदी की गिरावट आई है, जिसमें एक साल पहले 6.8 फीसदी की वृद्धि हुई थी। इसके अलावा बिजली उत्पादन की वृद्धि दर भी अप्रैल, 2025 में धीमी होकर एक फीसदी रह गई है, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 10.2 फीसदी थी। मंत्रालय ने बताया कि संशोधित कैलेंडर के अनुसार औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) का त्वरित अनुमान अब हर महीने की 28 तारीख को (या 28 तारीख को छुट्टी होने पर अगले कार्य दिवस पर) जारी किया जाएगा। यह सूचकांक स्रोत एजेंसियों से प्राप्त आंकड़ों के साथ संकलित किया जाता है, जो बदले में उत्पादक कारखानों/प्रतिष्ठानों से डेटा प्राप्त करते हैं। आईआईपी की संशोधन नीति के अनुसार इन त्वरित अनुमानों को बाद की रिलीज़ में संशोधित किया जाएगा।

इंडिगो एयरलाइन के नए चेयरमैन होंगे विक्रम सिंह मेहता, वेंकटरमणी सुमंत्रन का स्थान लेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एवं बजट एयरलाइन इंडिगो ने विक्रम सिंह मेहता को नए चेयरमैन के रूप में नियुक्त किया है, जो वेंकटरमणी सुमंत्रन का स्थान लेंगे। मेहता मई, 2022 से इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (इंडिगो) के बोर्ड के सदस्य हैं।इंडिगो के चेयरमैन मेहता सुमंत्रन ने बोर्ड सदस्य के रूप में अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था। सुमंत्रन को मई, 2022 में अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्होंने कोविड के बाद पिछले तीन वर्षों में इंडिगो की मजबूत रिकवरी और अविश्वसनीय वृद्धि के दौरान बोर्ड का मार्गदर्शन किया। नए चेयरमैन विक्रम सिंह मेहता मई, 2022 से इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (इंडिगो) के बोर्ड के सदस्य हैं। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं। उन्होंने कंपनियों के बोर्ड में भी काम किया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफन कॉलेज से गणित में स्नातक

भारत में शेल ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़ के अध्यक्ष और मिस्र में शेल मार्केट्स और शेल केमिकल्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में काम किया है। उन्होंने विभिन्न मेहता ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से राजनीति और अर्थशास्त्र में तथा टफ्ट्स विश्वविद्यालय से ऊर्जा अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि भी हासिल की है।

गेहूं की तरह बोएं धान, कम होगी लागत, उपज भी होगी बराबर

एजेंसी

लखनऊ। कृषि विशेषज्ञों की राय है कि धान की फसल भी गेहूं की तरह सीधे लाइन से बोआई कर नर्सरी से लेकर पलेवा तक का खर्च बचाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि खरीफ की मुख्य फसल धान है। नर्सरी में तैयार पौधों को कुशलता से निकालना, इनकी रोपाई के लिए खेत की तैयारी, फसल संरक्षा के उपायों से लेकर फसल की कटाई और मड़ाई तक का काम काफी श्रमसाध्य है। स्वाभाविक है इस सबमें अच्छी खासी लागत आती है। विशेषज्ञों का मानना है कि धान की फसल भी गेहूं की तरह सीधे लाइन से बोआई कर नर्सरी से लेकर पलेवा तक का खर्च बचाया जा सकता है। जीरो सीड ड्रिल, हैप्पी सीडर से बोआई आसान भी है। यही नहीं इसके जरिए बोआई के दौरान खाद और बीज एक साथ गिरने से पौधों को खाद की उपलब्धता भी बढ़ जाती है। फसल के लाइन से उगने के कारण फसल संरक्षा के उपाय में भी आसानी होती है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश सरकार लाइन सोइंग के लाभों से किसानों को लगातार जागरूक कर रही है। सरकार का तो यहां तक भी प्रयास है कि जिस फसल के लाइन सोइंग उपयुक्त है उनको किसान लाइन से बोएं। जिनको बेड बनाकर बोना है उनको बेड बनाकर बोएं। इनमें उपयोग आने वाले कृषि यंत्रों पर सरकार 50 प्रतिशत तक अनुदान भी देती है।

विदेशी सामानों के उपयोग से परहेज करने के लिए प्रधानमंत्री की अपील का व्यापारियों ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद और कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेशी उत्पादों से परहेज करने की अपील का समर्थन और स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह आत्मनिर्भर भारत' के प्रति उनके अटूट संकल्प को दर्शाती है। एक ऐसा भारत, जहां देशवासी स्वयं के बनाए उत्पादों का निर्माण, उपभोग और निर्यात करें। चांदनी चौक से भाजपा के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री की यह अपील न केवल अर्थव्यवस्था से जुड़ी है, बल्कि यह आत्म-सम्मान, आर्थिक स्वतंत्रता और हमारे देश के स्थानीय उत्पादकों एवं व्यापारियों के सशक्तिकरण का आह्वान है। उनकी अपील को कारगर बनाने के लिए जरूरी है कि व्यापारियों एवं निर्माताओं को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विजन के तहत सिंगल विंडो व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए, जिससे उनकी विभिन्न विभागों से संबंधित विषयों का एक ही स्थान पर हल हो सके। साथ ही कर एवं अन्य कानूनों एवं नियमों के पालन का बोझ भी कम से कम हो तथा इसके साथ ही आम उपयोग में आने वाली वस्तुएं जो विदेश से आती हैं, उन पर ड्यूटी का अधिभार ज्?यादा हो। इससे उनका आयात कम होगा और भारतीय सामान का निर्माण एवं उपयोग अधिक हो सकेगा। कैट महामंत्री यह भी कहा कि प्रधानमंत्री की अपील का मूल भाव यह है कि भारतीय उत्पादों के ही उपयोग की श्रृंखला को शुरू करने हेतु हम कम से कम रोजमर्रा की जरूरतों के लिए स्वदेशी उत्पादों का ही उपयोग करें, जिससे इस दिशा में एक सशक्त कदम तो बढ़े। अभी कुछ वस्तुओं के निर्माण हेतु हमें विदेशी निर्यात पर निर्भर रहना पड़ता है, ऐसी वस्तुओं के स्वदेशी निर्माण के लिए आवश्यक कदम उठाये जाएं। खंडेलवाल ने यह भी कहा की ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा विदेशी सामान बेचा जा रहा है, उन पर भी कढ़ाई से लगाम कसी जाए। खंडेलवाल ने कहा कि यह अपील छोटे व्यापारियों, लघु उद्योग और विनिर्माताओं की भावना से पूरी तरह मेल खाती है, जो वास्तव में भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। हर विदेशी उत्पाद जिसे हम देशी विकल्प से बदलते हैं, वह हमारे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है, रोजगार पैदा करता है और आयात पर हमारी निर्भरता को कम करता है। उन्होंने कहा कि यह एक निर्णायक क्षण है। भाजपा सांसद ने जोर देते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक परिप्रेक्ष्य में, जब आपूर्ति श्रृंखलाएं बदल रही हैं और देश विश्वसनीय साझेदारों की तलाश में हैं। भारत को इस अवसर का लाभ उठाते हुए वैश्विक विनिर्माण और सेवा केंद्र बनने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए । हमें अब 'स्वदेशी' को केवल भावना नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आर्थिक रणनीति बनाना होगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से आह्वान किया कि वे सोच-समझकर खरीदारी करें और दैनिक आवश्यकताओं, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिधान, खिलौने, फर्नीचर से लेकर डिजिटल सेवाओं तक, हर क्षेत्र में भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता दें। इसके साथ ही उन्होंने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स, रिटेलर्स और कॉर्पोरेट्स से आग्रह किया कि वे अपने प्लेटफ़ॉर्म और दुकानों पर भारतीय उत्पादों को प्रमुखता दी जाए। खंडेलवाल ने कहा यदि घरेलू मांग विदेशी उत्पादों से हटकर भारतीय उत्पादों की ओर मुड़ती है तो एमएसएमई और स्थानीय विनिर्माताओं को बड़ा लाभ मिलेगा। अब समय आ गया है कि भारतीय उपभोक्ता 'वोकल फॉर लोकल' के ब्रांड एंबेसडर बनें। इसके लिए सरकार को भी नीति समर्थन, सरकारी खरीद में प्राथमिकता और प्रोत्साहन देना चाहिए, ताकि देश में उत्पादन को बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि यह एक निर्णायक क्षण है।

जानवरों की दुनिया में भी होते हैं आलसी

दोस्तों, तुम 6-8 घंटे जरूर सोते होगे, जिसके बाद फ्रेश होकर अपने काम में जुट जाते होगे। तुमने अपने पेट्स और आसपास रहने वाले जानवरों को भी रात भर सोते हुए देखा होगा। यही नहीं, अगर मौका मिले तो वे दिन में भी सो जाते हैं, ऊंघते रहते हैं या आलसी बनकर पड़े रहते हैं। लेकिन क्या तुम दुनिया के ऐसे जानवरों के बारे में जानते हो, जो पूरे दिन का 60-80 प्रतिशत से भी अधिक समय सोने में खर्च करते हैं। यानी कई जानवर दिन भर में 16-22 घंटे सोते रहते हैं। इनमें कुछेक को छोड़ कर सभी आलसी होते हैं। वे खाते-पीते हैं और अपने जरूरी काम धीरे-धीरे निपटाकर दोबारा सो जाते हैं। तुम ऐसे जानवरों को लेजी, सोतूराम या आलसीराम नहीं कहोगे क्या? लेकिन ऐसा कर ये जानवर एक तो शिकारियों से अपना बचाव करते हैं, साथ ही लंबे समय तक अपनी एनर्जी भी बचाए रखते हैं।

शेर

तुम्हें यह अटपटा जरूर लगेगा कि ताकतवर और जंगल का राजा शेर भी अधिक सोने वाले जानवरों की क्षेणी में आता है। यह अलग बात है कि नर शेर आलसी या कमजोर बिल्कुल नहीं हैं। ताकत से भरपूर और एक्टिव होने के कारण ही ये जंगल के दूसरे जानवरों पर अपना दबदबा बनाए रखते हैं। शिकार करके नर शेर के खाने-पीने का इंतजाम करने का जिम्मा भी जब मादा शेरनी का होता है तो ये दिन में 18-22 घंटे ऊंघने के अलावा करते ही क्या हैं। कभी-कभी तो ये नर शेर दिन में 24 घंटे सोते रहते हैं।

कोआला

ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले कोआला आलसी जानवरों में पहले स्थान पर हैं। ये ज्यादातर नीलगिरी के पेड़ों पर समूह में रहते हैं और आसानी से उपलब्ध नीलगिरी के पत्ते, फल-फूल, पेड़ की छाल खाकर पेट भरते हैं। खाना ढूंढ़ने के लिए उन्हें कहीं जाने की भी जरूरत नहीं पड़ती। फाइबर से भरपूर ये पत्ते कोआला को ऊर्जा प्रदान करते हैं। कोआला नीलगिरी के पेड़ों पर बैठे-बैठे दिन में 22 घंटे सोते रहते हैं।

आर्माडीलो

ये एक दिन में 18-20 घंटे तक सोते हैं। अकेले रहने वाले आर्माडीलो रात के समय एक्टिव होते हैं और दिन में अपने बिल के अंदर जहां तक होता है, क्रॉल करते रहते हैं। ये कमजोर नजर वाले होते हैं। सूंघ कर अपने भोजन की तलाश करते हैं।

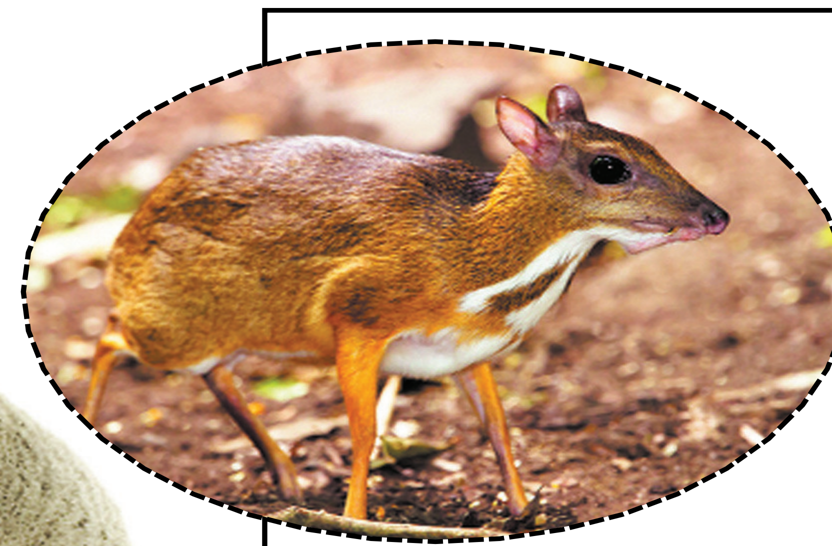

प्यारा और अनूठा माउस डियर

शेवट्रेन ऐसा जीव है, जिसका शरीर हिरन की तरह और मुंह चूहा जैसा होता है। अलग-अलग देशों के लोग इसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह दक्षिण भारत के अलावा एशिया और अफ्रीका के विभिन्न जंगलों में पाया जाता है। इसे आर्द्र जलवायु ज्यादा भाती है। यही कारण है कि यह वर्षावनों में ज्यादा पाया जाता है।

शेवट्रेन या पिसूरी चूहे की शक्ल का जीव है, पर इसका शरीर हिरन जैसा होता है। इसलिए लोग इसे माउस डियर कहते हैं। एशिया में पाए जाने वाले माउस डियर अफ्रीकी माउस डियर से हल्के और छोटे होते हैं। एशियाई माउस डियर आठ किलोग्राम तक के होते हैं। वहीं, इसकी अफ्रीकी प्रजाति का वजन 16 किलोग्राम तक होता है। यह पूरी तरह शाकाहारी होता है और पौधों के मुलायम पत्ते व पेड़ से गिरे फलों को खाता है। इसके शरीर के निचले हिस्से पर हिरन के जैसी ही धारियां भी बनी होती हैं। इसके कान छोटे-छोटे होते है। यह बहुत ही डरपोक होता है, पर विरोधी कमजोर हो, तो हमला भी कर देता है। शेवट्रेन नाम फ्रेंच से लिया गया है, जिसका मतलब 'छोटी बकरी' होता है। तेलुगु में इसे जारिनी पंडी, मलयालम में खूरान और कोंकणी में इसे बरिंका कहा जाता है। एक अनुमान के अनुसार इस जीव की खोज नव पाषाण काल में हुई। इसके पेट की संरचना बाकी जीवों से थोड़ी अलग होती है। इसके पाचन प्रक्रिया के लिए चार अलग-अलग चेंबर होते हैं। भोजन बारी-बारी से हर चेंबर से होकर गुजरता है, जहां पौष्टिक तत्वों का अवशोषण होता है।